पायनियर

Established 1865

Follw us on:
www.dailypioneer.com
@thedailypioneer
dailypioneer
dailypioneer

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

RNI No. DELHIN/2012/48369 | वर्ष-14 | अंक-39 | नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 11 दिसंबर 2025 | पृष्ठ-12, मूल्य 6 रुपये | (नगर संस्करण)

भारत के रोशनी के त्योहार को यूनेस्को की सूची में मिला खास दर्जा

अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में शामिल दीपावली पर्व

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के प्रमुख उत्सव दीपावली को बुधवार को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया। दिल्ली में लाल किले पर आयोजित यूनेस्को की एक अहम बैठक में यह फैसला लिया गया। यह पहली बार है कि भारत अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अंतरसरकारी समिति के सत्र की मेजबानी कर रहा है।

> हर भारतीय के लिए दीपावली बेहद भावनात्मक त्योहार

इस समिति का 20वां सत्र लाल किले में आठ से 13 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। यूनेस्को द्वारा दीपावली उत्सव को प्रतिष्ठित सूची में शामिल किए जाने की घोषणा के बाद वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे हवा में गूंज उठे। विभिन्न पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकारों ने मुख्य मंच के सामने प्रस्तुति दी और एक बड़ी स्क्रीन पर दीपावली उत्सव के चित्र प्रदर्शित किए गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में शामिल किए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे त्योहार की वैश्विक लोकप्रियता में और वृद्धि होगी। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत और दुनिया भर के लोग रोमांचित हैं। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण के लिए अंतरसरकारी समिति के 20वें सत्र के दौरान दीपावली के इस सूची में शामिल होने की घोषणा के तुरंत बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने देश की ओर से एक बयान दिया। भारत ने 2024-25 के लिए 2023 में यूनेस्को को दीपावली नामांकन का दस्तावेज भेजा था। शेखावत ने अपने संबोधन में कहा, हर भारतीय के लिए दीपावली बेहद भावनात्मक त्योहार है; इसे पीढ़ियों से मनाया जा रहा है, इसे महसूस किया जाता है और आत्मसात किया जाता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दीपावली को इस सूची में शामिल करके यूनेस्को ने नवीकरण, शांति और अच्छाई की जीत के लिए शाश्वत मानवीय अभिलाषा का सम्मान किया है। शेखावत ने कहा कि कुम्हारों से लेकर कारीगरों तक लाखों हाथ इस विरासत को जीवित रखते हैं। उन्होंने कहा कि यूनेस्को का यह टैग भी एक जिम्मेदारी है और हमें सुनिश्चित करना होगा कि दीपावली हमेशा एक विरासत बनी रहे।

पहले से ही लिस्ट में हैं भारत की 15 धरोहरें

दीपावली मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होने वाली भारत की 16वीं सांस्कृतिक परंपरा है। भारत की 15 सांस्कृतिक परंपराएं वर्तमान में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल हैं, जिनमें कुंभ मेला, कोलकाता की दुर्गा पूजा, गुजरात का गरबा नृत्य, योग, वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा और रामलीला-महाकाव्य रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन शामिल हैं।

दीपावली हमारी सभ्यता की आत्मा : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे त्योहार की वैश्विक लोकप्रियता में और वृद्धि होगी। मोदी ने यूनेस्को द्वारा दीपावली को अपनी अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किये जाने की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत और दुनिया भर के लोग रोमांचित हैं। उन्होंने कहा, दीपावली हमारी संस्कृति और मूल्यों से गहराई से जुड़ी हुई है।

यूनेस्को सूची में शामिल होना गौरव का क्षण

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में दीपावली को शामिल करना भारत के लिए गर्व का क्षण है, जो आधुनिक युग में भी देश की प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं के महत्व को दशार्ता है। भारत के प्रमुख उत्सव दीपावली को बुधवार को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया। लाल किले पर आयोजित यूनेस्को की एक महत्वपूर्ण बैठक में यह फैसला लिया गया।

गृहमंत्री अमित शाह का राहुल गांधी पर प्रहार

कांग्रेस की हार की वजह वोटर लिस्ट नहीं, आपका नेतृत्व

एजेंसी। नई दिल्ली

गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को विपक्ष पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर झूठ फैलाने और पूरी दुनिया में भारतीय लोकतंत्र की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया तथा दावा किया कि चुनावों में कांग्रेस की हार की वजह ईवीएम एवं मतदाता सूची नहीं, बल्कि राहुल गांधी का नेतृत्व है। उन्होंने लोकसभा में, चुनाव सुधारों पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि एक दिन कांग्रेस के कार्यकर्ता हार का हिसाब मांगेंगे। शाह ने कहा कि संविधान निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची बनाने का पूर्ण अधिकार देता है तथा एसआईआर मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया है।

> निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची बनाने का पूर्ण अधिकार देता है संविधान

उन्होंने कहा कि विदेशी नागरिकों को भारत में मतदान करने का अधिकार नहीं दिया जा सकता। शाह ने कहा, संविधान के अनुच्छेद 326 में मतदाता की पात्रता, योग्यता, और मतदाता होने की शर्तें तय की गई है। सबसे पहली शर्त है, मतदाता भारत का नागरिक होना चाहिए, विदेशी नहीं होना चाहिए। ये (विपक्ष) कह रहे हैं कि चुनाव आयोग एसआईआर क्यों कर रहा है? उसका (निर्वाचन आयोग) दायित्व है, इसलिए कर रहा है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग तटस्थता से चुनाव कराने वाली संस्था है। गृह मंत्री ने कहा कि अनर्गल आरोप लगाकर निर्वाचन आयोग की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, आपको ऐसा लगता है कि आप सरकार की छवि को धूमिल कर रहे हैं, लेकिन असल में आप पूरी दुनिया में भारत के लोकतंत्र की छवि धूमिल कर रहे हैं। शाह ने कहा कि यह नयी परंपरा शुरू हुई है कि चुनाव नहीं जीते तो निर्वाचन आयोग को बदनाम करो, जो लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है।

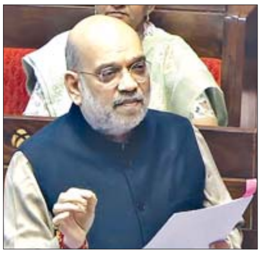

> देश का प्रधानमंत्री और राज्य का मुख्यमंत्री घुसपैठिये तय नहीं करेंगे। यह अधिकार केवल भारत के नागरिकों का है। नरेंद्र मोदी को देश की जनता ने प्रधानमंत्री बनाया है, वे विपक्ष की कृपा से पीएम नहीं बने हैं।
>
> -अमित शाह, गृह मंत्री

वंदे मातरम पर पक्ष व विपक्ष में घमासान

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को विपक्ष ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने 'वंदे मातरम' पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेताओं को घेरने की कोशिश की जबकि कांग्रेस ने राष्ट्र गीत को देश के कोने-कोने तक फैलाया। वहीं भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह 1937 में जिन्नावादी सोच के सामने झुक गई और पूरे गीत को राष्ट्र गीत के रूप में नहीं स्वीकार कर उसके एक हिस्से को ही अपनाया। कांग्रेस के सैयद नासिर हुसैन ने राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' की रचना के 150 साल पूरे होने पर उच्च सदन में हो रही चर्चा में हिस्सा लेते हुए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस चर्चा के दौरान कांग्रेस और कांग्रेस नेताओं को घेरने की कोशिश की गयी जो नाकाम रही। हुसैन ने कहा कि यह ऐतिहासिक सच है कि कांग्रेस पार्टी ने और उसके कार्यकर्ताओं ने अपने कार्यक्रमों के जरिए 'वंदे मातरम' को देश के कोने-कोने तक फैलाया। उन्होंने कहा कि 1937 के आसपास 'वंदे मातरम' को लेकर देश में दो प्रमुख राजनीतिक विचारधाराएं थीं। उनमें से एक मुस्लिम लीग की विचारधारा और दूसरी हिंदू महासभा की थी। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्र गीत को लेकर बहुत सारे विवाद पैदा हो रहे थे तब कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने रवींद्रनाथ टैगोर की सलाह पर 'वंदे मातरम' के दो अंतरे को शामिल करने का निर्णय किया।

> राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' की रचना के 150 साल पूरे होने पर उच्च सदन में चर्चा

पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ पुलिस ने बुधवार को पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईपीएस) अधिकारी अमिताभ ठाकुर को 1999 में देवरिया जिले में एक भूखंड के आवंटन से जुड़े जालसाजी के कथित मामले में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक ठाकुर ने 1999 में देवरिया के पुलिस अधीक्षक (एसपी) के तौर पर अपने पद का दुरुपयोग कर जाली दस्तावेज और गलत पहचान का इस्तेमाल करके जिला उद्योग केंद्र द्वारा एक औद्योगिक भूखंड का आवंटन अपनी पत्नी नूतन ठाकुर के नाम पर करवाया। बाद में उन्होंने भूखंड को अपने फायदे के लिए बेच दिया। पुलिस उपायुक्त (लखनऊ पश्चिमी) विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि इस बारे में लखनऊ के ताल कटोरा क्षेत्र के राजाजीपुरम के रहने वाले संजय शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई थी।

> भूखंड आवंटन में जालसाजी के मामले में हुई कार्रवाई

गोवा आग : अजय गुप्ता की 36 घंटे की ट्रांजिट रिमांड

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को गोवा पुलिस को बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब के सह मालिक अजय गुप्ता की 36 घंटे की ट्रांजिट रिमांड की अनुमति दे दी। छह दिसंबर को इस नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। गुप्ता को गोवा के नाइट क्लब में आग लगने की घटना के संबंध में पूछताछ के लिए दिल्ली में हिरासत में लिया गया था। गोवा पुलिस ने गुप्ता को अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विनोद जोशी के समक्ष पेश किया और उनकी ट्रांजिट रिमांड मांगी।

> नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की हो गई थी मौत

इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान के कारण जारी हवाई यात्रा संकट को देखते हुए अदालत ने 36 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मंजूर की। न्यायाधीश ने निर्देश दिया कि गुप्ता की रीढ़ की हड्डी की चोट और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाए और हिरासत के दौरान उन्हें समय पर दवा उपलब्ध कराई जाए। इससे पहले, गुप्ता के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया था, क्योंकि गोवा पुलिस की एक टीम उन्हें उनके दिल्ली स्थित आवास पर ढूंढने में असफल रही थी।

मैं केवल साझेदार हूं : अजय गुप्ता

गोवा के बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब के सह-मालिकों में से एक अजय गुप्ता ने आग लगने की घटना के संबंध में कहा कि वह केवल एक साझेदार हैं। गुप्ता ने सनलाइट कॉलोनी में स्थित अपराध शाखा कार्यालय में प्रवेश करते समय यह संक्षिप्त टिप्पणी की।

लूथरा बंधुओं को राहत नहीं

गोवा के बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा बुधवार को दिल्ली की एक अदालत से अंतरिम राहत पाने में असफल रहे, जिसने उनकी ट्रांजिट अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई अगले दिन के लिए स्थगित कर दी।

धोखाधड़ी में दो चीनी नागरिकों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एचपीजेड टोकन निवेश धोखाधड़ी घोटाले के सिलसिले में दो चीनी नागरिकों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है, जिसमें कोरोनाकाल के दौरान फर्जी कंपनियों के जरिये लोगों से 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी किए जाने का आरोप है।

> 'एचपीजेड टोकन' नाम के फर्जी ऐप से 1,000 करोड़ की ठगी की

अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि चीनी नागरिकों के स्वामित्व एवं नियंत्रण वाली कंपनी 'शिगू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड' ने कोविड लॉकडाउन के दौरान 'एचपीजेड टोकन' नाम के एक फर्जी मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करके लोगों के साथ ठगी की। जांच एजेंसी ने कहा कि आरोपियों ने यह दावा करते हुए लोगों को निवेश के लिए प्रोत्साहित किया कि उक्त रकम का इस्तेमाल 'क्रिप्टोकरेंसी माइनिंग' में किया जाएगा, जिससे काफी उच्च रिटर्न हासिल होगा।

सीबीआई की जांच में पता चला कि यह कोई छुटपुट घटना नहीं थी, बल्कि विदेशी नागरिकों द्वारा संचालित एक बड़े, सुनियोजित साइबर अपराध गिरोह से जुड़ी हुई थी। जांच एजेंसी ने पाया कि यह गिरोह कोविड-19 के बाद के दौर में भारतीय नागरिकों को निशाना बनाकर की गई कई साइबर धोखाधड़ी के लिए जिम्मेदार था, जिनमें कर्ज देने वाले ऐप, फर्जी निवेश ऐप और ऑनलाइन नौकरी की फर्जी पेशकश करने वाले मंचों का इस्तेमाल किया गया था।

इंडिगो संकट पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने पूछा सवाल

ऐसी स्थिति क्यों पैदा हुई, इसका जिम्मेदार कौन

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से बुधवार को सवाल किया कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों उत्पन्न हुई जिसके कारण इंडिगो की कई उड़ान रद्द करनी पड़ीं। अदालत ने इन हालात को संकट करार दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि फंसे हुए यात्रियों को हुई परेशानी और उत्पीड़न के अलावा, यह अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान का भी सवाल है।

> 5 हजार का टिकट 30 से 35 हजार का कैसे हुआ

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने यह सवाल भी किया कि ऐसी संकटपूर्ण स्थिति में दूसरी विमानन कंपनियां हालात का फायदा उठाकर यात्रियों से टिकटों के लिए भारी कीमत कैसे वसूल सकती हैं। अदालत ने सवाल किया, जो टिकट 5,000 रुपये में मिल रहा था, उसका मूल्य 30,000 से 35,000 रुपये तक कैसे पहुंच गया? यदि यह संकट की स्थिति थी तो दूसरी विमानन कंपनियों को इसका लाभ कैसे उठाने दिया गया? किराया 35,000 और 39,000 रुपये तक कैसे पहुंच गया? अन्य विमानन कंपनियों ने शुल्क लेना कैसे शुरू कर दिया? पीठ ने इस मामले पर डेढ़ घंटे से अधिक समय तक सुनवाई की। पीठ ने कहा कि यदि समिति द्वारा शुरू की गई जांच पूरी हो जाती है तो उसकी रिपोर्ट अगली तारीख 22 जनवरी को अदालत में सीलबंद लिफाफे में पेश की जाए। अदालत ने कहा, हम नागर विमानन मंत्रालय और डीजीसीए द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना करते हैं, लेकिन हमें यह चिंता है कि आखिर ऐसी स्थिति कैसे उत्पन्न होने दी गई, जिसके कारण पूरे देश के हवाई अड्डों पर लाखों यात्री फंसे रहे।

डीजीसीए ने आठ सदस्यीय निगरानी दल का किया गठन

मुंबई। राहुल भाटिया के नियंत्रण वाली एयरलाइन इंडिगो पर निगरानी कड़ी करते हुए विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने चालक दल की कमी के कारण बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होने के बाद आठ सदस्यीय निगरानी दल का गठन किया है। डीजीसीए द्वारा जारी आदेश के अनुसार, इस दल में एक उपमुख्य उड़ान संचालन निरीक्षक, वरिष्ठ उड़ान संचालन निरीक्षक और दो अन्य उड़ान संचालन निरीक्षक शामिल होंगे। इनमें से दो सदस्य रोजाना इंडिगो के मुख्य कार्यालय में तैनात रहेंगे। उन्हें एयरलाइन के पूरे बेड़े, औसत उड़ान दूरी, कुल पायलटों की संख्या, नेटवर्क विवरण, चालक दल के सेवा के घंटे, प्रशिक्षण में लगे चालक दल और अन्य संबंधित मामलों की निगरानी करनी होगी। दो सदस्य प्रतिदिन की उड़ानों, अनियोजित छुट्टियों, चालक दल की कमी के कारण प्रभावित क्षेत्रों की कुल संख्या, साथ ही प्रत्येक आधार पर प्रतिदिन स्टैंडबाय पर रहने वाले कॉकपिट और केबिन चालक दल की संख्या पर भी नजर रखेंगे।

इंडिगो के सीईओ को फिर किया तलब

मुंबई। विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने संकटग्रस्त इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स को बृहस्पतिवार को उनके कार्यालय में उपस्थित होने और हालिया परिचालन व्यवधानों से संबंधित व्यापक एवं अद्यतन जानकारी से लैस एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। बुधवार को जारी बयान में यह जानकारी दी गई। एल्बर्स को बृहस्पतिवार को दोपहर तीन बजे डीजीसीए कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि सीईओ को सभी संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। नियामक के आदेशानुसार, विमानन कंपनी को उड़ानें बहाल करने, पायलटों तथा चालक दल की भर्ती योजना, पायलट व चालक दल की अद्यतन संख्या, रद्द की गई उड़ानों की संख्या और रिफंड आदि से संबंधित जानकारी प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

सीएम योगी ने किया आगाह

ड्रग्स और मोबाइल से दूर रहें युवा

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नशाखोरी और स्मार्टफोन की लत को आज के युवाओं के लिये सबसे बड़ा खतरा करार देते हुए बुधवार को कहा कि युवाओं से अपने और देश के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए इन दोनों बीमारियों से दूर रहने की जरूरत है। महायोगी गोरखनाथ यूनिवर्सिटी में एमपीएसपी के 93वें संस्थापक सप्ताह के ग्रैंड फिनाले कार्यक्रम में नशे की लत में फंसा युवा परिवार, समाज या देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियां नहीं निभा सकता। आज के युवाओं के सामने दो सबसे बड़े खतरे हैं, जिनमें नशाखोरी और स्मार्टफोन की लत शामिल है। उन्हें अपने और अपने देश के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए इन दोनों से दूर रहना चाहिए। उत्तराखंड के गवर्नर लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (रिटायर्ड) का चीफ गेस्ट के तौर पर स्वागत किया।

> युवा पीढ़ी को निशाना बना रहे हैं ड्रग माफिया

गढ़चिरौली में पुलिस बल को मिली बड़ी कामयाबी

एजेंसी। गढ़चिरौली

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस डीजीपी रश्मि शुक्ला के समक्ष 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इन नक्सलियों के सिर पर सामूहिक रूप से कुल 82 लाख रुपये का इनाम था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जब नक्सलियों ने डीजीपी के सामने हथियार डाले, तब उनमें से चार वर्दी में थे। पुलिस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि राज्य सरकार ने उन पर कुल 82 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

> 82 लाख के इनामी 11 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर में भी चार ने डाले हथियार

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर में कुल 23 लाख रुपए के इनामी चार नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। जिले में आज चार नक्सलियों काजल उर्फ रजीता वेड़दा, मंजूला उर्फ लक्ष्मी पोटाई, विलास उर्फ चैतु उसेंडी और रामसाय उर्फ लखन मरापी ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

अनिश्चितकालीन हड़ताल फेल: काम करते रहे चिकित्सक

■ एसडीएम ने किया तीन बार बीके सिविल अस्पताल का दौरा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन द्वारा पहले दो दिवसीय हड़ताल का ऐलान किया गया था, लेकिन रविवार से डॉक्टरों ने इसे अनिश्चितकालीन हड़ताल में बदल दिया। हड़ताल तीसरे दिन भी जारी रही, जिससे मरीजों में चिंता की स्थिति बनी रही। हालांकि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने मिलकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं किसी भी कीमत पर प्रभावित न हों।

उपायुक्त (डीसी) ने स्पष्ट निर्देश दिए कि चाहे कुछ भी हो जाए, सभी अस्पतालों में इलाज और आवश्यक सेवाएं सामान्य रूप से चलनी चाहिए। एसडीएम त्रिलोक चंद ने बीके सिविल अस्पताल का दौरा करते हुए कहा कि जिले में कुल 141 डॉक्टर तैनात हैं, जिनमें से 36 डॉक्टर हड़ताल में शामिल बताए जा रहे हैं। बीके अस्पताल में 54 डॉक्टर ड्यूटी पर हैं, जिनमें से कुछ डॉक्टर हड़ताल पर चले गए। स्थिति को संभालने के लिए अमृता अस्पताल से 16 डॉक्टरों को बुलाया गया था, लेकिन मौजूदा आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए फिलहाल 5 डॉक्टरों को ही ड्यूटी पर लगाया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति जानने के लिए एसडीएम त्रिलोक चंद ने तीन बार अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी, इमरजेंसी और अन्य विभागों का जायजा लिया। आम दिनों में जहां जिले में 2,000 से 2,500 मरीज ओपीडी में पहुंचते हैं, वहीं हड़ताल के बीच यह आंकड़ा घटकर 1,500 रह गया। कम संख्या के बावजूद प्रशासन ने मरीजों के लिए पर्याप्त डॉक्टर और स्टाफ उपलब्ध कराया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. जयंत अहूजा ने बताया कि वास्तव में केवल 6 डॉक्टर ही हड़ताल पर हैं और स्वास्थ्य सेवाओं को किसी भी तरह से बाधित नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में सभी सुविधाएं नियमित रूप से चल रही हैं। मशीनरी में आई तकनीकी खराबियां भी जल्द ठीक करने की प्रक्रिया में हैं ताकि मरीजों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो। इधर, हड़ताली डॉक्टरों से लगातार बातचीत की जा रही है। कुछ डॉक्टर वापस ड्यूटी पर लौट आए हैं, जबकि कुछ रास्ते में हैं।

प्रशासन का कहना है कि संवाद के माध्यम से समाधान जल्द ही निकल आएगा। वहीं भीतर की चर्चा में यह भी सामने आया कि कई डॉक्टरों ने हड़ताल से दूरी इसलिए बनाई क्योंकि यह निर्णय बिना सामूहिक बैठक और चर्चा के अचानक लिया गया था। कुछ समान पदों पर कार्यरत डॉक्टरों का कहना है कि उनके निजी या विभागीय मुद्दों को इस हड़ताल में शामिल नहीं किया गया, जिसके कारण वे इसमें सम्मिलित नहीं हुए। कुछ वरिष्ठ डॉक्टर, जो रिटायरमेंट के करीब हैं, उन्होंने भी हड़ताल से दूरी बनाए रखने का निर्णय लिया।

हड़ताल के तीसरे दिन जहां मरीजों और उनके परिजनों में संशय की स्थिति बनी रही, वहीं जिला प्रशासन की सक्रियता और वैकल्पिक डॉक्टरों की तैनाती से स्वास्थ्य सेवाएं लगभग सामान्य रूप से चलती रहीं। प्रशासन का दावा है कि किसी भी स्थिति में हड़ताल को सफल नहीं होने दिया जाएगा और मरीजों को हर सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

नागरिक अस्पताल में तीसरे दिन भी डॉक्टर हड़ताल पर रहे

गुरुग्राम। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन (एचसीएमएसए) के बैनर तले बुधवार को भी सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर हड़ताल पर रहे। तीसरे दिन की हड़ताल के दौरान स्वास्थ्य सेवाएं काफी चरमराई हुई हैं। अस्पताल प्रशासन का दावा है कि वैकल्पिक व्यवस्था में 48 डॉक्टर लगाए गए हैं। इनके अलावा दो फिजिशियन व दो अन्य डॉक्टर बुलाए गए हैं। डॉक्टर्स की अनिश्चितकालीन हड़ताल के चलते अब मरीजों को उपचार के लिए परेशानी बढ़ रही है। सरकार द्वारा आवश्यक सेवाएं रखरखाव अधिनियम (एस्मा) लगाए जाने पर हड़ताली डॉक्टर्स ने कहा कि सरकार

■ अगर डॉक्टरों की मांगें जायज हैं तो उन्हें पूरा करे सरकार : मरीज

उनके आंदोलन को दबाना चाहती है। एस्मा लगाना सरकार का अन्याय है। अपनी आवाज उठाने का सबको अधिकार है। हम भी अपनी मांगों के लिए हड़ताल पर हैं। सरकार मांगे पूरी कर दे तो सभी डॉक्टर पूरी निष्ठा से काम करेंगें। सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर्स की हड़ताल का मरीजों पर काफी असर पड़ रहा है। एक साथ इतने अधिक डॉक्टर्स की हड़ताल होने से ओपीडी में भी मरीजों की संख्या घटने लगी है। क्योंकि मीडिया के माध्यम से जनता में यह मैसेज पहुंच गया है कि अस्पतालों में डॉक्टर हड़ताल पर हैं। फिर भी काफी मरीज यहां आ भी रहे हैं। मरीज यह भी कह रहे हैं कि अगर डॉक्टरों की मांगें जायज हैं तो सरकार उनको पूरा करे। सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल के पीएमओ डा. लोकवीर के मुताबिक प्रशिक्षित डॉक्टर्स, पीजी स्टूडेंट व अन्य स्टाफ की तैनाती की गई है। मरीजों को किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं आने दी जा रही। अस्पताल में चार डॉक्टर और भेजे जा रहे हैं। इनमें दो फिजिशियन हैं। तकनीकी कार्यों को भी बिना बाधा के चलाया जा रहा है।

बांसुरी स्वराज ने सुरक्षा गार्डों को वितरित किए इलेक्ट्रिक हीटर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नई दिल्ली सांसद बांसुरी स्वराज ने बुधवार को आरके पुरम विधानसभा क्षेत्र में सुरक्षा गार्डों को इलेक्ट्रिक हीटर वितरित की। इस कार्यक्रम का आयोजन विधायक अनिल शर्मा ने किया। इस अवसर पर सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि यह पहल उन सुरक्षा कर्मियों के प्रति हमारे सम्मान का प्रतीक है, जो दिन-रात हमारी कॉलोनियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। बांसुरी स्वराज ने कहा कि यह पहल मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा द्वारा शुरू किए गए उस महत्वपूर्ण अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत पुरी दिल्ली में रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के सुरक्षा कर्मियों को इलेक्ट्रिक हीटर प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक हीटर से न केवल गार्डों को कड़ाके की ठंड में राहत मिलेगी, बल्कि खुली आग जलाने की आवश्यकता कम होने से वायु प्रदूषण में भी कमी आएगी, जो पर्यावरण के लिए एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने कहा कि इस जनहितकारी पहल के सुचारू संचालन में अधिकारियों ने पूरा सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष रविंदर चौधरी और दिल्ली सरकार के अधिकारी भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि, दिल्ली सरकार ने सर्दियों में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए तीन हजार से ज्यादा आरडब्ल्यूए, सुरक्षा गार्ड और कर्मचारियों को इलेक्ट्रिक हीटर मुहैया कराने की बात की थी।

आईआरपीआरए '40 अंडर 40' के चौथे संस्करण का आयोजन 10 जनवरी को

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

> देश के छोटे-बड़े शहरों और कस्बों आदि में कार्यरत पीआर प्रोफेशनल्स की मेहनत और प्रतिभा अक्सर छिपी रहती है लेकिन तथ्य यह है कि उनके क्रिएटिव आइडियाज, लगातार प्रयास और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करने का जज्बा ही कम्युनिकेशन की दुनिया को आगे बढ़ाता है।
> **पवन त्रिपाठी, आईआरपीआरए '40 अंडर 40' के आयोजक**

देश के छोटे-बड़े शहरों और कस्बों आदि में कार्यरत पीआर प्रोफेशनल्स के इंडिया रीजनल पब्लिक रिलेशन्स अवॉर्ड्स (आईआरपीआरए) '40 अंडर 40' का चौथा संस्करण आगामी 10 जनवरी को वर्चुअल रूप से आयोजित किया जा रहा है। इसमें भाग लेने के लिए प्रतिभागियों के लिए रजिस्ट्रेशन खुला है, जिसके नामांकन की आखिरी तारीख 25 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। आईआरपीआरए '40 अंडर 40' के आयोजक पवन त्रिपाठी ने बुधवार को बताया कि देश के छोटे-बड़े शहरों और कस्बों आदि में कार्यरत पीआर प्रोफेशनल्स की मेहनत और प्रतिभा अक्सर छिपी रहती है लेकिन तथ्य यह है कि उनके क्रिएटिव आइडियाज, लगातार प्रयास और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करने का जज्बा ही कम्युनिकेशन की दुनिया को आगे बढ़ाता है। इन्हीं प्रोफेशनल्स की मेहनत को मान्यता देने के लिए इंडिया रीजनल पब्लिक रिलेशन्स अवॉर्ड्स (आईआरपीआरए) '40 अंडर 40' का चौथा संस्करण 10 जनवरी को वर्चुअल रूप से आयोजित होने जा रहा है। त्रिपाठी ने कहा कि जैसा कि पिछले संस्करणों में हुआ, इस बार भी इस अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान देश के विभिन्न क्षेत्रों के पीआर प्रोफेशनल्स को उनके समर्पण और उत्कृष्ट काम के लिए सम्मानित किया जाएगा। प्रतिभागियों के लिए रजिस्ट्रेशन खुला है और नामांकन की आखिरी तारीख 25 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है।

शकूरबस्ती में पार्सल ट्रेन से तीन डिब्बे पटरी से उतरे, परिचालन प्रभावित

नई दिल्ली। शकूरबस्ती रेलवे स्टेशन के पास बुधवार सुबह एक पार्सल ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। सुबह 10:30 बजे हुए इस हादसे के चलते रेल परिचालन प्रभावित रहा। तीन लोकल गाड़ियों को रद्द करना पड़ा। यह गाड़ियां रोहतक से नई दिल्ली, जींद से नई दिल्ली और शकूरबस्ती से नई दिल्ली के बीच चलनी थीं। वहीं, 14 गाड़ियों को गंतव्य से पहले टर्मिनेट किया गया और वहीं से वापस चलाया गया। इनके अलावा एक रेलगाड़ी को डाइवर्ट कर चलाया गया। घटना की जानकारी मिलने पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। तीन घंटे में डिब्बों को ट्रैक पर चढ़ाया गया, जिसके बाद यह पार्सल ट्रेन रवाना हुई। घटना में किसी के चोटिल होने की सूचना नहीं है। इस हादसे के कारण यात्रियों को जरूर परेशानी का सामना करना पड़ा।

सिधरावली गांव बना मॉडल सोलर विलेज का विजेता

■ गुरुग्राम में घोषित हुए मॉडल सोलर विलेज प्रतियोगिता के परिणाम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत जिला गुरुग्राम में आयोजित मॉडल सोलर विलेज प्रतियोगिता के परिणाम बुधवार को एडीसी वत्सल वशिष्ठ की अध्यक्षता में हुई बैठक में घोषित किए गए। बैठक में डीएलसी कमेटी ने ग्राम पंचायत सिंधरावली को प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया। प्रतियोगिता की शुरूआत 24 अप्रैल 2025 को की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा को अपनाने का विस्तार करना, घरेलू उपभोक्ताओं को सोलर रूफटॉप से जोडड़्रा और गांवों को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आत्मनिर्भर बनाना था। इस प्रतियोगिता में जिले के पांच गांव सिधरावली, टीकली, बोहड़ाकला और खेड़ला, पथरेड़ी ने भाग लिया।

छह महीने की अवधि में इन गांवों में सोलर इंस्टॉलेशन, ग्रामीण जागरुकता, पंचायत की सक्रिय भूमिका, बिजली बचत के प्रयास और योजना की प्रगति जैसे सभी बिंदुओं पर लगातार निरीक्षण और मूल्यांकन किया गया। प्रतियोगिता अवधि 25 अक्टूबर 2025 को समाप्त हुई, जिसके बाद डीएलसी कमेटी ने विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। मूल्यांकन रिपोर्ट में पाया गया कि सिंधरावली गांव ने सौर ऊर्जा अपनाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। यहां सबसे अधिक घरों में सोलर रूफटॉप लगाए गए, साथ ही पंचायत द्वारा जागरुकता अभियान और जनसहभागिता अत्यधिक प्रभावी रही।

ग्राम पंचायत सिधरावली को पुरस्कार में मिलेंगें एक करोड़

विजेता ग्राम पंचायत सिधरावली को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से एक करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। यह राशि गांव में सौर ऊर्जा ढांचे को मजबूत करने, सार्वजनिक स्थलों पर सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाने, सरकारी भवनों में सोलर सिस्टम स्थापित करने और ग्रामीणों को सोलर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने में उपयोग की जाएगी।
एडीसी वत्सल विशिष्ठ ने कहा कि सौर ऊर्जा भविष्य की आवश्यकता है और इस प्रकार की प्रतियोगिताएं ग्रामीण क्षेत्रों को ऊर्जा संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में प्रेरित करती हैं।

बेटी की सहेली का यौन उत्पीड़न करने वाला जंपर अपराधी गिफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

■ 76 वर्षीय आरोपी ने बेटी की नाबालिग सहेली का किया था यौन उत्पीड़न

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, पॉक्सो (बच्चों का यौन अपराधों से संरक्षण) अधिनियम के तहत उम्रकैद की सजा काट रहे एक फरार दोषी को गिरफ्तार किया है। यह दोषी, जिसकी पहचान वाहिद खान (76) के रूप में हुई है, सितंबर 2021 से परोल जम्पर बना हुआ था और लगातार अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए ठिकाने बदल रहा था।

उपायुक्त पुलिस, अपराध- नई दिल्ली, पंकज कुमार ने बताया कि एसीपी गिरीश कौशिक के करीबी पर्यवेक्षण में काम कर रही अपराध शाखा की एनआर-क्कटीम ने वाहिद खान को ट्रैप करके धर दबोचा। वाहिद खान संजय कैंप, त्रिलोकपुरी का निवासी है और मूल रूप से आगरा, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। अधिकारी ने बताया कि यह मामला 2015 का है। मयूर विहार थाने में पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। दोषी वाहिद खान पर अपनी बेटी की 13 वर्षीय सहेली के साथ जबरन यौन उत्पीड़न करने का आरोप था। लंबी सुनवाई के बाद, 2018 में एएसजे कोर्ट ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। दोषी को 1 सितंबर 2021 को परोल दी गई थी, परोल समाप्त होने के बाद उसने जेल अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया।

टैक्टर ट्राली की टक्कर ने ली युवती की जान

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर थाना क्षेत्र में एक युवती जिससे एक हादसे में मौत हो गयी,युवती अपने पिता के साथ स्कूटी से जा रही थी तभी उसे एक ट्रेक्टर ट्रॉली ने टक्कर मार दी,जिससे युवती की मौत हो गयी। पुलिस ने सम्बंधित धाराओं में मामला दर्ज कर चालक की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बुधवार शाम लगभग 4.37 बजे करावल नगर थाना पुलिस को एक वाहन दुर्घटना की सूचना मिली थी । जब पुलिस टीम जौहरीपुर नाला और शिव विहार तिराहा के बीच घटनास्थल पर पहुंची तो 21 वर्षीय युवती गंभीर रूप से घायल पाई गई। पूछताछ में पता चला कि ओवरटेकिंग करते समय एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उस स्कूटी को टक्कर मार दी, जिस पर युवती अपने पिता के साथ यात्रा कर रही थी। दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया।

लापरवाह निकली खुले में घूम रहे पशुओं को पकड़ने वाली एजेंसी, ठोंका जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

■ नगर निगम गुरुग्राम ने पेस्टेक सोल्यूशन पर 1.03 लाख का लगाया जुर्माना

नगर निगम गुरुग्राम के क्षेत्र में खुले में घूम रहे पशुओं को पकडड़्रे और उनके परिवहन के लिए लगाई गई एजेंसी ही लापरवाही निकली। इस लापरवाही पर नगर निगम ने पेस्टेक कंपलीट सॉल्यूशन एजेंसी पर 1,03,500 रुपये का जुमार्ना ठोंका है। यह कार्रवाई संयुक्त आयुक्त (स्वच्छ भारत मिशन) कार्यालय द्वारा जारी आधिकारिक नोटिस के आधार पर की गई है।

बता दें कि नगर निगम द्वारा 13 नवंबर 2024 को एजेंसी को खुले में घूमने वाले पशुओं को पकडड़्रे और उन्हें निर्धारित गौशाला/नंदीशाला तक पहुंचाने का कार्य आवंटित किया गया था। एजेंसी ने 28 नवंबर 2025 से काम शुरू किया, लेकिन कई दिनों तक शिकायतों का सही निवारण नहीं किया गया। नगर निगम को एसएमजीटी पोर्टल, जीआरएस पोर्टल, सीएम विंडो, समाधान शिविर, जीएमडीए पोर्टल और निगम की हेल्पलाइन सहित कई स्त्रोतों से खुले में घूमने वाले पशुओं की शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिन्हें समय पर एजेंसी को भेजा गया, लेकिन 45 शिकायतें लंबित पाई गईं। आरएफपी की शर्तों के अनुसार वाहनों में जीपीएस और कैमरे लगाए जाने थे तथा उनकी आईडी/पासवर्ड नगर निगम को उपलब्ध करवाने थे, लेकिन एजेंसी ने 11 दिनों तक न तो जीपीएस इंस्टॉल किया और न ही कैमरे लगाए, जिससे पशु पकडड़्रे की गतिविधियों की मॉनिटरिंग प्रभावित हुई। नगर निगम ने एजेंसी को चेतावनी देते हुए कहा है कि सभी शिकायतों का समाधान 2 दिनों में किया जाए और दैनिक रिपोर्ट कार्यालय में जमा कराई जाए। निदेशों की अवहेलना पर और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, संबंधित कनिष्ठ अभियंता को निर्देश दिए गए हैं कि लगाई गई पेनल्टी राशि एजेंसी के मासिक बिल से काटी जाए।

दिल्ली सरकार और आईओसीएल के बीच एमओयू साइन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति में बुधवार को दिल्ली सरकार और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर साइन किया गया। यह समझौता दिल्ली सचिवालय में हुआ। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि यह समझौता फ्लाईओवरों के सौन्दर्यीकरण, चिकित्सा उपकरणों के प्रावधान, वाटर एटीएम की उपलब्धता, ऊर्जा केंद्रों की स्थापना और बसों की ब्रांडिंग के माध्यम से दिल्ली को एक सुंदर, स्वस्थ और सुव्यवस्थित राजधानी में बदलने की दिशा में उठाया गया एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्री आशीष सूद ने सफाई व्यवस्था व कूड़ा प्रबंधन कार्यों का किया निरीक्षण

दिल्ली नगर निगम के बीच वर्षों से चली आ रही खींचातानी अब समाप्त, तेजी से किए जाएंगे विकास कार्य : सूद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने बुधवार को वार्ड संख्या 108, हस्तसाल में रोड संख्या 237, होली चौक, हस्तसाल, उत्तमनगर और विकासपुरी स्थित डीएवी स्कूल क्षेत्र में साफ सफाई, प्रदूषण नियंत्रण, कूड़ा प्रबंधन, नालों की साफ-सफाई आदि कार्यों का निरीक्षण किया।

इस दौरान स्थानीय निवासियों ने मंत्री को बताया की विकासपुरी के डीएवी स्कूल के सामने कूड़े का अंबार लगा हुआ है जिससे न केवल बच्चों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है बल्कि इस कूड़े से यहां प्रदूषण भी हो रहा है। इसके साथ ही रोड नंबर 237 पर कई जगह सीवरों के ढक्कन खुले हुए हैं जिनसे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। साथ ही रोड के ऊपर कई जगह कूड़ा कचरा पड़ा रहता है और उसको उठाने की भी कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। निरीक्षण के बाद शहरी विकास मंत्री ने बताया कि दिल्ली के प्रत्येक वार्ड में लोगों को स्वच्छता सेवाएं समयबद्ध और प्रभावी ढंग से उपलब्ध करना सरकार का लक्ष्य है। हरेक इलाके में नियमित रूप से साफ-सफाई और कूड़े का प्रबंधन किया जाए। इसी कड़ी में आज विभिन्न इलाकों का निरीक्षण किया गया ताकि जमीनी स्तर पर मौजूद चुनौतियों को समझकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जा सकें। मंत्री सूद ने यह भी बताया कि निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड में चल रहे सफाई एवं स्वच्छता कार्यों की गुणवत्ता का

■ कार्यों को करने वाली सभी एजेंसियों को दिए गए हैं सख्त निर्देश

मूल्यांकन करने के साथ कूड़ा संग्रहण, परिवहन और निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी, नालों की सफाई तथा जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम को हर संभव सहयोग देकर राजधानी की सफाई व्यवस्था में व्यापक सुधार लाना चाहती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम के बीच वर्षों से चली आ रही खींचातानी अब समाप्त होनी चाहिए। एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी बंद होना आवश्यक है। मंत्री ने यह भी कहा कि जब दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम के बीच मजबूत इंट्रा-डिपार्टमेंट कोऑर्डिनेशन स्थापित होगा तभी हम विकसित दिल्ली के संकल्प को सफलतापूर्वक पूरा कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि स्वच्छता केवल नगर निगम या सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि नागरिकों के सहयोग से चलने वाली सतत प्रक्रिया है, जिसमें सभी का साथ सहयोग चाहिए।

शहरी विकास मंत्री ने आगे कहा की इन कार्यों को करने वाली सभी एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। स्वच्छता कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार दिल्ली वासियों की शिकायतों के शीघ्र अति शीघ्र समाधान पर गंभीरता पूर्वक कार्य कर रही है।

सरकारी स्कूलों में छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण मिलेगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को संगठित और विशेषज्ञ प्रशिक्षण के जरिए आत्मरक्षा के मजबूत गुर सिखाए जाएंगे। शिक्षा मंत्रालय की ओर से समग्र शिक्षाझ्रदिल्ली के तहत रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा कार्यक्रम को मंजूरी मिल चुकी है, जिसके अंतर्गत प्राथमिक और माध्यमिक स्तर की छात्राओं को 36 घंटे का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका उद्देश्य छात्राओं को किसी भी असुरक्षित परिस्थिति में स्वयं की रक्षा करने योग्य बनाना है। प्रशिक्षण सभी जिलों के सरकारी स्कूलों में आयोजित होगा, जहां छात्राओं को कठिन हालात में सही प्रतिक्रिया, हमलावर से बचाव, शारीरिक प्रतिरोध तकनीक और मानसिक रूप से सतर्क रहने के तरीके सिखाए जाएंगे। शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि यह पहल जेंडर इक्विटी को मजबूत करने के साथ छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाएगी। कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने एक बाहरी विशेषज्ञ एजेंसी को नियुक्त किया है।

संविदा महिला शिक्षकों को भी मातृत्व अवकाश मिलेगा

नई दिल्ली। राजधानी के सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाली संविदा महिला शिक्षकों को मातृत्व अवकाश मिलेगा। संविदा महिला शिक्षक लंबे समय से मातृत्व अवकाश देने की मांग कर रही थीं। इसमें शिक्षकों को अधिकतम 26 सप्ताह (180 दिन) का मातृत्व अवकाश मिलेगा। इसमें प्रसव पूर्व आठ सप्ताह भी शामिल होंगे। विभाग ने बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए विशेष शैक्षणिक व्यवस्था भी सुनिश्चित की है।

शरजील और अन्य की जमानत पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कार्यकताओं उमर खालिद, शरजील इमाम व अन्य आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया। ये सभी फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से संबंधित यूएपीए मामले में आरोपी हैं। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ ने सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता, अतिरिक्त सॉलीसिटर जनरल एस.वी. राजू और वरिष्ठ अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल, अभिषेक सिंघवी, सिद्धार्थ दवे, सलमान खुर्शीद और सिद्धार्थ लूथरा की दलीलें सुनीं। दिल्ली पुलिस ने उमर, शरजील और अन्य आरोपियों की जमानत याचिकाओं का कड़ा विरोध किया।

Name change

I, Mohan Lal S/o Sahib Ram Kalia R/o H.No.606, Sec-23, Faridabad, HR, I have changed my name to Mohan Lal Kalia.

तीन स्कूलों को बम की धमकी

स्कूलों को कराया गया खाली, जांच में फर्जी पाई गई सूचना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के तीन निजी स्कूलों में बुधवार सुबह बम की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद तुरंत आपातकालीन कार्रवाई की गई और स्कूलों को खाली करा लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि बाद में इसे बम की धमकी को फर्जी घोषित कर दिया गया क्योंकि कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारी ने लक्ष्मी नगर स्थित लवली पब्लिक स्कूल के नाम की पुष्टि की, जबकि पुलिस ने कहा कि सादिक नगर स्थित द इंडियन स्कूल और आरके पुरम स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल को भी इसी तरह की धमकियां मिली हैं। अधिकारियों ने बताया कि धमकी भरे ईमेल सुबह करीब 10 बजे प्राप्त हुए, जिनमें दावा किया गया था कि स्कूलों के अंदर एक विस्फोटक उपकरण लगाया गया है। सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस, अग्निशमन विभाग और अन्य आपातकालीन एजेंसियों को भेज दी गई। दमकल गाड़ियां, बम निरोधक दस्ते, खोजी कुत्ते और पुलिस की टीमें तुरंत घटनास्थल पर भेजी गईं। छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को सुरक्षित निकाल लिया गया और परिसर को चारों ओर से घेर लिया गया। एक अधिकारी ने बताया, अभी तक किसी भी संदिग्ध चीज का पता नहीं चला है। बम की धमकी को झूठी धमकी घोषित किया गया है।

मेट्रो में महिलाओं के स्वास्थ्य पर केंद्रित जागरूकता अभियान शुरू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से महिलाओं और लड़कियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण पर केंद्रित दिल्ली मेट्रो अभियान की शुरूआत बुधवार को सुल्तानपुर मेट्रो स्टेशन से की। यह अभियान 10 दिसंबर से 10 जनवरी तक चलेगा। इसका उद्देश्य मेट्रो ट्रेन और चुनिंदा स्टेशन पर प्रदर्शित संदेशों के माध्यम से लाखों यात्रियों तक पहुंच बनाना है। ये संदेश महिलाओं की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता एवं डिजिटल समावेशन की अहमियत को रेखांकित करने के साथ ही तपेदिक और प्रसव पूर्व लिंग परीक्षण (पीसी-पीएनडीटी) के खिलाफ जागरूकता फैलाते हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने अभियान की शुरूआत के मौके पर कहा, अगर महिलाएं स्वस्थ न हों, तो कोई भी परिवार या राष्ट्र सही मायने में प्रगति नहीं कर सकता। महिलाओं का स्वास्थ्य और सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। उन्होंने कहा, दिल्ली मेट्रो के इस अभियान के जरिये हम इस संदेश को व्यापक जनसमूह तक पहुंचाने की उम्मीद कर रहे हैं। यह अभियान संदेश को सीधे महिलाओं तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है।

श्रीवास्तव ने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य एवं कल्याण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों से संबंधित संदेश मेट्रो ट्रेन के डिब्बों के अंदर और बाहरी हिस्से, दोनों पर प्रदर्शित किए गए हैं। स्वास्थ्य सचिव ने लिंग जांच के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीकों की बढ़ती सुलभता पर कहा, पहले लोग भ्रूण का लिंग निर्धारित करने के लिए अल्ट्रासाउंड पर निर्भर थे। अब इसी उद्देश्य के लिए नयी तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन तरीकों को बंद करना होगा और लोगों को जागरुक करने की आवश्यकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की दक्षिण-पूर्व एशिया प्रभारी कैथरीना बोहेम ने कहा, इस मेट्रो स्टेशन पर कुछ यात्राएं समाप्त होती हैं और कुछ शुरू होती हैं। आज लैंगिक हिंसा के खिलाफ 16 दिनों के अभियान का अंतिम दिन है।

आर्य केंद्रीय सभा दिल्ली राज्य का त्रैवार्षिक चुनाव संपन्न

नई दिल्ली। दिल्ली राज्य की समस्त आर्य समाजों एवं आर्य संगठनों की केन्द्रीय संस्था आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली राज्य का त्रैवार्षिक निर्वाचन आर्य समाज हनुमान रोड, नई दिल्ली के सभागार में सम्पन्न हुआ। निर्वाचन में सम्पूर्ण दिल्ली की आर्य समाजों से पधारे लगभग 350 प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। निर्वाचन अधिकारी कृपाल सिंह एवं सह निर्वाचन अधिकारी सुरेशचन्द्र गुप्ता की अध्यक्षता में हुए इस चुनाव में जोगेन्द्र खट्टर जी को सर्वसम्मति से प्रधान निर्वाचित घोषित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित प्रतिनिधियों ने एक स्वर से नव निर्वाचित प्रधान जोगेन्द्र खट्टर जी को अपनी कार्यकारिणी गठित करने के अधिकारी प्रदान किए । निर्वाचन के बाद जोगेंद्र खट्टर ने कहा जिन लोगो ने मुझे निर्वाचित किया है में उनकी उम्मीदों पर खरा उतरूंगा और सदैव अपना दायित्व पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा।

अब भी गंभीर श्रेणी में बनी हुई है प्रदूषण की स्थिति

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की हवा की गुणवत्ता बुधवार सुबह थोड़ी बेहतर हुई, लेकिन सुबह 9:10 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 220 दर्ज किया, जिससे यह अब भी गंभीर श्रेणी में बनी रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने मंगलवार की शाम को एक्यूआई 282 दर्ज किया था, जिसमें बुधवार की सुबह गिरावट दर्ज की गयी, लेकिन फिर भी राजधानी में धुएँ-कोहरे (स्मॉग) की परत बनी रही। यहां पर 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती हवा और इसमें 71 प्रतिशत की नमी ने स्थिति को गंभीर बना दिया। आज यहां पीएम 2.5 का स्तर 144 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और पीएम 10 का स्तर 187 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर मापा गया। शहर के कई हिस्सों में सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता काफी कम हो गयी थी। मंगलवार को इंडिया गेट, कर्तव्य पथ, आईटीओ, आनंद विहार और गाजीपुर जैसे इलाकों में भी ऐसी ही स्थिति देखी गयी थी।

कई स्थानों पर एक्यूआई अब भी बहुत खराब श्रेणी में है। जहाँगीरपुरी में एक्यूआई 313, वजीरपुर में 305 और विवेक विहार में 306 दर्ज किया गया। कुछ क्षेत्रों में हालांकि हल्का सुधार दिखा। चांदनी चौक में एक्यूआई 281 रहा, जबकि आरके पुरम, पंजाबी बाग और आईआईटी दिल्ली में क्रमशः 283, 279 और 218 एक्यूआई दर्ज किए गये। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पर कहा, हमारी सरकार प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रही है, जबकि कचरा हटाने का एक व्यापक अभियान भी चल रहा है। दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छता दोनों अभियान मिशन मोड में चल रहे हैं। गौरतलब है कि एक्यूआई वर्गीकरण के अनुसार, 0 से 50 तक का स्तर अच्छा, 51 से 100 संतोषजनक, 101 से 200 मध्यम, 201 से 300 खराब से गंभीर, 301 से 400 बहुत खराब और 401 से 500 गंभीर माना जाता है।

दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं ने प्रदूषण से दी थोड़ी राहत

संदीप कपूर का दावा, जल्द घटेगा प्रदूषण

■ पिछली सरकार पर लापरवाही का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की डेम्स समिति के अध्यक्ष संदीप कपूर ने राजधानी में प्रदूषण की गंभीर स्थिति के लिए पिछली सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि आने वाले समय में प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी देखने को मिलेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की पूर्व सरकार ने 11 वर्षों के कार्यकाल में प्रदूषण नियंत्रण के लिए कोई ठोस नीति नहीं अपनाई, जिसके कारण दिल्ली की वायु गुणवत्ता लगातार खराब होती चली गई। संदीप कपूर ने कहा कि पिछली सरकार ने न तो हरित दिल्ली अभियान चलाया और न ही किसी दीर्घकालिक योजना को लागू किया, जिसके परिणामस्वरूप राजधानी की हवा जहरीली होती गई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में दिल्ली में ट्रिपल इंजन सरकार कार्यरत है और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में नई योजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है। नगर निगम भी प्रदूषण नियंत्रण के लिए मैदान में उतर चुका है, जिसमें केंद्र सरकार का सहयोग भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हालात इतने बिगड़े हुए हैं कि उन्हें सामान्य स्तर पर लाने के लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता है। प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अवश्य मिलेंगे, पर इसमें कुछ समय लग सकता है, संभव है कि एक से डेढ़ वर्ष का समय भी लगे। कपूर ने बताया कि दिल्ली के इतिहास में पहली बार रिंग रोड की व्यवस्थित धुलाई अभियान चलाया गया, जिसमें स्वयं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उनके मंत्री और निगम अधिकारी शामिल हुए। स्प्रिंकलर गाड़ियों के माध्यम से नियमित अंतराल पर सड़कों की धुलाई की जा रही है, जिससे धूल और वायु प्रदूषण कम करने में विशेष सहायता मिल रही है। उन्होंने इसे राजधानी की वायु गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक प्रभावी कदम बताया।

प्रदूषण से निपटने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रही है सरकार : गुरमीत सिंह सूरा

नई दिल्ली। राजधानी में बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ट्रिपल इंजन सरकार ने युद्धस्तर पर अभियान छेड़ दिया है। भारतीय जनता पार्टी शाहदरा जिले के वरिष्ठ नेता तथा पश्चिमी जिला भाजपा के पूर्व सह-प्रभारी गुरमीत सिंह सूरा ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार प्रदूषण को कम करने के लिए गंभीरता और तेजी के साथ ऐसे कदम उठा रही है, जो इससे पहले कभी नहीं उठाए गए। गुरमीत सिंह सूरा ने आरोप लगाया कि पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपने 11 वर्षों के कार्यकाल में प्रदूषण नियंत्रण के लिए कोई ठोस नीति नहीं अपनाई, जिसके कारण दिल्ली की वायु गुणवत्ता बिगड़ती चली गई। उन्होंने कहा कि अब मौजूदा सरकार को बिखरे हुए सिस्टम को सुधारने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ रही है। सूरा ने बताया कि दिल्ली में नियमित सड़क धुलाई, मैकेनिकल स्वीपिंग और जमीनी स्तर पर निगरानी को अत्यधिक गति से लागू किया जा रहा है। दिल्ली के इतिहास में पहली बार पूरे रिंग रोड पर धुलाई अभियान चलाया जा रहा है, जिसका प्रभाव वायु गुणवत्ता पर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। साथ ही बिजली के खंभों पर लगाए गए मिस्ट स्प्रे वातावरण में मौजूद धूलकणों को नीचे बैठाने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार सार्वजनिक परिवहन को पूर्णतः विद्युत आधारित बनाने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही है। वर्तमान में लगभग साढ़े तीन हजार विद्युत बसें राजधानी की सड़कों पर दौड़ रही हैं। वर्ष 2026 के अंत तक पूरी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलना रेखा गुप्ता सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। धूल नियंत्रण के लिए सरकार बड़े पैमाने पर अभियान चला रही है।

दीपावली को यूनेस्को सूची में शामिल करना गौरवपूर्ण क्षण : सीएम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में दीपावली को शामिल किए जाने का स्वागत करते हुए इसे भारत के सभ्यतागत मूल्यों की ऐतिहासिक वैश्विक मान्यता बताया।

गुप्ता ने कहा कि यह सम्मान भारत की सांस्कृतिक प्रतिष्ठा को मजबूत करता है और भारत के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में दिल्ली इस वर्ष भव्य दीपावली मनायेगी। उन्होंने कहा, अब दुनिया दीपावली के बारे में और अधिक गहराई से जानेगी। हर राज्य इस पल को गर्व से मनायेगा। सभी को बधाई। गुप्ता ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि यह सम्मान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की विकास भी, विरासत भी की यात्रा को दशार्ता है।

उन्होंने लिखा, एक ऐसा त्योहार जो हमारे घरों और दिलों में बसता है, आज विश्व द्वारा साझा किए गए सांस्कृतिक खजाने के रूप में मान्यता प्राप्त है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में, भारत की सभ्यतागत विरासत को ऐतिहासिक वैश्विक मान्यता मिल रही है।

गुप्ता ने इसे वैश्विक मंच पर भारतीय संस्कृति का स्वर्णिम अध्याय बताते हुए कहा कि भारत की सनातन परंपराओं की सार्वभौमिकता को विश्व के सर्वोच्च सांस्कृतिक मंच पर सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा, दीपावली महज एक त्योहार नहीं है, बल्कि एक आध्यात्मिक प्रकाश है जो सदियों से मानवता को सत्य, आशा और नैतिकता के पथ पर अग्रसर करता आया है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार इस ऐतिहासिक फैसले का खुशी से स्वागत करती है। गुप्ता ने यूनेस्को और उन परिवारों, कारीगरों और भक्तों के प्रति भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस त्योहार की परंपराओं को संरक्षित रखा है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान भारत की सांस्कृतिक उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ता है, इससे पहले योग, कुंभ, दुर्गा पूजा और गरबा को वैश्विक मान्यता मिल चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली इस वर्ष एक विशेष भव्य दीपावली समारोह के साथ इस अवसर को मनाएगी, जिससे राष्ट्रीय राजधानी की सांस्कृतिक पहचान और गौरव को बल मिलेगा।

पर्यटन, शासन सुव्यवस्थित करने के लिए हो रहे बदलाव : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि राजधानी की वैश्विक छवि का पुनर्निर्माण करने और पर्यटन को मजबूत करने के लिए बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। गुप्ता ने जोर देकर कहा कि काफी समय से लंबित व्यवस्थागत समस्याओं का समन्वित शासन के माध्यम से अंततः समाधान किया जा रहा है। गुप्ता ने कहा कि विकसित दिल्ली, विकसित पर्यटन की परिकल्पना दिल्ली को ऐसी विश्व स्तरीय राजधानी के रूप में स्थापित करने की सरकार की नयी प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जो पर्यटकों में भरोसा पैदा करती हो। उन्होंने कहा कि कई वर्षों से स्वीकृतियों की बहुलता जैसी पुरानी समस्याओं ने दिल्ली की आर्थिक और पर्यटन क्षमता को धीमा कर दिया था, लेकिन शासन में बेहतर तालमेल के कारण अब ये बाधाएं दूर हो रही हैं। गुप्ता ने यहां एक शिखर सम्मेलन में मीडिया से कहा, आज हम इन समस्याओं का समाधान कर सकते हैं क्योंकि भाजपा तीनों स्तरों पर सरकार में है। इस मुकाम तक पहुंचने में हमें 27 साल लग गए। हमारे पास लंबे समय से चली आ रही कठिनाइयों को दूर करने का अंततः अब अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोगों और व्यवस्था की समस्याओं को पूरी तरह समझते हैं। गुप्ता ने हाल में हुए प्रशासनिक सुधारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकार ने प्रतिष्ठानों के लिए पुलिस लाइसेंस समाप्त कर दिए हैं और वह अब तृतीय-पक्ष ऑडिट के माध्यम से अग्नि सुरक्षा लाइसेंस जारी करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

पुलिस ने 16 लाख के निवेश घोटाले में चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पुलिस ने बुधवार को 16 लाख रुपए के निवेश घोटाले में शामिल चार धोखेबाजों को गिरफ्तार किया है।

दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि साइबर पुलिस स्टेशन की एक टीम ने चार साइबर धोखेबाजों मनीष दिलीप भाई कोष्टी (37), मोहम्मद जैद ए सिदी (28), मोहम्मद एजाज खिमाणी (35) और शेख अबरार (27) को गिरफ्तार किया है। ये सभी अहमदाबाद, गुजरात के रहने वाले हैं। इसके साथ ही अपराध में इस्तेमाल किए गए कुल छह मोबाइल फोन, छह डेबिट कार्ड और आठ सिम कार्ड बरामद किए गए। दिल्ली के पालम कॉलोनी के ए. कुमार से एनसीआरपी के जरिए पुलिस स्टेशन साइबर/एसडब्लूडी में एक शिकायत मिली, जिसमें उन्होंने बताया कि उन्हें 71 एबॉट नाम के एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया था और एडमिन और सदस्यों ने एक निवेश फर्म के प्रतिनिधियों के रूप में खुद को पेश किया था। इसके बाद उन्होंने उन्हें 300 प्रतिशत मुनाफे का लालच दिया, जिसके बाद अलग-अलग चरणों में कई पेमेंट करने के लिए उकसाया और आखिरकार उनसे 16 लाख रुपए की ठगी की। पुलिस ने 27 अक्टूबर को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिकायत दर्ज होने के बाद इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक के नेतृत्व में साइबर पुलिस की एक विशेष टीम ने तकनीकी सर्विलांस और डिजिटल फुटप्रिंट्स के आधार पर जांच की। जांच के दौरान यह पता चला कि ठगी की गई रकम का एक हिस्सा यूसीओ बैंक और आरबीएल बैंक के खातों के माध्यम से भेजा गया था और बाद में यह राशि क्रेडिट और रेजरपे जैसे पेमेंट गेटवे के जरिए मनीष कोष्टी के एचडीएफसी बैंक के खाते में जमा की गई है। पुलिस ने अहमदाबाद में एक छापे के दौरान मनीष कोष्टी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह 5 प्रतिशत कमीशन पर ठगी की गई रकम को क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान के जरिए ठिकाने लगाता था। मनीष ने अन्य तीन आरोपियों के नाम भी बताए, जिसके बाद पुलिस ने मोहम्मद जैद, एजाज और शेख अबरार को गिरफ्तार किया।

लिफ्ट के बहाने महिला को लूटने वाला दूसरा आरोपी भी धरा

■ एक आरोपी को वारदात के समय मौके पर ही पकड़ लिया गया था

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नन्द नगरी थाना क्षेत्र में लिफ्ट देने के बहाने एक महिला से लूट करने का दूसरा आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जबकि उसके साथी को लोगों ने पहले ही मौके पर पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था।

पुलिस ने वारदात में प्रयोग की गयी कार को भी जब्त किया है। बता दें कि बीती 7 सितंबर को नंद नगरी थाना क्षेत्र में लूट की घटना की सूचना मिली थी। 48 वर्षीय शिकायतकर्ता महिला ने बताया था वह गाजियाबाद की रहने वाली है और गगन सिनेमा के पास खड़ी होकर बस का इन्तजार कर रही थी। तभी एक सफेद रंग की सेंट्रो कार उनके पास आकर रुकी और कार सवार दो युवको ने उसे लिफ्ट देने की बात बोलकर कार में बैठा लिया। कार में बैठने के बाद कार सवार युवकों ने

उसके कान की बालियां और नकदी लूट ली और उसे कार से बाहर धकेलने का प्रयास किया।

महिला के शोर मचाने पर लोग वहां इकट्ठा हो गए और एक आरोपी प्रदीप पुत्र अशोक कुमार को लोगों ने पकड़ लिया जबकि दूसरा आरोपी कार लेकर भागने में सफल रहा। नंद नगरी थाने में एफआईआर संख्या 683/25 धारा 309(6)/140(4)/3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। जांच के लिए एसएचओ नन्द नगरी आनंद यादव के नेतृत्व में टीम बनाई गयी। टीम ने पकड़े गए युवक और मौके से साक्ष्य एकत्र किए और प्राप्त सुरागों के आधार पर फरार आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान मिथिलेश कुमार (34 वर्ष), पुत्र राजिंदर सिंह निवासी खोड़ा कॉलोनी, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई।

अपराध में इस्तेमाल की गई सफेद सैंट्रो कार (नंबर डीएल 4सीएक्यू 1093) भी उसके पास से बरामद की गई। जांच करने पर पता चला कि आरोपी मिथिलेश कुमार पहले भी लूट और अपहरण से संबंधित चार मामलों में शामिल था। मामले की आगे की जांच जारी है।

दिल्ली पुलिस ने खोए हुए 625 फोन उनके मालिकों को लौटाए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पूर्वी दिल्ली के शाहदरा इलाके में चोरी, छीने गए और गुम हुए करीब एक करोड़ रुपये मूल्य के 625 मोबाइल फोन उनके मालिकों को वापस लौटा दिए हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। शाहदरा के विभिन्न थानों की 13 टीमों ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड से मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस ने आईएमईआई नंबर, कॉल रिकॉर्ड और सीईआईआर पोर्टल के डेटा का विश्लेषण कर केंद्रीय डेटाबेस के माध्यम से 225 फोन का पता लगाया। अधिकारी ने बताया कि अब तक बरामद कुल 625 फोन में से खोए हुए 321, चोरी हुए 202, छीने गए 61 और 39 फोन घर से चोरी हुए थे। जीटीबी एन्क्लेव और सीमापुरी की पुलिस टीमों ने क्रमशः 221 और 165 फोन के साथ सबसे ज्यादा फोन बरामद किए। अधिकारी ने बताया ₹8 दिसंबर को पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), शाहदरा कार्यालय में एक समारोह आयोजित किया गया जिसमें 45 बरामद फोन उनके असली मालिकों को सौंपे गए।

यमुना की सफाई के लिए कई योजनाएं बना रही है रेखा गुप्ता सरकार : श्री दत्त शर्मा

■ आने वाले समय में योजनाओं के सकारात्मक परिणाम दिल्लीवासियों को स्पष्ट दिखाई देंगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी की जीवनरेखा कही जाने वाली यमुना नदी को प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए ट्रिपल इंजन सरकार ने व्यापक और ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक श्री दत्त शर्मा ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार ने अपने शुरूआती वर्ष में ही यमुना सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कई महत्वपूर्ण योजनाएँ तैयार की हैं, जिनका कार्यान्वयन तेजी से जारी है।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम दिल्लीवासियों को स्पष्ट दिखाई देंगे। श्री दत्त शर्मा ने बताया कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने दिल्ली विधानसभा

चुनावों के दौरान यमुना सफाई को मुख्य एजेंडा घोषित किया था। गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी यमुना को स्वच्छ बनाने का संकल्प दोहराया था।

उनका कहना है कि पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपने 11 वर्ष के शासनकाल में यमुना की सफाई के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए, जिसके कारण नदी की स्थिति अत्यधिक खराब होती चली गई। उन्होंने बताया कि रेखा गुप्ता सरकार ने यमुना में गिरने वाले दूषित पानी को रोकने के लिए पहली बार बड़े पैमाने पर आधुनिक सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) लगाने का निर्णय लिया है। दिल्ली के बाहरी क्षेत्रों और नालों से आने वाला असंशोधित पानी यमुना को सबसे अधिक प्रदूषित कर रहा है। इसी समस्या के समाधान के लिए सरकार ने नए एसटीपी के निर्माण और पुराने संयंत्रों के उन्नयन पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। श्री दत्त शर्मा ने कहा कि एनजीटी के निदेर्शों के अनुसार सात पुराने एसटीपी का उन्नयन किया जाएगा। इसी क्रम में यमुना विहार फेज-4 में एक नया अत्याधुनिक एसटीपी स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। वर्तमान में दिल्ली के 37 एसटीपी में से कई क्षमता और मानकों के अनुसार कार्य नहीं कर रहे हैं, जिसे लेकर एनजीटी और हालिया हाई कोर्ट समिति की रिपोर्ट में गंभीर प्रश्न उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि यमुना सफाई अभियान को गति देने के लिए दिल्ली जल बोर्ड की 173वीं बोर्ड बैठक में 917.33 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई है। इसके तहत एक नया एसटीपी बनेगा और सात पुराने संयंत्रों का उन्नयन किया जाएगा।

इन सुधारों से लगभग 52 एमजीडी सीवेज का उपचार संभव होगा। यमुना विहार फेज-4 में बनाए जाने वाले नए एसटीपी की क्षमता 15 एमजीडी होगी और इसके निर्माण तथा आगामी 12 वर्षों तक संचालन-रखरखाव के साथ यमुना विहार फेज-3 स्थित एसटीपी की क्षमता बढ़ाने (25 से 40 एमजीडी) पर कुल 403 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

संक्षिप्त खबरें

शिक्षक जगदीश राम को जॉर्जिया विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि

फरीदाबाद। राजकीय प्राथमिक पाठशाला, मिल्हार्ड, फरीदाबाद के प्राथमिक अध्यापक जगदीश राम को संयुक्त राज्य अमेरिका की जॉर्जिया विश्वविद्यालय ने डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की है। यह सम्मान 7 दिसंबर, 2025 को लखनऊ के गोल्डन ट्यूलिप होटल में आयोजित समारोह में दिया गया। इस अवसर पर भारतीय बॉलीवुड की सुप्रसिद्ध अभिनेत्री तनाज ईरानी ने उपाधि प्रदान की। अभिनेत्री ने जगदीश राम के अध्यापन, सामाजिक कार्य और पर्यावरण संरक्षण में किए गए अभूतपूर्व योगदान की सराहना की और कहा कि आने वाले समय में भी वे समाज सेवा, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देते रहेंगे। समारोह में जगदीश राम की पत्नी सुनीता रानी भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में आयोजनकर्ता प्रेरणा जैन और आशीष भारद्वाज के साथ-साथ देशभर से शिक्षाविद, प्रबुद्ध लोग और गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे, जिन्होंने उन्हें बधाई दी। जगदीश राम ने सम्मान के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

मंडल रोजगार कार्यालय में रोजगार मेला 12 को

फरीदाबाद। उपायुक्त आयुष सिन्हा के मार्गदर्शन में मंडल रोजगार कार्यालय फरीदाबाद 12 दिसंबर को उपमंडल रोजगार कार्यालय बड़खल में रोजगार मेला/प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करेगा। मंडल रोजगार अधिकारी योगेश कुमार ने बताया कि इसमें 5 से 7 निजी कंपनियां भाग लेंगी और 10वीं, 12वीं तथा स्नातक युवाओं को उपयुक्त अवसर प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपने बायोडाटा की 4-5 प्रतियों के साथ मेले में पहुँचे और रोजगार के इसका लाभ उठाएँ।

वर्ल्ड प्रीमियर 5 जनवरी को

फरीदाबाद। भारत की अग्रणी एसयूवी निमार्ता महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने प्रीमियम एसयूवी बाजार में अपनी नई पेशकश एक्सयूवी 7एक्सओ के नाम का अनावरण किया है। कंपनी इस मॉडल का ग्लोबल प्रीमियर 5 जनवरी को करेगी। महिंद्रा ने बताया कि यह नई एसयूवी लोकप्रिय एक्सयूवी700 के प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जिसने मात्र चार वर्षों में 3 लाख से अधिक ग्राहकों के साथ देश में एसयूवी सेगमेंट में नई पहचान बनाई थी। एक्सयूवी 7एक्सओ को उन्नत डिजाइन, आधुनिक तकनीक, बेहतर आराम और दमदार परफॉर्मेंस के साथ विकसित किया गया है। कंपनी का दावा है कि यह मॉडल एक्सयूवी700 की खूबियों को नए स्तर पर ले जाएगा और प्रीमियम सेगमेंट में महिंद्रा की पकड़ और मजबूत करेगा। भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई यह एसयूवी एक बार फिर बदलाव की दिशा तय करने की क्षमता रखती है।

नया वुडनस्ट्रीट होम इंटीरियर्स स्टूडियो खोला

फरीदाबाद। फर्नीचर और इंटीरियर क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वुडनस्ट्रीट ने नोएडा में अपने नए वुडनस्ट्रीट होम इंटीरियर्स स्टूडियो का शुभारंभ किया है। यह स्टूडियो कंपनी के तेजी से बढ़ते होम इंटीरियर कारोबार को मजबूत करते हुए स्थानीय आवासीय बाजार में उसकी महत्वपूर्ण एंट्री का संकेत देता है। हाजीपुर स्थित यह नया स्टूडियो लगभग 5000 वर्ग फीट क्षेत्र में बनाया गया है, जहां ग्राहकों के लिए मॉड्यूलर किचन, कस्टम वार्डरोब, स्टोरेज यूनिट्स, लिविंग रूम सेटअप, एंटरटेनमेंट वॉल्स, वॉल पैनल, प्रकाश व्यवस्था, फाल्स सीलिंग और पूर्ण कमरे की थीम जैसी कई आधुनिक डिजाइन अवधारणाएं प्रदर्शित की गई हैं। स्टूडियो का हर सेक्शन वास्तविक आकार में तैयार किया गया है, जिससे ग्राहक अपने भविष्य के घर की बेहतर कल्पना कर सकें। वुडनस्ट्रीट के सह-संस्थापक और सीईओ लोकेंद्र राणावत ने कहा कि नोएडा तेजी से आधुनिक जीवनशैली वाला शहर बन रहा है और यहां के लोग गुणवत्ता व आकर्षक डिजाइन की अपेक्षा रखते हैं। उन्होंने बताया कि नया स्टूडियो ग्राहकों को बेहतर सामग्री, तकनीक-सक्षम सेवाएं और विशेषज्ञ मार्गदर्शन के साथ एक सुगम इंटीरियर अनुभव प्रदान करेगा।

टाटा टी प्रीमियम केयर का नया अभियान लॉन्च

फरीदाबाद। टाटा टी प्रीमियम केयर ने अपना नया प्रचार अभियान शुरू किया है, जिसमें देखभाल की भावना को बेहद सरल, संवेदनशील और असरदार तरीके से प्रस्तुत किया गया है। अभियान का मुख्य संदेश है कि जिनसे हम प्यार करते हैं, उनके प्रति हमारी परवाह हमेशा खास और प्रीमियम होनी चाहिए। इसी सोच को दशार्ती कहानी में एक पति अपनी पत्नी के लंबे कार्यदिवस के बाद उसके समर्पण को समझते हुए, बिना कुछ कहे साधारण चाय के स्थान पर टाटा टी प्रीमियम केयर ले आता है। कहानी यह बताती है कि सच्ची परवाह महंगे तोहफों में नहीं, बल्कि भावनात्मक समझ और छोटे-छोटे अपनत्व भरे व्यवहार में होती है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के अध्यक्ष पैक्ड पेय पदार्थ (भारत और दक्षिण एशिया) पुनीत दास ने बताया कि आज परिवार स्वाद के साथ स्वास्थ्य लाभ भी चाहते हैं। कंपनी का मजबूत असम मिश्रण अदरक, इलायची, तुलसी, मुलेठी और ब्राह्मी जैसे प्राकृतिक तत्वों से युक्त है, जो चाय को स्वादिष्ट बनाने के साथ ही स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक बनाता है।

स्मार्ट हेमोडायलिसिस मशीन बनाने का लाइसेंस लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज को मिला

फरीदाबाद। लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड-रेनालिक्स ने मेड-टेक क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए सीडीएससीओ से क्लास-सी श्रेणी की विश्व की पहली एआई-आधारित स्मार्ट हेमोडायलिसिस मशीन बनाने का लाइसेंस प्राप्त किया है। कंपनी को इस तकनीक के लिए वैश्विक मान्यता देते हुए सीई मार्किंग भी मिली है, जिससे यह डायलिसिस सिस्टम के लिए यह प्रमाणन पाने वाला दुनिया का छठा ब्रांड बन गया है। क्लास-सी मेडिकल डिवाइस उच्च जोखिम वाली कैटेगरी में आते हैं और इनके निर्माण के लिए कंपनियों को 140 से अधिक कड़े क्वालिटी व सुरक्षा मानकों को पूरा करना होता है।

विदेशी मुद्रा एक्सचेंज के बहाने बुलाकर 23.5 लाख रुपए लूटे

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

- चार आरोपी गिरफ्तार
- हथियार के बल पर बनाया बंधक, नकदी के साथ बाइक भी लूटी

विदेशी मुद्रा एक्सचेंज करने के बहाने होटल में बुलाया। वहां हथियार के बल पर बंधक बनाया और करीब साढ़े 23 लाख रुपये व बाइक लूट ली। इस घटना की सूचना पर पुलिस सक्रिय हुई। पुलिस ने छानबीन की और चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि आरोपियों को अदालत से रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।

जानकारी के अनुसार दो दिसंबर 2025 को पुलिस थाना सेक्टर-56 गुरुग्राम में एक फोरेक्स एक्सपर्ट करंसी एक्सचेंज में कार्यरत एक व्यक्ति ने शिकायत दी। शिकायत में कहा कि एक दिसंबर को शाम करीब साढ़े तीन बजे 26,000 यूएसडी एक्सचेंज करने के लिए उसके पास एक कॉल आई। वह अपने एक साथी के साथ 23 लाख 48 हजार रुपये लेकर बाइक पर उनके द्वारा बताए गए होटल आशीयाना एलाइट सेक्टर-57 गुरुग्राम पहुंचा। वहां पर उन्हें एक व्यक्ति कमरा नंबर-102 में लेकर गया। कमरे में पहुंचते ही वहां रहे रहे एक व्यक्ति ने कमरा बंद कर लिया। वहां दो व्यक्ति बाथरूम से हथियार लेकर बाहर आए। शिकायतकर्ता के अनुसार तीनों ने उसे व उसके साथी को हथियार दिखाकर डराया। उनसे 23 लाख 48 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन व उनकी बाइक लूट ली। उनके हाथ बांधकर, मुंह पर टेप लगाकर कमरे को बाहर से लॉक करके आरोपी फरार हो गए। इस शिकायत पर सेक्टर-56 पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू की। सेक्टर-31 अपराध शाखा इंचार्ज निरीक्षक आनंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इस वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों के बाद में सूचनाएं एकत्रित की।

तीन आरोपी जींद के एक गुरुग्राम का

आरोपियों की पहचान मोहम्मद तालीम उर्फ तनवीर (29) निवासी बलवा, थाना कोतवाली, जिला शामली (उत्तर प्रदेश), पम्मी उर्फ पोमी (30) निवासी रामराय, थाना सदर, जिला जींद, रोहित उर्फ नोना (26) निवासी बिबीपुर, थाना सदर, जिला जींद, नवीन (26) निवासी बिबीपुर, थाना सदर, जिला जींद के रूप में हुई है। पुलिस टीम द्वारा आरोपी मोहम्मद तालीम को गुरुग्राम से तथा बाकी तीन आरोपियों पम्मी, रोहित व नवीन को जीन्द से काबू करके गिरफ्तार किया। आरोपियों से पुलिस पूछताछ में पता चला है कि वे एक-दूसरे को आपस में पहले से जानते हैं।

10 करोड़ की अवैध शराब मामले में एक्साइज इंस्पेक्टर सस्पेंड

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

- वाइन शॉप से विदेशी शराब की 3921 पेटी व 176 बोतलें बरामद

यहां एक वाइन शॉप से दस करोड़ की अवैध विदेशी शराब के मामले में विभाग में हड़कंप मच है। इस मामले में बुधवार को आबकारी विभाग के इंस्पेक्टर को सस्पेंड किया गया।

बता दें कि सिग्नेचर ग्लोबल टावर के पास द ठेका नाम से वाइन शॉप चल रही है। पुलिस व एक्साइज विभाग की संयुक्त टीम ने यह अवैध विदेशी शराब बेचे जाने की सूचना मिली तो टीम ने छापेमारी की। यहां इम्पोर्टेड शराब की करीब 42 हजार बोतलें बरामद की गईं, जिनका बाजार मूल्य लगभग 10 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। बुधवार को इस मामले में एक्साइज विभाग ने कार्रवाई करते हुए एक्साइज इंस्पेक्टर पवन शर्मा को सस्पेंड कर दिया। साथ ही आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर एसआईटी गठित करते हुए जांच बिठाई गई है। इसकी डीईटीसी ईस्ट अमित भाटिया ने पुष्टि की।

आबकारी विभाग को सूचना मिली थी कि एल-2 व एल-14ए सिग्नेचर टावर जेडजीआरई-14 मैसर्ज सुरेंद्र की वाइन शॉप पर बिना होलोग्राम एवं बिना ट्रैक-ट्रेस स्ट्रिप्स की भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब रखी गई है। इस सूचना को उच्च अधिकारियों के साथ साझा किया गया। सूचना में बताए गए स्थान वाइन शॉप पर छापामारी के लिए एक विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा सिग्नेचर टॉवर स्थित शराब की दुकान पर छापा मारकर तलाशी ली गई। इस दौरान दुकान के दो कमरों से अवैध विदेशी शराब (इम्पॉर्टेड वाइन) का जखीरा बरामद किया गया। वहां से 3,921 पेटियां व 176 बोतल विदेशी शराब बरामद की गई। बरामद शराब बिना होलोग्राम एवं बिना ट्रैक-ट्रेस स्ट्रिप्स की पाई जाने पर शराब की सूची बनाकर तैयार की गई। शिकायत पर थाना सेक्टर-40 गुरुग्राम में केस दर्ज किया गया। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है।

हरियाणा नगरपालिका विधेयक 2025 ऐतिहासिक निर्णय : मेयर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा कैबिनेट द्वारा नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिका से जुड़े पुराने दो कानूनों को समाप्त कर एकीकृत हरियाणा नगरपालिका विधेयक 2025 को मंजूरी देने के बाद फरीदाबाद की मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल का आभार व्यक्त किया।

मेयर ने कहा कि नया विधेयक लागू होने से नगर निगम अब कई महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं ले सकेगा, जिससे कार्यों में तेजी आएगी और शहर के विकास कार्य अधिक प्रभावी ढंग से पूरे होंगे। दो अलग-अलग कानूनों के कारण पहले कई बार फाइलों को मंजूरी के लिए सरकार के पास भेजना पड़ता था, जिससे कार्यों में देरी होती थी। नया विधेयक इस समस्या को समाप्त करेगा।

मेयर ने बताया कि नगर निगम अब आर्थिक रूप से भी सशक्त होगा और अपने स्तर पर टैक्स, पानी-सिवरेज चार्ज, बिल्डिंग परमिशन, ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट सहित कई प्रशासनिक निर्णय लेने में सक्षम होगा। इससे फरीदाबाद में विकास कार्यों में तेजी आएगी और जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और स्थानीय निकाय मंत्री द्वारा लिया गया यह ऐतिहासिक निर्णय हरियाणा के सभी शहरी निकायों को मजबूती देगा और विकास कार्य पारदर्शिता के साथ निर्बाध रूप से आगे बढ़ेंगे।

क्षय रोगियों को समय पर दवा और पोषण भत्ता उपलब्ध नहीं करवा रही सरकार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जहां एक तरफ सरकार देश को क्षय रोग मुक्त भारत बनाने के दावे कर रही है। वहीं दूसरी तरफ क्षय रोगियों को न तो समय पर दवाइयां उपलब्ध करवा पा रही है और न ही पोषण भत्ता उपलब्ध करवा रही है। ऐसा ही दवा वितरण कार्यक्रम में देखने और सुनने को मिला। जहां पहुंचे मरीजों ने बताया कि करीब एक वर्ष से उन्हें पोषण भत्ता उपलब्ध नहीं हो रहा है, तो वहीं दवाईयां भी लगातार उपलब्ध नहीं करवा पा रही है। संस्थाओं के सहयोग से दवाईयां उपलब्ध करवाने का काम जिला क्षय रोग विभाग करवाता नजर आया। जहां एक माह की दवाइयां 135 मरीजों को उपलब्ध करवाई गई।

न मिला भत्ता, बंद कर दिया उपचार : सेक्टर-28 निवासी जय प्रकाश गर्ग ने बताया कि उन्हें घुटने का टीबी है, उनकी तीन सर्जरी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि हर माह निजी अस्पताल से क्षयरोग के तीन हजार रुपये की दवाइयां ले रहे है। 18 माह का कोर्स है। 15 माह हो चुके है। बुधवार को क्षयरोग कार्यालय पहुंचे, तो पता चला कि दवाइयां ले रहे है, लेकिन उनका कोर्स ऑनलाइन में मार्च माह में ही बंद कर दिया गया। उसका पोषण भत्ता भी 15 माह में नहीं मिला। जिसकी शिकायत उन्होंने डिप्टी सीएमओ से की है। ऐसे ही अन्य मरीजों ने बताया कि न दवा और न ही पोषण भत्ता मिल रहा है।

- जो शिकायत मिली है उसकी जांच करेंगे : डिप्टी सीएमओ डा. हरजिंद्र सिंह

अधिकारी का कथन: डिप्टी सीएमओ डॉ. हरजिंद्र सिंह ने बताया कि जिले में 10,000 से अधिक टीबी मरीज उपचाराधीन हैं, जिन्हें 6 महीने से 18 महीने तक दवा लेनी पड़ती है। ऐसे में दवा सप्लाई में रुकावट न आए, इसके लिए संस्थाओं से लगातार सहयोग लिया जाता है। उन्होंने कहा कि पोषण भत्ता भी जल्द मरीजों के खातों में पहुंच जाएगा। वहीं उन्होंने कहा कि मामले में जो निजी अस्पताल की शिकायत उन्हें मिली है, वह जांच करेंगे। कि ऐसा क्यों हुआ है, ताकि मरीजों को आगे दिझकते न हो, उन्होंने निजी अस्पताल में इलाज करवाने वाले मरीजों से निवेदन किया कि वे इलाज वहां कराये, लेकिन दवा सरकारी ले, तो अधिक फायदा होगा।

135 रोगियों को समाजसेवी संस्था ने वितरित की दवा

फरीदाबाद। जीव दया फाउंडेशन दिल्ली द्वारा फरीदाबाद सिविल अस्पताल के टीबी कार्यालय में मल्टी-ड्रग रेजिस्टेंट (एमडीआर) टीबी मरीजों को एक महीने की दवा वितरित की गई। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. जयंत आहूजा, डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. हरजिंदर सिंह, ड्रग रेजिस्टेंट टीबी/एचआईवी समन्वयक सुभाष गहलोत सहित राजेश, धर्मवीर, अशोक और सुभाष मौजूद रहे। संस्था ने कुल 134 मरीजों के लिए दवा उपलब्ध कराई, जिनमें से 42 मरीजों ने आज अपनी दवा प्राप्त की।

सिविल सर्जन डॉ. आहूजा ने बताया कि कई बार हेड क्वार्टर से दवा समय पर नहीं पहुंच पाती, जिसके चलते सामाजिक संस्थाओं की मदद ली जाती है। उन्होंने कहा कि बुधवार को 135 मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली टीबी दवा दी गई है और जल्द ही बाकी स्टॉक भी मरीजों को उपलब्ध कराया जाएगा।

पाटर्नरशिप : पौने दो करोड़ की धोखाधड़ी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

- संयुक्त खाते में मंगवाई रकम, फिर अपने व रिश्तेदारों के खातों में की ट्रांसफर

एक व्यक्ति ने अपने साथी के साथ सांझा बिजनेस करने की योजना बनाई। योजनाबद्ध तरीके से ही साथी के साथ मिलकर संयुक्त बैंक खाता खुलवाया। उसमें उससे रुपये जमा करवाए। उन रुपयों को अपने व अपने रिश्तेदारों के खातों में ट्रांसफर कर लिया। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बुधवार को बताया कि इस धोखाधड़ी के आरोपी को जांच के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। खेडकी दौला पुलिस थाना में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस थाना खेडकी दौला जिला गुरुग्राम में एक व्यक्ति द्वारा एक लिखित शिकायत दी गई। शिकायत में कहा गया कि अमन कुमार निवासी गांव जाखराना, तहसील बहरोड़, अलवर (राजस्थान) वर्तमान निवासी सेक्टर-82 गुरुग्राम ने वर्ष-2016 में रियल एस्टेट एजेंट/डेवलपर बताकर उससे संपर्क किया। वह लगातार विश्वासपूर्वक व्यवहार करता रहा। उसे एक सांझा बिजनेस में निवेश करने के लिए प्रलोभन दिया। इसी बहाने अमन ने उससे एक करोड़ 89 लाख 48 हजार रुपये की राशि संयुक्त बैंक खाते में जमा करवाई। अमन ने उस राशि को बिना उसकी सहमति लिए अपने व अपने परिजनों/ रिश्तेदारों के खातों में ट्रांसफर कर दिया। पीड़ित ने कहा कि उसके द्वारा जमा कराई गई राशि को किसी व्यवसाय में निवेश नहीं किया गया। ना ही राशि उसे वापस दी। इस कारण उसे काफी आर्थिक नुकसान हुआ। पर्याप्त दस्तावेजों के आधार पर पुलिस ने जांच की और आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया। इस धोखाधड़ी में आर्थिक अपराध शाखा-1 गुरुग्राम की पुलिस टीम ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपी अमन कुमार (39) की भूमिका स्पष्ट पाई। जिसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी अमन को गुरुग्राम से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में कहा है कि उसका सेक्टर-89 गुरुग्राम में स्टार रियल एस्टेट का ऑफिस है। उसने पीड़ित के साथ रियल एस्टेट का काम करने के लिए उसे अपने विश्वास में लिया।

गोवा की घटना के बाद गुरुग्राम के क्लब, बार व रेस्तराओं पर सख्ती

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

- देर रात तक खुलने वाले क्लब, बार, रेस्तराओं की शुरू की गई जांच

गोवा के क्लब में आगजनी की घटना और 25 लोगों की दर्दनाक मौत के बाद गुरुग्राम के क्लब, बार व रेस्तराओं पर पुलिस सख्त हो गई है। सभी स्थानों पर सुरक्षा को लेकर, आपातकाल स्थिति में बचाव को लेकर पुलिस ने डीसीपी मुख्यालयों के आदेश पर जांच शुरू कर दी गई है।

डीसीपी मुख्यालय अर्पित जैन की ओर से सभी पुलिस थाना प्रभारियों को सभी बार, क्लब व रेस्तराओं में सख्ती से जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। इनमें प्रवेश व बाहर निकलने के रास्तों की चौड़ाई, आगजनी जैसी घटनाओं से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम समेत तमाम इंतजामों की जांच की जाए। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा की ओर से दिए गए आदेशों को तुरंत प्रभाव से लागू भी कर दिया गया है। सभी क्लब, बार, रेस्तराओं की जांच में अगर नियमों में कमी पायी जाती है तो संबंधित संस्थान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी पुलिस करेगी। सुरक्षा मानकों में किसी प्रकार की ढील स्वीकार्य नहीं होगी।

नये साल के जश्न को लेकर भी पुलिस सतर्क : बार, क्लब, रेस्तराओं में सुरक्षा के साथ पुलिस नये साल के जश्न पर सुरक्षा को लेकर भी सतर्क हो गई है। नये साल पर गुरुग्राम में हर होटल, बार, क्लब, रेस्तरां में कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

कैंप में 15 शिकायतों का मौके पर निपटारा

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निदेर्शों पर नगर निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा के मार्गदर्शन में बल्लभगढ़ जॉन में आमजन की समस्याओं और प्रॉपर्टी आईडी (PID) से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए साप्ताहिक कैंप का आयोजन किया गया।

कैंप में करीब 15 शिकायतों का मौके पर निपटारा किया गया, जबकि 12 शिकायतें संबंधित अधिकारियों को आगे समाधान हेतु भेज दी गई हैं, जिन्हें 3-4 दिन में हल किया जाएगा। जॉइंट कमिश्नर करण सिंह भदौरिया ने आमजन की समस्याएं सुनकर मौके पर समाधान किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर क्षेत्रीय एवं कर अधिकारी दीपा पब्बी और अशोक कुमार भी मौजूद रहे। नगर निगम द्वारा हर जॉन में नियमित रूप से ऐसे कैंप आयोजित किए जा रहे हैं, जो सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक जारी रहेंगे।

लोन : फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

- सेंटर से 11 महिलाओं सहित 13 आरोपी गिरफ्तार, 13 फोन बरामद

स्थानीय पुलिस के साइबर अपराध थाना दक्षिण की पुलिस टीम ने एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। इस कॉल सेंटर से लोन देने के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करके ठगी की जाती थी। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बुधवार को बताया कि मौके से 11 महिलाओं समेत 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे 13 फोन बरामद किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार नौ दिसंबर 2025 को थाना साइबर अपराध दक्षिण, गुरुग्राम की पुलिस टीम को अपने विश्वसनीय सूत्रों के माध्यम से एक सूचना मिली थी। सूचना में बताया गया कि स्पेस आईटी पार्क, टॉवर बी-3, सेक्टर-48, गुरुग्राम में फर्जी तरीके से कॉल सेंटर चलाया जा रहा है। वहां पर उमंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से लोन देने की आड़ में साइबर ठगी की जाती है। इस सूचना पर सहायक पुलिस आयुक्त साइबर अपराध प्रियांशु दिवान के नेतृत्व में निरीक्षक नवीन कुमार व टीम ने मौके पर छापेमारी की। पुलिस टीम को वहां 13 लोग (11 महिलाएं व दो पुरुष) कॉल के माध्यम से लोगों को लोन देने का झांसा देकर ठगी करते हुए मिले। आरोपियों की पहचान शिवांशी (20) निवासी गुरुग्राम, हर्षिता (20) गुरुग्राम, मिताली (19) गुरुग्राम, वंशिका (22) फरीदाबाद, शिक्षा सिंह (19) बहराइच, श्रेया (21) गुरुग्राम, अंजलि (19) कानपुर, प्रियंका (18) गुरुग्राम, प्रीति (23) निवासी रायबरेली (उ.प्र.), आकांक्षा कानपुर (उ.प्र.), सलोनी (18) बिजनौर (उ.प्र.), हिमांशुपाल (22) कन्नौज (उ.प्र.), प्रिंस कुमार (31) मेरठ (उ.प्र.) के रूप में हुई।

कॉल सेंटर को मेरठ निवासी सोहेल संचालित करता था : आरोपियों से पूछताछ पर पता चला कि इस कॉल सेंटर को मेरठ निवासी सोहेल नामक व्यक्ति संचालित करता है। सेंटर को 45,000 रुपये मासिक किराए पर लिया हुआ है। इन सभी को 15,000-20,000 रुपये मासिक वेतन मिलता। ये शुरूआत में उमंग फाइनेंस में सेल्स एक्जीक्यूटिव की जॉब के नाम पर भर्ती निकालते हैं। फिर भर्ती हुए सेल्स एक्जीक्यूटिव को फर्जी ज्वाइनिंग लेटर देकर उसका केवीईसी करते हैं। लोन प्रक्रिया के नाम पर पहले 4,700 रुपये और फिर फाइल चार्ज के नाम पर 18,000-21,000 रुपये वसूल कर लेते हैं।

ट्रैफिक पुलिस ने कर्मचारियों को दिया सुरक्षित ड्राइविंग का संदेश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त सत्येंद्र कुमार गुप्ता के दिशा-निर्देश और संयुक्त पुलिस आयुक्त राजेश दुग्गल व एसीपी ट्रैफिक शैलेंद्र के नेतृत्व में फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस व सामुदायिक पुलिसिंग शाखा ने बेलमैक्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में रोड सेफ्टी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों को सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, नशे से दूर रहने, सुरक्षित ड्राइविंग की आदतें अपनाने और यातायात नियमों के महत्व के प्रति जागरूक करना था। करीब 250 कर्मचारियों ने इसमें हिस्सा लिया। उन्होंने हेलमेट, सीट बेल्ट, स्पीड लिमिट और लेन अनुशासन के महत्व पर जोर दिया। कहा, नशे में वाहन चलाना कानूनी तौर पर की गंभीर अपराध है।

छात्रों को नशा मुक्ति के लिए दिलाई शपथ

गुरुग्राम। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में नशा मुक्ति विषय पर एक सेमीनार आयोजित किया गया। इस सेमीनार में युवाओं को नशा मुक्त स्वस्थ जीवन जीने की सीख दी गई।

इस अवसर पर पुलिस विभाग की ओर से एएसआई भूदेव व उनकी टीम द्वारा संस्थान में प्रशिक्षण ले रहे युवाओं को नशा नहीं करने की शपथ दिलाई गई। एएसआई भूदेव ने कहा कि बेहतर समाज का निर्माण करने के लिए यह जरूरी है कि हम सब नशों से दूर रहें। विशेषकर युवाओं से उन्होंने आग्रह किया कि वे अपना भविष्य स्वर्णिम बनाने पर अपना फोकस रखें। किसी के बहकावे में आकर या स्वयं भी कभी नशे की तरफ ना जाएं। नशा बबार्दी का कारण है। उन्होंने कहा कि हम सबने यहां ली शपथ को अपने जीवन में सदैव याद रखना है।

अब वॉयल सेंपल के लिए नहीं जाना होगा मधुबन

गुरुग्राम। स्थानीय पुलिस ने जांच, अनुसंधान प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी एवं त्वरित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बुधवार को पुलिस लाइन परिसर में अत्याधुनिक साउंडप्रूफ वॉइस सैम्पल रूम का सीपी विकास कुमार अरोड़ा ने उद्घाटन किया। अब तक वॉइस सैम्पल के लिए मामलों को मधुबन भेजा जाता था। जहां लंबी प्रतीक्षा सूची के कारण रिपोर्ट प्राप्त करने में महीनों का समय लग जाता था। इस देरी से कई बार अनुसंधान प्रक्रिया प्रभावित भी होती थी। नई सुविधा के प्रारम्भ होने के बाद अब गुरुग्राम में ही तुरंत वॉइस सैम्पल लिया जा सकेगा, जिससे समय की बड़ी बचत होगी, रिपोर्ट शीघ्रता से प्राप्त होगी, अनुसंधान प्रक्रिया में तीव्रता व प्रभावशीलता आएगी। जांच व पुलिस अधिकारियों को वैज्ञानिक साक्ष्यों को समय पर संलग्न करने में आसानी होगी।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 11 दिसंबर 2025

अल्ट्रासाउंड जांच के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

■ पहले दिन 14 गर्भवतियों की जांच की गई

मसूरी और डासना क्षेत्र की गर्भवतियों के लिए राहत भरी खबर है। उन्हें अल्ट्रासाउंड के लिए निजी सेंटरों और सरकारी अस्पतालों में नहीं भटकना पड़ेगा। बुधवार से डासना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में जांच शुरू हो गई है। पहले दिन 14 गर्भवतियों की जांच की गई।

डासना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को एफआरयू (फर्स्ट रेफरल यूनिट) का दर्जा जुलाई मिल गया था, लेकिन प्रसव पूर्व जांच के लिए गर्भवतियों को निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों में जाना पड़ रहा था। सीएचसी से गर्भवतियों को संयुक्त या फिर महिला अस्पताल भेजा जाता था, लेकिन दोनों अस्पताल दूर होने की वजह से परेशानी हो रही थी।

डासना सीएचसी में शासन से अल्ट्रासाउंड मशीन पहले ही आ चुकी थी। बुधवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अखिलेश मोहन ने जांच केंद्र का उद्घाटन किया। मौके पर डिप्टी सीएमओ डॉ. रविंद्र कुमार, केंद्र प्रभारी डॉ. प्राची पाल मौजूद रहीं। सीएचसी पर तैनात सोनोलॉजिस्ट डॉ. राकेश कुमार को डासना में तैनात किया गया है।

डॉ. राकेश सोमवार और बुधवार जांच करेंगे। केंद्र प्रभारी प्राची पाल ने बताया कि केंद्र में जांच का कार्य शुरू होने से करीब तीन लाख की आबादी को लाभ होगा।

नोएडा डिपो ने चालकों की भर्ती के लिए मांगे आवेदन

नोएडा। मोरना स्थित नोएडा डिपो ने संविदा पर चालकों की भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं। लोग कार्यदिवस में नोएडा डिपो में सुबह 10 से शाम पांच बजे तक आवेदन कर सकते हैं। नोएडा डिपो में 800 से अधिक चालक और परिचालक हैं। इनमें संविदाकर्मियों की संख्या अधिक है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा डिपो में कुल मिलाकर 305 बसें हैं। इसमें नोएडा डिपो में बसों की संख्या 188 है। सभी साधारण और सीएनजी से चलने वाली बसें हैं। गौतमबुद्ध नगर के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार ने कहा कि दस्तावेजों की जांच के बाद चालक का बस चलाने का परीक्षण किया जाएगा।

12वीं मंजिल से गिरी लिफ्ट, युवक घायल

■ घटना में लिफ्ट में सवार युवक का पैर टूट गया
■ लोगों ने मैनेजिंग कमेटी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

राजनगर एक्सटेंशन की संचार रेजिडेंसी सोसाइटी में बुधवार सुबह लिफ्ट 11वीं मंजिल से सीधे बेसमेंट में जा गिरी। इसके बाद बिना कमांड दिए ही ऊपर पहुंच गई। तेज आवाज के साथ लिफ्ट गिरने से हड़कंप मच गया। घटना में लिफ्ट में सवार युवक का पैर टूट गया। लोगों ने कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सी ब्लॉक की 11वीं मंजिल पर रहने वाले सौरभ के घर पर मंगलवार को एक दोस्त आया था, जो बुधवार सुबह छह बजे वापस जाने के लिए लिफ्ट में चढ़ा। जैसे ही उसने ग्राउंड फ्लोर का बटन दबाया। लिफ्ट झटके के साथ नीचे बेसमेंट में जा गिरी। इसके बाद बिना कमांड दिए ही लिफ्ट ऊपर 12वीं मंजिल पर पहुंच गई। उससे ऊपर लिफ्ट रूम और 12वीं मंजिल के बीच रुक गई। आवाज सुनकर लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। लोगों की मदद से घायल युवक को लिफ्ट से बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया।

सोसाइटी निवासी मुकुल ने बताया कि लिफ्ट गिरने से युवक उछलकर उसमें गिर पड़ा। इससे उसका पैर टूट गया। आरोप है कि सोसाइटी में आए दिन लिफ्ट अटकती रहती हैं। कुछ दिन पहले भी एक बच्ची समेत तीन लोग लिफ्ट में अटक गए थे। उससे पहले एक बुजुर्ग को भी बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला था। लोगों ने घटना की सूचना तुरंत 112 नंबर पर दी और मैनेजिंग कमेटी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कॉल करने पर मदद नहीं मिली लोगों का आरोप है कि घटना के बाद सिक्योरिटी को कई कॉल की गईं, लेकिन मदद नहीं मिली।

स्थानीय निवासी मुकुल ने बताया कि लिफ्ट किस जगह फंसी है यह भी पता नहीं चल रहा था। लोगों ने खुद ही गेट पर जाकर इमरजेंसी लॉक की चाबी ली और हर मंजिल पर गेट खोल खोलकर देखा। इसके बाद 12वीं मंजिल पर जाकर लिफ्ट खोलकर युवक को निकाला। मैनेजिंग कमेटी पर लापरवाही का आरोप स्थानीय निवासी अवनीश गुप्ता ने बताया कि संचार रेजीडेंसी सहकारी समिति आधारित सोसाइटी है।

संक्षिप्त खबरें

मिडडे मील में अब मिलेगा बाजरे का लड्डू और गजक

नोएडा। परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के पोषण स्तर बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त पोषक आहार उपलब्ध कराया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत हर गुरुवार छात्रों को गुड़-तिल-मूंगफली की गजक, चौलाई या बाजरे का लड्डू अथवा भुना चना दिया जाएगा। मार्च के आखिरी सप्ताह तक यह व्यवस्था लागू हो जाएगी। मिडडे मील योजना के तहत मिलने वाले नियमित भोजन के अलावा यह अतिरिक्त आहार फ्लैक्सी फंड के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए मिडडे मील प्राधिकरण के निदेशक की ओर से बीएसए को सर्कुलर भेजा गया है। सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम पोषण योजना में निर्धारित बजट की उपलब्धता के अनुसार कुल बजट के छह प्रतिशत हिस्से का उपयोग फ्लैक्सी फंड के रूप में किया जाएगा। इसी मद से परिषदीय स्कूलों के बच्चों को पौष्टिक खाद्य सामग्री दी जाएगी।

जरुरतमंद महिलाओं को कंबल बांटे

नोएडा। सेक्टर-67 स्थित गांव ममूरा में बुधवार को महिला उद्यमी संस्था की अध्यक्ष विमला बाथम के नेतृत्व में जरुरतमंद महिलाओं को कंबल वितरित किए गए। संस्था का उद्देश्य महिलाओं को उद्यमिता, स्वरोजगार और स्वावलंबन के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर संस्था की उपाध्यक्ष पूनम कोहली, सुमन ढाका, महासचिव वंदना शर्मा, सचिव कविता त्यागी भी उपस्थित रहीं।

खाली भूखंड में खड़े दो ई-रिक्शा की बैटरी चोरी

दादरी। घोड़ी बछेड़ा गांव में खाली भूखंड में खड़े दो ई-रिक्शा की आठ बैटरी चोरी कर ली गईं। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घोड़ी बछेड़ा गांव में राहुल परिवार के साथ रहता है। राहुल ने पुलिस को बताया कि वह और उसके साथी सत्येंद्र ग्रेटर नोएडा में ई-रिक्शा चलाते हैं। उन दोनों ने मंगलवार की रात अपने दोनों ई-रिक्शा खाली भूखंड में खड़े किए थे। बुधवार की सुबह उन्हें पता चला कि दोनों ई-रिक्शा से आठ बैटरी चोरी हो गई हैं। पीड़ित राहुल ने इस घटना की सूचना पुलिस को दी। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज देखी जा रही है। चोरों का पता लगा कर चोरी की गई बैटरी बरामद की जाएंगी।

सदरपुर कॉलोनी से किशोर लापता

नोएडा। सदरपुर कॉलोनी में रहने वाला 15 वर्षीय किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। काफी तलाश करने के बाद भी जब उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली तो परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। सदरपुर कॉलोनी निवासी संजीव मिश्रा ने बताया कि उनका 15 वर्षीय बेटा पांच दिसंबर से गायब है। अब तक उसका कुछ पता नहीं चल सका है। उन्होंने बेटे के साथ अनहोनी होने की आशंका जाहिर की है। किशोर की सकुशल बरामदगी के लिए थाना स्तर पर एक टीम गठित कर दी गई है।

बिजली आपूर्ति बाधित होने से परेशानी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की इको विलेज-तीन सोसाइटी में बुधवार को करीब चार घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। इससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। आरोप है कि शिकायत करने पर भी समाधान नहीं हुआ। सोसाइटी में रहने वाले मृत्युंजय ने बताया कि परिसर में करीब 1500 परिवार रहते हैं, लेकिन लोगों की सुविधाओं का ध्यान नहीं रखा जाता है। सोसाइटी में सुबह 11 बजे बिजली आपूर्ति बाधित हुई, जब लोगों ने इसकी शिकायत की तो दोपहर दो बजे केवल आधे घंटे के लिए बिजली आई, जिसके बाद वह फिर से चली गई। शाम चार बजे आपूर्ति शुरू हुई, लेकिन ट्रिपिंग की समस्या बनी रही। सोसाइटी में रहने वाले अंकित ने बताया कि कई बार ट्रिपिंग की वजह से लोगों के फ्रिज और अन्य उपकरण खराब हो चुके हैं। आरोप है कि लाइट जाने पर डीजी चलाने पर 27 रुपये प्रति स्क्वायर फीट के हिसाब से शुल्क लिया जाता है, जो अधिक है।

ट्रैफिक सिग्नल पर दो कार टकराईं, चालक घायल

नोएडा। सेक्टर-70 की ट्रैफिक सिग्नल पर बुधवार दोपहर दो कारें आपस में टकरा गईं। हादसे में दोनों कारों के चालक घायल हो गए। दोनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई है। फेज-3 थाना पुलिस ने बताया कि सेक्टर-70 स्थित ट्रैफिक सिग्नल पर दो कारें आपस में टकरा गईं। हादसे में कार चालक मोनू यादव निवासी इटावा और अमरेश पाल निवासी एटा घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को कार से बाहर निकाला और स्ट्रैचर की मदद से एंबुलेंस तक पहुंचाया। वहां से दोनों को अस्पताल ले जाया गया। बताया गया कि ट्रैफिक लाइट होने के बाद भी कार चालकों ने तेजी से गाड़ी चलाई, जिससे हादसा हुआ। घटना के बाद मौके पर भरी भीड़ जमा हो गई। साथ ही, जाम की स्थिति बन गई। क्षतिग्रस्त कारों को क्रेन की मदद से हटाया गया। इसके बाद यातायात सामान्य हुआ।

रोहिंग्या के मुद्दे पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

मुरादनगर। गाजियाबाद सेवा समिति के पदाधिकारियों ने रोहिंग्या के मुद्दे पर बुधवार को तहसील पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद पदाधिकारियों ने एसडीएम को ज्ञापन भी सौंपा। समिति के लोगों का आरोप है कि मोदीनगर में बड़ी संख्या में रोहिंग्या रह रहे हैं। ऐसे लोगों को बाहर किया जाए। गाजियाबाद सेवा समिति के पदाधिकारी बुधवार को सुबह 11 बजे तहसील पहुंचे। समिति के लोगों ने आरोप लगाया कि मोदीनगर में विजयनगर कॉलोनी, बिसोखर, लंकापुरी, काजमपुर, सुमन सिनेमा के पीछे रोहिंग्या लोग रह रहे हैं। समिति के पदाधिकारी ने इन लोगों पर अपराधिक वारदातों में शामिल होने का आरोप लगाया और प्रदर्शन किया। इसके बाद पदाधिकारियों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंप ऐसे लोगों को शहर से बाहर करने की मांग की। एसडीएम ने मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया है। प्रदर्शन में आशीष, अभिनव, पंकज कंसल आदि लोग मौजूद रहे।

बाइक चुराने के आरोपी को दबोचा

लोनी। दिल्ली से चोरी बाइक को पीड़ित ने थाना ट्रॉनिका सिटी में आरोपी के साथ बरामद कर लिया। नॉर्थ घोंडा निवासी मोहम्मद नदीम ने बताया कि पांच दिसंबर 2025 को उनकी बाइक घर के सामने से चोरी हो गई थी। थाना भजनपुरा में रिपोर्ट दर्ज करा वह बाइक की तलाश कर रहे थे। आठ दिसंबर की रात करीब 11 बजे ट्रॉनिका सिटी थानाक्षेत्र स्थित खुशहाल पार्क में एक युवक उनकी बाइक के साथ खड़ा मिला।

दनकौर में 500 करोड़ की सरकारी भूमि मुक्त कराई

■ कॉलोनाइजर और माफिया ने करीब 4.6 हेक्टेयर भूमि पर अवैध कब्जा किया हुआ था

पायनियर समाचार सेवा। ग्रेटर नोएडा

> ओएसडी शैलेंद्र सिंह ने चेतावनी दी है कि यदि किसी ने भी प्राधिकरण की भूमि पर अतिक्रमण करने की कोशिश की तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आरोपी से लागत वसूलने के साथ उसके खिलाफ आपराधिक मुकदमा भी दर्ज किया जाएगा।

यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) ने बुधवार को दनकौर में अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया। टीम ने सरकारी और प्राधिकरण की अधिसूचित भूमि पर बने टिनशेड, कच्ची-पक्की दीवारें, स्थायी और अस्थायी निर्माण को पूरी तरह से ध्वस्त कर करीब 500 करोड़ की भूमि को कब्जा मुक्त करा लिया। यमुना प्राधिकरण के मुताबिक दनकौर में कॉलोनाइजर और माफिया ने करीब 4.6 हेक्टेयर भूमि पर अवैध कब्जा किया हुआ था। वे अवैध निर्माण कर प्लॉटिंग कर रहे थे। प्राधिकरण को इसके बारे में शिकायत मिली थी। इस पर प्राधिकरण की टीम ने योजना बनाकर कार्रवाई की। अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत खसरा नंबर 211 पर हो रहे अवैध निर्माण को ध्वस्त कराकर करीब 500 करोड़ की भूमि को कब्जा मुक्त करा लिया गया। बताया गया कि यह भूमि यमुना एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर बनने वाले इंटरचेंज से प्रभावित किसानों को सात प्रतिशत आबादी भूखंड देने के लिए है। इसके साथ ही, अन्य भूमि पर कई विशेष परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। इस कार्रवाई से यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक और शहरी विकास के लिए आरक्षित भूमि पूर्ण रूप से मुक्त हो गई।

कई अवैध कॉलोनी आकार ले चुकी: यमुना प्राधिकरण का क्षेत्र गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा और हाथरस तक है। ऐसे में अतिक्रमण रोकना चुनौती पूर्ण कार्य है। कॉलोनाइजर नोएडा एयरपोर्ट, फिल्म सिटी, लॉजिस्टिक के निकट होने का दावा कर लोगों को भूखंड बेच रहे हैं। इनमें भूखंडों का क्षेत्रफल 50 से 200 गज तक है। यहां आवास के लिए रिहायशी जमीन 16000-18000 प्रति वर्गमीटर और व्यावसायिक जमीन 18,000 से 20,000 रुपये प्रति गज के रेट पर बेची जा रही है। यही कारण है कि नोएडा एयरपोर्ट के पास कई अवैध कॉलोनी आकार ले चुकी हैं। कॉलोनाइजर्स ने यहां फर्जी टाउनशिप दिखाकर ब्रॉशर छपा रखे हैं। इतना ही नहीं कॉलोनाइजर्स ने पक्की सड़क तक बना ली है। कॉलोनाइजर नोएडा एयरपोर्ट के पास 15 हजार रुपये गज के रेट पर लोगों को भूखंड का फर्जी बैनामा थमाकर उनसे लाखों रुपये ऐंठ रहे हैं। जेवर टोल के बाद से शुरू हो जाती हैं फर्जी टाउनशिप यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र में जेवर टोल प्लाजा पार करते ही फर्जी टाउनशिप का खेल शुरू हो जाता है। सिमरौती गांव में एक प्रोजेक्ट श्रीतुलसी वाटिका के नाम से दर्शाया गया है। यह 200 बीघा जमीन पर दिखाया गया है। इसका बाकायदा ब्रॉशर तक जारी हो चुका है।

जीडीए की सील तोड़ निर्माण कराने वाले दो लोगों पर केस

■ जीडीए ने नोटिस जारी करते हुए 17 सितंबर को वाद दायर किया था

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

> अवर अभियंता गिरिजा शंकर मल्ल ने बताया कि बिना मानचित्र स्वीकृति के निर्माण पर पहले नोटिस, कार्य रोक आदेश और 31 अक्तूबर को सीलिंग की कार्रवाई की गई थी। तीन दिसंबर को निरीक्षण में पाया गया कि निर्माणकर्ता ने सील हटाकर रात के समय दोबारा निर्माण शुरू कर दिया है।

महेंद्रा एनक्लेव के चार भूखंडों पर लगी जीडीए की सील तोड़कर अनाधिकृत निर्माण कराने वाले दो लोगों के खिलाफ कविनगर थाने में केस दर्ज कराया गया है। इस संबंध में जीडीए के अवर अभियंता ने दोनों आरोपियों के खिलाफ शिकायत दी थी। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ आगामी कार्रवाई की जा रही है।

जीडीए में तैनात अवर अभियंता गिरिजा शंकर मल्ल का कहना है कि सुधीर कुमार द्वारा शास्त्रीनगर स्थित महेंद्रा एन्क्लेव के दो भूखंडों पर बिना मानचित्र स्वीकृत कराए अवैध निर्माण कराया जा रहा था। इस पर जीडीए ने नोटिस जारी करते हुए 17 सितंबर 2025 को वाद दायर किया था।

नोटिसों के बावजूद निर्माणकर्ता द्वारा चोरी-छिपे, रात्रि और अवकाश के दिनों में निर्माण जारी रखा गया। लगातार उल्लंघन के बाद प्रवर्तन जोन-चार के सक्षम अधिकारी ने 31 अक्तूबर 2025 को निर्माण स्थल सील करने के आदेश दिए और उसी दिन दोनों भूखंडों को सील कर दिया गया। अवर अभियंता के मुताबिक तीन दिसंबर 2025 को सुपरवाइजर मिथिलेश सिंह के साथ निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि सील तोड़ दी गई है और विपक्षी द्वारा फिर से निर्माण शुरू कर दिया गया है।

इस संबंध में अवर अभियंता ने सुधीर कुमार के खिलाफ कविनगर थाने में शिकायत दी। इसी क्रम में मुकेश कुमार द्वारा शास्त्रीनगर स्थित महेंद्रा एन्क्लेव के ही दो भूखंडों पर जीडीए द्वारा लगाई गई सील तोड़कर दोबारा अवैध निर्माण शुरू करा दिया गया।

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत, दहेज हत्या का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

सुदामापुरी स्थित कश्यप विहार में मंगलवार देर रात विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। विवाहिता का शव फंदे पर लटका मिला। घटना का पता लगने पर पहुंचे मायका पक्ष के लोगों ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलने पर केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक इटावा के ब्रह्मनगर रामलीला रोड निवासी गोपीराम ने अपनी 29 वर्षीय बेटी तान्या की शादी 15 फरवरी 2022 को सुदामापुरी निवासी पंकज के साथ की थी। पंकज ठेकेदारी का काम करता है। नौ दिसंबर की शाम करीब सात बजे तान्या ने छोटी बहन ज्योति को फोन करके बताया था कि पति पंकज रोजाना शराब पीकर घर आता है और कम दहेज का ताना देकर उसके साथ मारपीट करता है और तरह-तरह से प्रताड़ित करता है। वह उस पर मायके से काम दिलाने का दबाव डालता है।

परिजनों का कहना है कि मंगलवार रात करीब दो बजे पंकज ने ज्योति को फोन किया और तान्या द्वारा फंदा लगाने की बात कहकर जल्दी गाजियाबाद आने को कहा। घटना का पता लगने पर तान्या के परिजनों में कोहराम मच गया। बुधवार तड़के करीब पांच बजे परिजन इटावा से गाजियाबाद के लिए रवाना हो गए।

गाजियाबाद पहुंचकर मायका पक्ष ने तान्या की मौत को हत्या बताया और आरोप लगाया कि पंकज व उसके घरवालों ने ही दहेज के लिए तान्या की जान ली है। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को शांत कराया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों का कहना है कि तान्या पांच बहनों और दो भाइयों में चौथे नंबर की थी। बहनें संगीता, मोना, सोना, ज्योति तथा भाई कन्हैया और रविन्द्र हैं।

डिलीवरी ब्वॉय को पीटा, चार गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर क्षेत्र में बुधवार की सुबह बाइक खड़ी करने को लेकर हुए विवाद में चार युवकों ने डिलीवरी ब्वॉय को सड़क पर गिराकर पीटा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेकर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सूरजपुर कोतवाली प्रभारी ने बताया कि दुर्गा गोल चक्कर के समीप बुधवार की सुबह डिलीवरी ब्वॉय ने अपनी बाइक खड़ी की थी। इसी बीच यहां खड़े कुछ युवकों ने बाइक हटाने को लेकर कहा। इसी बात को लेकर इनके बीच विवाद हो गया। आरोप है कि आरोपियों ने एक राय होकर डिलीवरी ब्वॉय को सड़क पर गिराकर बुरी तरह पीटा। मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया। इसके बाद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर तुरंत कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किया और आरोपियों की पहचान की।

बार एसोसिएशन चुनाव में धांधली का आरोप, चुनाव निरस्त कराने की मांग

■ अध्यक्ष और सचिव पद पर चुनाव लड़े प्रत्याशियों ने डिप्टी रजिस्ट्रार सोसाइटी से की शिकायत

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

बार एसोसिएशन के चुनाव में धांधली का आरोप लगाकर डिप्टी रजिस्ट्रार सोसाइटी से चुनाव निरस्त कराने की मांग की गई है। इस पर डिप्टी रजिस्ट्रार सोसाइटी ने बार को नोटिस भेजकर एक सप्ताह में जवाब मांगा है। चुनाव में अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रहे अतुल्य शर्मा, मुनीश त्यागी, सचिव पद के प्रत्याशी रहे हरेंद्र कुमार गौतम और स्नेह त्यागी ने बुधवार को संयुक्त रूप प्रेस वार्ता की।

प्रेसवार्ता में अतुल्य शर्मा ने बताया कि उनकी पत्नी की वोट काटकर उनकी सीओपी पर दूसरे अधिवक्ता की वोट बना दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि टैक्स बार एसोसिएशन के अधिवक्ता, तहसील सदर, लोनी और हापुड़ के अधिवक्ताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किए गए थे। हरेंद्र ने बताया कि सूची में 346 ऐसे अधिवक्ताओं के नाम सूची में शामिल किए गए थे, जो बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं। आरोप यह भी है कि 24 अधिवक्ता गौतमबुद्धनगर बार एसोसिएशन, 14 अधिवक्ता लोनी बार एसोसिएशन, 13 हापुड़ बार एसोसिएशन और नौ अधिवक्ता तहसील बार एसोसिएशन के शामिल किए गए।

वहीं, मुनीश त्यागी ने आरोप लगाया कि सौ अधिवक्ता ऐसे हैं, जो कचहरी में कई वर्ष से वकालत कर रहे हैं, नियमित शुल्क जमा करने और सीओपी होने के बावजूद उनके नाम सूची से काट दिए गए।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत छात्रों को मिलेगा बेहतर माहौल

अबूपुर में रमाबाई लाइब्रेरी, लैब का उद्घाटन

■ लाइब्रेरी और डिजिटल लैब लगभग 25 लाख रुपये की लागत से तैयार की गई

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के मुरादनगर क्षेत्र के अबूपुर गांव में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत माता रमाबाई लाइब्रेरी और टेब लैब का उद्घाटन किया गया।

प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग के राज्य मंत्री असीम अरुण ने मुख्य अतिथि के रूप में फीता काटकर इस केंद्र का शुभारंभ किया। यह लाइब्रेरी और डिजिटल लैब लगभग 25 लाख रुपये की लागत से तैयार की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य गांव के बच्चों और युवाओं को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त, लगभग 31 लाख रुपये की लागत से एक सामुदायिक केंद्र का भी निर्माण किया गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री असीम अरुण ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि शिक्षा को महत्व देने में है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छात्रों को तत्काल लाभ पहुंचाने के लिए इस केंद्र पर जल्द से जल्द कोचिंग कक्षाएं शुरू की जाएं।

इस अवसर पर मंत्री ने एक महत्वपूर्ण घोषणा भी की। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार 60 वर्ष से अधिक आयु के गरीब बुजुर्गों को अब ऑनलाइन पेंशन सुविधा प्रदान करेगी। जिन बुजुर्गों का आधार कार्ड बीपीएल कार्ड से लिंक होगा, उन्हें यह सुविधा घर बैठे मिलेगी। यह योजना गाजियाबाद सहित कुछ जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू की जा रही है।

कार्यक्रम में बागपत से सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, मोदीनगर से विधायक मंजू सिवाच, भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र कन्नौजिया, क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष सुचेता सिंह और मोदीनगर नगर पालिका के अध्यक्ष विनोद वैश्य सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त, जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग के अधिकारी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

बाजार में बने रहने के लिए गुणवत्ता जरूरीः असीम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री असीम अरुण ने कहा कि बाजार में स्थान बनाए रखने के लिए गुणवत्ता महत्वपूर्ण है। यदि किसी भी उद्यमी को समस्या आती है तो वे उनसे बात कर सकते हैं। प्रदेश सरकार उद्यमियों और उद्योग के लिए लगातार कई आवश्यक कदम उठा रही है। समाज कल्याण राज्य मंत्री बुधवार को कवि नगर स्थित लायंस क्लब के ऑडिटोरियम में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस और ऑल इंडिया मैन्युफैक्चरर्स ऑर्गेनाइजेशन द्वारा बुधवार को आयोजित एक्सपोर्ट कॉन्क्लेव में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

असीम अरुण ने कहा कि गाजियाबाद से पूरे देश में मशीनरी कलपुर्जे, फॉर्जिंग आदि अन्य उत्पादों का निर्यात होता है। गाजियाबाद को औद्योगिक नगरी के रूप में भी जाना जाता है। इस औद्योगिक नगरी को और बेहतर बनाने के लिए स्थानीय उद्यमी लगातार बेहतर कार्य कर रहे हैं। हमें अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थान बनाना है तो गुणवत्ता और नवाचार पर लगातार कार्य करते रहना होगा। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश और देश में उद्यमियों को लेकर लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां पर आधुनिक ग्रीन डाटा सेंटर बनाया जा रहा है, जिससे गाजियाबाद के विकास को और गति मिलेगी। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस के महानिदेशक डॉ. अजय सहाय ने जिले के निर्यातकों को निर्यात पर मिलने वाले वार्षिक अनुदानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उत्पादन का निर्यात जल या वायु परिवहन से हो दोनों पर अनुदान के लिए नीतियां निर्धारित की गई हैं। जितना अधिक निर्यात होता, उतना ही देश और नगर की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

रामराज्य के उत्सव की एक और गौरव गाथा

दीपोत्सव अब अमूर्त सांस्कृतिक विरासत

वंदे मातरम और भारत माता के जयकारों की गंज के बीच हम सबके लिए एक और गौरव का क्षण आया है। इतना ही नहीं इससे भारत और दुनिया भर के लोग रोमांचित हैं। यह रोमांचक क्षण उस समय आया जब प्रमुख भारतीय पारंपरित उत्सव दीपावली को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में जगह मिल गई। दीपावली राम राज्य यानी सुशासन का एक महान उत्सव है। आज इस ख्याति और उपलब्धि से हर भारतीय धन्य है। भारत में धर्म ध्वजा लहराने के साथ ही अब दीप उत्सव के नाम की पताका भी दुनिया में फहराने लगी है। यह वह पल है जब मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्री राम की धरा से समूची दुनिया आलोकित होने लगी है और भारत अपनी अपनी पारंपरिक पहचान को पुर्नस्थापित करने की प्रक्रिया में लीन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में शामिल किए जाने का आभार जताते हुए कहा कि इससे त्यौहार की वैश्विक लोकप्रियता में और वृद्धि होगी। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि यह मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होने वाली भारत की 16वीं सांस्कृतिक परंपरा है। भारत की 15 सांस्कृतिक परंपराएं वर्तमान में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल हैं, जिनमें कुंभ मेला, कोलकाता की दुर्गा पूजा, गुजरात का गरबा नृत्य, योग, वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा और रामलीला - महाकाव्य 'रामायण' का पारंपरिक प्रदर्शन शामिल हैं। प्रकाश का उत्सव दीपावली भारत के उन चिरस्थायी त्यौहारों में से एक है जो अब दुनिया के कई अन्य हिस्सों में भी मनाया जाता है। शेखावत ने कहा, हर भारतीय के लिए दीपावली बेहद भावनात्मक त्यौहार है। भारत की इस प्राचीन परंपरा को पीढ़ियों से हम आत्मसात करते आए हैं। यह नई उपलब्धि भारतवासियों के लिए 'तमसो मां ज्योतिर्गमय' के संस्कृत मंत्र का सार है और राष्ट्रीय सम्मान है। यह सम्मान भारत की सांस्कृतिक प्रतिष्ठा को मजबूत करता है और यह भारत के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण और हर भारतवासी के लिए वैश्विक मंच पर भारतीय संस्कृति का स्वर्णिम अध्याय भी। अब दुनिया दीपावली के बारे में और अधिक गहराई से जानेगी। हर राज्य इस पल को गर्व से मनायेगा।

बच्चों का कल्याण और यूनिसेफ से बढ़ती उम्मीदें

योगेश कुमार गोयल

संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान तबाह हुए देशों के बच्चों और माताओं को आपातकालीन स्थिति में भोजन तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 11 दिसम्बर 1946 को न्यूयार्क में यूनिसेफ की स्थापना की गई थी। उस समय इसे 'यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेन्स इमरजेंसी फंड' के नाम से जाना जाता था। विकासशील देशों में बच्चों और महिलाओं की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए 1950 में यूनिसेफ के दायरे को विस्तारित किया गया। 1953 में यूनिसेफ संयुक्त राष्ट्र का एक स्थायी हिस्सा बन गया और इस संगठन के नाम में से 'अंतर्राष्ट्रीय' तथा 'आपातकालीन' (इमरजेंसी) शब्दों को हटा दिया गया। 1953 में यूनिसेफ के संयुक्त राष्ट्र का स्थायी सदस्य बन जाने के बाद इसका नाम 'यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रेंस फंड' (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) कर दिया गया लेकिन मूल संक्षिप्त नाम 'यूनिसेफ' को बरकरार रखा गया। यूनिसेफ का गठन करने में पोलैंड के चिकित्सक लुडविक रॉश्मन ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बाल अधिकारों के संरक्षण की हिमायत करने, उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में मदद देने तथा उनकी प्रतिभा के पूर्ण विकास के अवसरों का विस्तार करने का दायित्व यूनिसेफ को सौंपा गया है, जो बाल अधिकार समझौते से मार्गदर्शन लेते हुए बाल अधिकारों को चिरंतन नैतिक सिद्धांतों और बच्चों के प्रति व्यवहार के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के रूप में स्थापित करने के लिए सदैव प्रत्यनशील रहता है।

अपनी स्थापना के बाद के इन 79 वर्षों में यूनिसेफ ने दुनियाभर में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। विश्वभर में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कल्याण और विकास के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए ही यूनिसेफ को वर्ष 1965 में नोबेल शांति पुरस्कार, वर्ष 1989 में इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार तथा वर्ष 2006 में प्रिंस ऑफ अस्तुरियस अवार्ड जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है। नोबेल पुरस्कार दिए जाने के बाद वैश्विक स्तर पर यूनिसेफ का कार्य और तेज हो गया। आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो यूनिसेफ की शिक्षा इकाई के कारण ही वर्ष 2006 तक विश्वभर में करीब 12 मिलियन बच्चे पढ़ाई के लिए स्कूल वापस जा सके। बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए यूनिसेफ आपात स्थितियों में कार्रवाई करता है और युद्ध, आपदा, घोर गरीबी, हर प्रकार की हिंसा और शोषण तथा विकलांगता से पीड़ित सर्वाधिक वंचित बच्चों के लिए विशेष संरक्षण सुनिश्चित करने के प्रति संकल्पबद्ध है। यह बच्चों को पहला अधिकार दिलाता है और वंचित बच्चों तथा उनके परिवारों के लिए उपयुक्त नीतियां बनवाने और सेवाएं प्रदान करने की देशों की क्षमता का निर्माण करता है।

1946 में यूनिसेफ की स्थापना द्वितीय युद्ध में प्रभावित बच्चों की सुरक्षा के उद्देश्य से ही की गई थी लेकिन अब यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण के लिए कार्यरत है। वर्तमान में यूनिसेफ के कार्यकर्ता दुनियाभर के 190 से भी अधिक देशों में बच्चों के कल्याण के लिए निरन्तर कार्य कर रहे हैं। भारत में इस संस्था ने वर्ष 1949 में कार्य करना प्रारंभ किया था और अब हमारे यहां यह नई दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम, उड़ीसा इत्यादि राज्यों में कार्य कर रही है। बाल विकास और पोषाहार, बाल संरक्षण, शिक्षा, बाल पर्यावरण, पोलियो उन्मूलन, प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य, बच्चे और एड्स, सामाजिक नीति, नियोजन, निगरानी एवं मूल्यांकन, हिमायत और भागीदारी, आचरण परिवर्तन संदेश, आपात स्थिति तैयारी और कार्रवाई जैसे क्षेत्रों पर यूनिसेफ का मुख्य फोकस रहता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग के अलावा यूनिसेफ द्वारा दुनियाभर में मौजूद अनेक स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के साथ मिलकर बच्चों को पानी, स्वच्छता, इंफेक्शंस आदि के लिए कैंपेन चलाए जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की इस संस्था द्वारा प्रतिवर्ष दुनियाभर में नवजात बच्चों के टीकाकरण के लिए तीन बिलियन से भी अधिक टीके प्रदान किए जाते हैं। यूनिसेफ की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण हेतु कार्य के दौरान किसी भी प्रकार के जाति, धर्म, राष्ट्रीयता, राजनीतिक विचारधारा इत्यादि के आधार पर भेदभाव नहीं करती। यह संस्था 49 से भी अधिक देशों में एचआईवी/एड्स से बचाव की लड़ाई में निरन्तर कार्यरत है। यूनिसेफ का 36 सदस्यों का कार्यकारी दल इसके कार्यों की देखरेख करता है, इसकी नीतियां बनाता है तथा यूनिसेफ के वित्तीय एवं प्रशासनिक योजनाओं से जुड़े कार्यक्रमों को स्वीकृति प्रदान करता है। यूनिसेफ का अधिकांश कार्यक्षेत्र 190 देशों अथवा क्षेत्रों में मौजूद है। 150 से अधिक देशों के कार्यालय, मुख्यालय और यूनिसेफ के नेटवर्क से जुड़े अन्य कार्यालय तथा 34 राष्ट्रीय समितियां मेजबान सरकारों के साथ विकसित कार्यक्रमों के माध्यम से यूनिसेफ के मिशन को पूरा करते हैं। सात क्षेत्रीय कार्यालय आवश्यकतानुसार सभी देशों में स्थित कार्यालयों को तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं। वर्तमान में यूनिसेफ फंड एकत्रित करने के लिए विश्वस्तरीय एथलीट और टीमों की सहायता लेता है। इस संस्था का वित्त पोषण विभिन्न सरकारों तथा निजी दानदाताओं द्वारा किया जाता है। संस्था के संसाधनों का दो-तिहाई योगदान विभिन्न देशों की सरकारें करती हैं और शेष योगदान निजी समूहों तथा व्यक्तियों द्वारा राष्ट्रीय समितियों के माध्यम से किया जाता है। यूनिसेफ के लक्ष्यों की एक लंबी सूची है, जिसमें न्यूनतम-लागत हस्तक्षेप के माध्यम से लाखों बच्चों के जीवन को बचाने, बच्चों के अवैध व्यापार और शोषण को रोकने तथा मां-बच्चे के बीच एचआईवी/एड्स के संक्रमण को समाप्त करने में सहायता करना शामिल हैं। अनुमान लगाया जाता रहा है कि यूनिसेफ के राजस्व का करीब 92 फीसदी हिस्सा सेवा कार्यक्रमों के लिए वितरित कर दिया जाता है। वर्तमान में यूनिसेफ द्वारा बच्चों का विकास, बुनियादी शिक्षा, लड़िकयों की शिक्षा सहित लिंग के आधार पर समानता, बच्चों का हिंसा से बचाव, शोषण, बाल-श्रम के विरोध में, एचआईवी/एड्स, बच्चों के अधिकारों के वैधानिक संघर्ष इत्यादि के लिए सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। यूनिसेफ इस बात में विश्वास रखता है कि बच्चों का पोषण और देखभाल करना मानव प्रगति की आधारशिला है और उसका मानना है कि अगर दुनिया में फैली असमानता को मिटाया नहीं गया तो वर्ष 2030 तक लगभग 167 मिलियन बच्चे भीषण गरीबी में जीवन जीने को मजबूर होंगे। दरअसल माना जा रहा है कि 2030 तक पांच वर्ष से कम आयु के करीब 19 मिलियन बच्चों की विभिन्न कारणों से मौत हो जाएगी और करीब 60 मिलियन बच्चे प्राथमिक शिक्षा से वंचित हो जाएंगे। रूस-यूक्रेन और इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध ने इन चुनौतियों को और बढ़ाया है। ऐसे में बच्चों के कल्याण और सर्वांगीण विकास के लिए कार्यरत यूनिसेफ से उम्मीदें काफी बढ़ जाती हैं, जिसकी नीति है कि कोई अन्य विकल्प नहीं होने पर ही अनाथालयों को केवल बच्चों के लिए अस्थायी आवास के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। दरअसल यूनिसेफ बच्चों के लिए स्थायी अनाथालयों के बड़े पैमाने पर निर्माण का विरोध करता रहा है। उसका कहना है कि जहां तक संभव हो, परिवारों और समुदायों में ही बच्चों के लिए स्थान खोजने अर्थात उन्हें गोद देने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यूनिसेफ अनाथ बच्चों को विदेशी माता-पिता को गोद देने के बजाय स्वदेश में ही बच्चों की देखभाल करने पर जोर देता रहा है।

भारत-रूस की मित्रता लाएगी वैश्विक शांति

विकेश कुमार बडोला

पुतिन-मोदी की अध्यक्षता में संपन्न 23वें भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य तथा भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रेस भेंटवार्ता से स्पष्ट है कि दोनों देश अब आगे भविष्य में सामरिक संबंधों के साथ-साथ आर्थिक-व्यापारिक संबंधों को भी शक्तिसंपन्न करने हेतु संकल्पबद्ध हैं।

दो दिवसीय यात्रा पर भारत पधारे रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन का न केवल भारतीय शासन ने अत्यंत गरिमामयी ढंग से राजकीय सम्मान किया, अपितु देश के लोगों में भी उनके आगमन से अपार हर्ष है। पुतिन की इस यात्रा द्वारा दोनों देशों के ऐतिहासिक पारस्परिक संबंधों को एक नया विश्वसनीय आयाम प्राप्त हुआ है। हालांकि भारत-रूस के संबंध गत नौ-दस दशकों से विभिन्न क्षेत्रों में परस्पर विश्वास तथा सहायता पर आधारित ही रहे हैं, किंतु गत एक दशक में विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की एक नवायामी दिशा परिलक्षित होती हुई दिखाई दे रही है। इससे विश्व के देशों की नई शक्ति श्रेणी निर्धारित हो रही है। अमेरिका, चीन तथा यूरोपीय देशों की अहितकारी गुप्त नीतियों को भारत-रूस की मैत्री से कठिन चुनौतियां मिल रही हैं। संभवतः विश्व में भारत एवं रूस ही ऐसे दो देश हैं, जिनका संबंध-संयोजन स्वार्थ की भेंट नहीं चढ़ा। इनके मध्य उपभोक्ता उत्पादों के व्यापार में अधिक भागीदारी न होने के बाद भी, दोनों ही राष्ट्रों ने इस कारण कभी एक-दूसरे के प्रति हीनता, अनादर की भावना नहीं रखी।

इसके विपरीत भूराजनीतिक, आर्थिक, युद्धक एवं अन्य संकटों की समयावधि में दोनों ही देशों ने एक-दूसरे की बढ़चढ़ कर सहायता की है, और अभी पुतिन की इस यात्रा के बाद तो सुनिश्चित होता दिख रहा है कि दोनों देश परस्पर विश्वास, सहायता एवं समर्पण की परिधि को सुदृढ़तापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए सदैव कटिबद्ध रहेंगे। पुतिन ने इससे पहले सन् 2000, 2012, 2014, 2018, 2021 में पांच बार भारत की यात्रा की है। कोरोना काल के बाद उनकी यह पहली भारतीय यात्रा है। हालांकि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्तारूढ़ होने के बाद सात बार रूस की यात्रा की है, किंतु गत सितंबर में चीन के तियानजिन में एससीओ शिखर वार्ता में रूस के साथ द्विपक्षीय वार्ता के समय दोनों राष्ट्राध्यक्षों के मध्य पुतिन की कार में बैठकर परस्पर व गुप्त संवाद करने का जो चित्र-चलचित्र प्रसारित हुआ था, उससे भलीभांति अवगत हो गया था कि विश्व, विशेषकर दक्षिण एशिया में अमेरिकी कूटनीतिक प्रसारण पर प्रतिबंध हेतु अधि संभवतः रूस-भारत तथा कम संभावित रूप में रूस-भारत-चीन के बीच एक नई वैश्विक राजनीतिक समझ विकसित होने लगी है। पुतिन की भारत यात्रा की समयावधि में यह पहली बार है कि दोनों देशों की ओर से रक्षामंत्रियों, विदेशमंत्रियों एवं सुरक्षा सलाहकारों के स्तर पर टू प्लस टू वार्ता का आयोजन किया गया।

पुतिन-मोदी की अध्यक्षता में संपन्न 23वें भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य तथा भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रेस भेंटवार्ता से स्पष्ट है कि दोनों देश अब आगे भविष्य में सामरिक संबंधों के साथ-साथ आर्थिक-व्यापारिक संबंधों को भी शक्तिसंपन्न करने हेतु संकल्पबद्ध हैं। दोनों नेताओं की भेंटवार्ताओं से भारत-रूस की कार्यनीतिक सहभागिता को नवदिशा प्राप्त हुई है। हालांकि दोनों ही देशों के मध्य सोवियत संघ के अस्तित्व के समय से ही द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश समझौतों का दीर्घकालिक दृढ़ संबंध रहा है, किंतु विगत कुछ वर्षों में दोनों का द्विपक्षीय व्यापार इनके आर्थिक समन्वयन के साथ नवशिखर तक पहुंचा है। सोवियत संघ के विघटन पर रूस की उत्पत्ति के बाद रूस-भारत का द्विपक्षीय व्यापार 1.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में वर्ष 2024-25 के वित्तीय वर्ष में 68.7 बिलियन डालर तक पहुंच चुका है, और अब इस शिखर वार्ता के उपरांत द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। जहां पुतिन ने भारत को निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति करते रहने का आश्वासन दिया है, वहां दोनों देशों ने निवेश अनुबंधों के अंतर्गत भारतीय कंपनियों को रूस के तेल एवं गैस, औषधि व सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, तो रूसी कंपनियों को भारत के ऊर्जा, अवसंरचना निर्माण तथा विनिर्माण क्षेत्रों में पहले से अधिक निवेश करने के लिए प्रेरित किया है। वार्ता में ऐसे ही विभिन्न कार्यक्षेत्रों सहित निर्बाध एवं सुगम पारस्परिक प्रवासन व गतिशीलता के 16 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग अधिक बढ़ेगा। शिखर वार्ता में यह संभावना प्रकट की गई है कि द्विपक्षीय सहयोग पर आधारित औषधीय उद्योग द्वारा स्वास्थ्य सुरक्षा बढ़ेगी तथा नवीन उद्योग विकसित होंगे। चूंकि जहां एक ओर, भारत में प्राकृतिक फाइबर, कारपेट से लेकर तकनीक आधारित वस्त्रोत्पादन की प्रचुरता, उपलब्धता है, और साथ ही साथ इनकी अभिकल्पना, कारीगरी में भी वैश्विक उपस्थिति है, वहीं दूसरी ओर रूस पॉलिमर और सिंथेटिक कच्ची सामग्री का एक बड़ा उत्पादक है। अतः दोनों देश एक साथ एक स्थायी व लाभकारी वस्त्र कारोबार कर सकते हैं। व्यापार में घनिष्ठता बढने् पर दोनों देश उर्वरक, सिरेमिक, सीमेंट, विनिर्माण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग करते हुए नए आर्थिक आयाम प्राप्त कर सकते हैं। पुतिन ने ब्रिक्स संगठन को सशक्त करने में भारत-रूस के सहयोग पर भी ध्यानाकृष्ट किया। दोनों नेताओं ने आतंकवाद के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की अपनी-अपनी राष्ट्रीय कार्यनीति का भी समर्थन किया। भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर तटस्थ बने रहने के आरोप का खंडन करते हुए स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी भी देश की संतुलित प्रगति में सबसे बड़ा बाधक है, अतः रूस-यूक्रेन ही नहीं, अपितु विश्व में कहीं किन्हीं देशों के बीच युद्ध होना ही नहीं चाहिए।

भारत-रूस के दृढ़ संबंधों में अधिक सुदृढ़ता, डेमोक्रेट्स के राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में अमेरिका तथा अमेरिका के नेतृत्व में यूरोपीय देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने के बाद, पनपी है। यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझे हुए रूस के बारे में अमेरिका, यूरोपीय देशों से लेकर अन्य देशों ने वैरभाव पाल लिया है। ये देश यूक्रेन की संप्रभुता, स्वायत्तता तथा शोषण के लिए तो रूस का विरोध अवश्य करते रहे हैं और निरंतर कर रहे हैं, किंतु साथ ही रूसी संप्रभु, स्वायत्त एवं राष्ट्रीय अधिकारों की उपेक्षा भी कर रहे हैं। अमेरिका ने तो रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत पर व्यापार शुल्क में अतिशय वृद्धि कर दी थी। किंतु चीन, स्वयं कुछ यूरोपीय देशों तथा यहां तक कि अमेरिका ने भी अपने आर्थिक-व्यापारिक हितों के लिए रूस से कच्चा तेल सहित अन्य निर्मित व अर्द्धनिर्मित खनिजों की खरीददारी जारी रखी है। इन विरोधाभासों के बीच भारत-रूस ने पारस्परिक संबंधों, मैत्री तथा विश्वास को गहरा करने पर ही अपना ध्यान केंद्रित रखा। रूस पर अमेरिका तथा यूरोपीय देशों के प्रतिबंध से उत्पन्न व्यापारिक-आर्थिक संकट में भारत ने मित्रता का कर्तव्य निभाते हुए वर्ष 2021 से लेकर 2024 तक बड़ी मात्रा में रूसी कच्चा तेल खरीदा, अपने संशोधन संयंत्रों में उसे खपतयोग्य सीमा तक संशोधित किया तथा वापस यूरोपीय देशों और यहां तक कि यूक्रेन को भी बेचना आरंभ कर दिया। रूस-भारत के इस व्यापारिक सहसंबंध के कारण भारत की अर्थव्यवस्था को पंख लग गए।

आप की बात

वैश्विक मंच पर भारतीय संस्कृति का स्वर्णिम अध्याय

दीपावली को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में जगह मिल गई। दीपावली राम राज्य यानी सुशासन का एक महान उत्सव है। आज इस ख्याति और उपलब्धि से हर भारतीय धन्य है। प्रकाश का उत्सव दीपावली भारत के उन चिरस्थायी त्यौहारों में से एक है जो अब दुनिया के कई अन्य हिस्सों में भी मनाया जाता है। दीपावली बेहद भावनात्मक त्यौहार है। भारत की इस प्राचीन परंपरा को पीढ़ियों से हम आत्मसात करते आए हैं। यह सम्मान भारत की सांस्कृतिक प्रतिष्ठा को मजबूत करता है और भारत के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है और हर भारतवासी के लिए वैश्विक मंच पर भारतीय संस्कृति का स्वर्णिम अध्याय है। धर्म ध्वजा फहराए जाने के बाद हम सभी के लिए एक नया गौरव का क्षण आया है और राम राज्य की राह भी दिखने लगी है।

राजेश लखनऊ

समस्याओं से पार पाना है तो सजग रहिए सब कुछ सरकार पर ही मत छोड़िए

सरकार गली-कूचे में क्या कुछ जनसमस्याएं हैं, इसको लेकर कुछ कर नहीं सकती। इसकी वजह भी है और इसकी जिम्मेदारी के लिए प्रशासन स्तर पर तंत्र भी विकसित है लेकिन फिर भी लोगों को तमाम समस्याओं से दो-चार होना पड़ रहा है। अब ऐसे में निचले स्तर की जिम्मादारी तय होनी चाहिए और साथ ही उसकी जवाबदेही भी। लेकिन ऐसा होता नहीं, अफसरान किसी आम आदमी की सुनते नहीं और जनप्रतिनिधि भी कमाल के हैं। उनका मकसद आप बस उनके वोटर बने रहें। आम आदमी क्या झेल रहा है और कैसे गुजर-बसर कर रहा है उनका इससे कुछ लेना देना नहीं। इसके साथ ही सबसे अहम िजिम्मदारी हम उन लोगों की बनती है जो समस्याओं से घिरे हुए हैं। आपसी सहयोग और जन सहभागिता अगर हो तो कोई भी दिक्कत आपके लिए पहाड़ नहीं हो सकती। बावजूद इसके सरकार और शासन प्रशासन को इतनी बेरुखी नहीं दिखानी चाहिए। व्यवस्था एसी हो कि किसी भी समस्या को लेकर आम आदमी जब चाहे अपनी बात सरकार तक पहुंचा सके। खास तौर पर नागरिक सुविधाओं से जुड़े तंत्र सक्रि य और सतर्क हो और प्रशासन उनकी निरंतर मानीटरिंग करता रहे। दूसरी ओर आम नागरिकों को भी सजग होना पड़ेगा ताकि किसी भी मुद्दे पर अगर दस्तक दी जाए तो उसकी आवाज सरकारी तंत्र तक जरूर पहुंचे। अगर वीआईपी और खास इलाकों को छोड़ दिया जाए तो समस्याएं इतनी हैं कि फेहरिस्त छोटी पड़ जाए। ऐसे में खुद सजग होकर सरकारी तंत्र को सतर्क रखना होगा और तभी रोज की दिक्कतों से आप पार पा सकते हैं।

सनी सिंह, लखनऊ

गुलदस्ते छोड़ो, फल थमाओ

एक सेब रोज़ डॉक्टर को दूर रखता है, लेकिन मध्य प्रदेश के 50 लाख बच्चे पाँचवीं तक सेब तक नहीं देख पाते। दूध दूर की बात, अंजीर तो उनके लिए किसी परग्रह की चीज़ है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भोपाल में यह कड़वा सच उजागर किया और पूछा झ ''इन बच्चों को पौष्टिक भोजन कौन देगा?'' यह कोई आंकड़ा नहीं, यह पूरे राज्य के भविष्य पर ग्रहण है। भूखा दिमाग किताबें नहीं, रोटी खोजता है। कुपोषित शरीर क्लास में टिकता नहीं, सपने देखने की ताकत खो देता है। मिड-डे मील है, पर घर में रात का खाना नहीं। योजना है, पर पेट भरने की गारंटी नहीं। श्री प्रधान का सुझाव क्रांतिकारी है झ भंडारे कराने वाले नेता हफ्ते में एक दिन बच्चों को काजू, बादाम, बेसन के लड्डू बाँटें। गुलदस्ते छोड़ें, फल थमाएँ। यदि हर विधायक, सांसद, पंच-सरपंच अपने क्षेत्र के 500 बच्चों को हर महीने एक किलो फल-मेवा दें, तो लाखों बच्चे कुपोषण की जंजीर तोड़ सकते हैं। सेब का एक टुकड़ा कलाम बनने की पहली सीढ़ी हो सकता है। समय है गुलदस्ते फेंकने और फल थमाने का, क्योंकि भूखे बच्चे से बड़ा राष्ट्रद्रोह कोई नहीं।

प्रो. आरके जैन ''अरिजीत'', बड़वानी (मप्र)

बच्चों के कल्याण की उम्मीदें

विकासशील देशों में बच्चों और महिलाओं की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए 1950 में यूनिसेफ के दायरे को विस्तारित किया गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बाल अधिकारों के संरक्षण की हिमायत करने, उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में मदद देने तथा उनकी प्रतिभा के पूर्ण विकास के अवसरों का विस्तार करने का दायित्व यूनिसेफ को सौंपा गया है, जो बाल अधिकार समझौते से मार्गदर्शन लेते हुए बाल अधिकारों को चिरंतन नैतिक सिद्धांतों और बच्चों के प्रति व्यवहार के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के रूप में स्थापित करने के लिए सदैव प्रत्यनशील रहता है। 11 दिसंबर वह अहम दिन जब इस मुद्दे पर विस्तार से मंथन करने की जरूरत है। यूनिसेफ ने दुनियाभर में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। विश्वभर में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कल्याण और विकास के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए ही यूनिसेफ को कई सम्मान मिल चुके हैं। ऐसे में इन उपलब्धियों से अब बच्चों के कल्याण को लेकर चल रहे प्रयासों को बल मिला है।

अंकित भोपाल

पाठकगण अपने विचार responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भेज सकते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कैबिनेट बैठक में 19 प्रस्तावों पर लगाई मुहर

अब कृषि जमीन पर भी बना सकेंगे रिजॉर्ट

- छोटे अपराधों में सजा को लेकर बदलाव, जेल की जगह जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

उत्तराखंड सचिवालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट बैठक हुई। बैठक में 19 प्रस्तावों पर मंत्रिमंडल ने अपनी मुहर लगाई। जिसमें ऊर्जा विभाग, वित्त विभाग, पीडब्ल्यूडी विभाग कृषि विभाग, उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा नियोजन विभाग और तकनीकी विभाग से संबंधित प्रस्ताव शामिल थे। धामी कैबिनेट ने नियोजन विभाग के प्रस्ताव पर एक नए एक्ट जन विश्वास एक्ट को मंजूरी दी है।

इसके साथ ही साथ उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में रिवर्स पलायन को बढ़ाने के लिए सरकार ने अब कृषि भूमि में रिजॉर्ट बनाने के लिए लैंड यूज बदले बिना रिसोर्ट बनाने संबंधी प्रस्ताव को हरी झंडी दी है। जिसके तहत पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों में भूमि की सीमा को भी घटा दिया है।

वहीं उच्च शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा के तहत मुख्यमंत्री युवा भविष्य निर्माण योजना मंत्रिमंडल की सहमति बनी है। जिसके तहत अब कंपटीशन की तैयारी करने वाले राज्य की संस्थाओं में पढ़ रहे छात्रों को फ्री कोचिंग की सुविधा दी जाएगी। जिसमें पूरा पाठ्यक्रम डाउनलोड करने की भी व्यवस्था होगी। मुख्यमंत्री सचिव शैलेश बगौली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी इस दौरान प्रमुख सचिव आवास मीनाक्षी सुंदरम, अपर सचिव मीनाक्षी सुंदरम भी रहे मौजूद।

धामी मंत्रिमंडल में इन मुख्य प्रस्तावों पर बनी सहमति

- ऊर्जा विभाग ने मुआवजा राशि में किया इजाफा, 2024 के लिए पिटकुल में बनने वाले टावर और एक मीटर एरिया में मिलेगा दोगुना मुआवजा, लाइन के नीचे खेत की मुआवजा राशि में भी किया गया इजाफा।
- प्लानिंग विभाग के तहत 7 एक्ट को आईडेंटिफाई करते हुए खत्म किया गया और एक नाम दिया गया है जिसका नाम है जन विश्वास एक्ट है, जिसका लिए अब छोटे-छोटे अपराधों में जेल नहीं भेजा जाएगा। पहले छोटे अपराधों में कारावास और अर्थदंड था लेकिन अब अर्थदंड ही रखा गया है जिसके चलते अब अर्थदंड बढ़ाया गया है।
- एफएआर के रेट्स को बढ़ाने की संस्तुति।
- ग्रीन बिल्डिंग के निर्माण को प्राथमिकता पर रखते हुए बढावा दिया जाए, रिसॉर्ट और ईको रिसॉर्ट में एग्रीकल्चर जमीन पर रिसोर्ट बनाने की दी गई अनुमति, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के लिए रोड लेवल पार्किंग पर, मोटल श्रेणी को ड्रॉप किया गया है।
- वित्त विभाग में उत्तराखंड मॉल एवं सेवा अधिनियम में हुआ संशोधन।
- तकनीकि शिक्षा टेक्निकल यूनिवर्सिटी में लोक सेवा आयोग द्वारा शिक्षक की नियुक्ति की जाती थी अब अन्य विश्वविद्यालय की तरह विश्वविद्यालय स्तर पर की जाएगी।
- टाउन प्लानिंग स्कीम और लैंड पुल्लिंग स्कीम पर सरकार करेगी काम, वॉलंटर तरीके से लोग स्कीम में हो सकेंगे शामिल।
- उत्तराखंड माल एवं सेवाकर संसोधन अध्यादेश लाये जाने को मंजूरी।
- पीडब्ल्यूडी में समूह ग में प्रमोशन के लिए रास्ता हुआ साफ।
- नागरिक उड्डयन विभाग में नैनी सैनी हवाई अड्डा पिथौरागढ़ को अब एएआई करेगा संचालित।
- राजस्व विभाग में सितारगंज के कल्याणपुर का 2004 से सर्किल रेट पर पत्ता नियमित होगा।
- घसियारी कल्याणी योजना की सब्सिडी 75% से घटकर 60% की गई।
- नागरिक उद्यान विभाग के तहत नैनी सैनी एयरपोर्ट को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के साथ हुए एमओयू पर कैबिनेट की मुहर।
- पीडब्ल्यूडी विभाग रिसपना और बिंदल रोड पर एलिवेटेड परियोजना में लगने वाले जीएसटी और रॉयल्टी में छूट देने पर मंत्रिमंडल द्वारा दी गई सहमति।
- परिवहन विभाग में एसएससीआई के तहत 15 साल के पुराने स्क्रैप किए जाने पर 50% की छूट वाहन स्वामी को मिलेगी।
- उच्च शिक्षा विभाग में मुख्यमंत्री युवा भविष्य निर्माण योजना बनाई गई, जिसके लिए छात्र एवं छात्राएं उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं उनको ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा दी जाएगी, जिसके लिए संस्था का चयन किया जाएगा।
- माध्यमिक शिक्षा विभाग में भी अब पढ़ रहे हैं 10वीं और 12उनके लिए भी ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा निःशुल्क दी जाएगी।
- भारतीय नागरिक सुरक्षा सुविधा के तहत अभियोजन निदेशक की अनुमति देने पर बनी सहमति, जिला स्तर पर भी जिला निदेशालय बनाया जाएगा, उनका चयन किया जाएगा जिन्होंने 15 वर्ष का कार्य पूरा किया है।

वन्यजीव हमलों पर सरकार गंभीर

हर संभव मदद के लिए तैयार : सीएम धामी

- वन विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी अलर्ट मोड पर कर रहे हैं काम

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

प्रदेश में लगातार बढ़ रहे वन्यजीव हमलों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। हाल के दिनों में सामने आई दर्दनाक घटनाओं पर अब राज्य सरकार गंभीर दिख रही है। सीएम धामी ने कहा कि जंगली जानवरों के हमलों पर सरकार लगातार निगरानी बनाए हुए है और हालात पर पैनी नजर रखी जा रही है। सीएम धामी ने बताया कि वन मंत्री और उच्च अधिकारियों के साथ लगातार बैठकें हो रही हैं। प्रभावित इलाकों में तत्काल टीमें भेजी जा रही हैं और राहत कार्यों को तेज किया गया है।

उन्होंने कहा कि स्थिति, जरूरत और परिस्थिति को देखते हुए सरकार हर तरह की सहायता देने को पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री ने यह भी साफ किया कि वन विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी अलर्ट मोड पर काम कर रहे हैं। जिन लोगों को वन्यजीव हमलों में चोटें आई हैं, उनके इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार उठा रही है। सीएम धामी ने कहा कि यह मुश्किल समय है और सरकार पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है।

रेलवे बनभूलपुरा भूमि प्रकरण पर सुनवाई टली

अब 16 दिसंबर को होगी संभावित सुनवाई

पायनियर समाचार सेवा। हल्द्वानी

रेलवे बनभूलपुरा भूमि अतिक्रमण के मामले में बुधवार को एक बार फिर से सुनवाई नहीं हो सकी। आज सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में सुनवाई होनी थी, लेकिन केस नंबर 23 होने के साथ ही कई अन्य मामलों की सुनवाई लंबी चलने के कारण एवं समय की कमी के चलते रेलवे बनभूलपुरा भूमि प्रकरण मामले में सुनवाई नहीं हो सकी।

अब मामले की अगले सुनवाई 16 दिसंबर संभावित सूचिबद्ध की गई है। बात दें कि इससे पहले 2 दिसंबर को भी किसी कारणवश सुनवाई नहीं हो सकी थी। तब सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार 10 दिसंबर को सुनवाई की तिथि नियत की थी। रेलवे बनभूलपुरा भूमि मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान और न्यायमूर्ति नोंग्मीकाम कोटिश्वर सिंह की तीन सदस्यीय बेंच में होनी थी। लेकिन सूत्रों के अनुसार अन्य मामलों में लंबी दलीलों के कारण समय के अभाव में सुनवाई नहीं हो पाई। इधर, सुनवाई के मद्देनजर बनभूलपुरा क्षेत्र में पुलिस प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था तैनात की। क्षेत्र को संवेदनशील घोषित करते हुए चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बढ़ाई गई है और हर आने-जाने वाले की सघन जांच जारी रही है।

पर्यटकों की कार देर रात अनियंत्रित होकर खाई में गिरी

नैनीताल। नैनीताल जिले के रामगढ़ में यूपी के गाजियाबाद से आए पर्यटकों की एक्सयूवी गाड़ी खाई में जा गिरी। इस दौरान वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं मौके पर पहुंचे एसडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को गाड़ी से सुरक्षित बाहर निकाला। नैनीताल के मल्ला रामगढ़ घूमने आए गाजियाबाद के पर्यटकों की एक्स यूवी 700 गाड़ी मंगलवार देर रात अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। नैनीताल एसडीआरएफ की टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हो गई। एसडीआरएफ टीम की अगुवाई कर रहे सब इंस्पेक्टर मनीष भाकुनी ड्रैगन लाइट व अन्य महत्वपूर्ण उपकरण लेकर खाई में उतरे। मौके पर पाया गया कि वाहन में कुल 7 लोग सवार थे, जिनमें सभी घायल पड़े थे। टीम ने सभी घायलों को सुरक्षित रैस्क्यू कर एम्बुलेंस से रामगढ़ अस्पताल भेजा।

बच्चों समेत 7 लोग थे सवार

उत्तराखंड समेत पूरे हिमालयी क्षेत्र की फसलें, हमारी संस्कृति व पोषण का मजबूत आधार

जलवायु परिवर्तन से विलुप्त होती पारंपरिक फसलें: त्रिवेन्द्र

- संसद में प्रश्नकाल में सरकार का ध्यान किया आकर्षित

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

हरिद्वार सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने जलवायु परिवर्तन, प्रवासन और वाणिज्यिक खेती के कारण पर्वतीय क्षेत्रों की पारंपरिक फसलों के तेजी से विलुप्त होने के गंभीर विषय की ओर आज संसद में प्रश्नकाल में सरकार का ध्यान आकर्षित किया।

उन्होंने केंद्र सरकार से इन फसलों के संरक्षण, पुनर्जीवन और बाजार से जोड़ने संबंधी राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी नीति एवं ठोस कदमों की जानकारी मांगी। रावत ने यह जानना चाहा कि क्या सरकार को पता है कि जलवायु परिवर्तन और प्रवासन के कारण कई पहाड़ी फसलें विलुप्ति के कगार पर हैं?, आईसीएआर और नेशनल जीन बैंक ने ऐसी किस्मों के संरक्षण और पुनर्प्रचलन के लिए क्या कार्यवाही की है?, क्या पोषक तत्वों से भरपूर 'विलुप्त प्राय' फसलों के संवर्धन हेतु कोई विशेष कार्यक्रम प्रस्तावित है? और बीज बैंकों, प्रसंस्करण सुविधाओं और बाजार उपलब्धता के माध्यम से इन फसलों को दोबारा लोकप्रिय बनाने के लिए सरकार क्या कदम उठाएगी? इसपर कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने अपने लिखित उत्तर के जवाब में अवगत कराया कि आईसीएआर और नेशनल जीन बैंक ने 1,00,086 विलुप्त या संकटग्रस्त किस्मों का संरक्षण, दस्तावेजीकरण और पुनर्प्रचलन किया है। इनमें 85,587 भू-प्रजातियां और 14,499 पारंपरिक कृषक किस्में शामिल हैं। सरकार पोषक तत्वों से भरपूर मिलेट, छद्म-अनाज और औषधीय पौधों के संरक्षण एवं प्रसार को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है।

विपणन सहायता को और सुदृढ़ करना समय की आवश्यकता

रावत ने सवाल उठाते हुए कहा कि उत्तराखंड एवं पूरे हिमालयी क्षेत्र की पारंपरिक फसलें केवल कृषि नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर, पोषण सुरक्षा और स्थानीय जैव-विविधता का आधार हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते इनका तेजी से गायब होना गंभीर चिंता का विषय है। संरक्षण, बीज बैंकिंग, प्रसंस्करण और विपणन सहायता को और सुदृढ़ करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने सरकार द्वारा किए जा रहे संरक्षण प्रयासों की सराहना करते हुए यह भी कहा कि मिलेट, छद्म-अनाज और औषधीय फसलों को मुख्यधारा में लाने के लिए और व्यापक कार्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए।

व्यावसायिक होर्डिंग हाईवे और राज्य मार्गों से हटाने के निर्देश

- कुमाऊं कमिश्नर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नैनीताल

कुमाऊं कमिश्नर, सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत ने मण्डल के सभी जिलाधिकारियों के साथ पुलिस, वन, परिवहन, सड़क निर्माण सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि राष्ट्रीय राजमार्गों सहित विभिन्न सड़क मार्गों पर बिना अनुमति के व्यवसायिक विज्ञापन संबंधित होर्डिंग्स आदि लगाई गई हैं।

जो सडक सुरक्षा की दृष्टि से हानिकारक है, इनसे वाहन दुर्घटनाओं की भी संभावना बनी रहती है। कमिश्नर ने बुधवार को निरीक्षण करते हुए इन्हें तत्काल हटाए जाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही कमिश्नर ने हल्द्वानी, नैनीताल एवं हल्द्वानी-भीमताल मार्ग पर बिना अनुमति के व्यवसायिक विज्ञापन बहुतायत संख्या में पाये जाने पर भी कडी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा राष्ट्रीय राजमार्गों पर बड़े और चमकदार व्यावसायिक विज्ञापन से संबंधित लगाई गई होर्डिंग्स आदि, चालकों का ध्यान भटकाते हैं जिससे वाहन दुर्घटना की सम्भावना बनी रहती है। जो सडक सुरक्षा के लिए हानिकारक भी है इससे यातायात नियमों का उल्लंघन भी होता है।

विश्व शौचालय दिवस

सामुदायिक शौचालयों के अच्छे प्रबंधन के लिए घूनी, हाट व सरपाणी ग्राम पंचायतें सम्मानित

- ग्राम प्रधानों को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। गोपेश्वर

विश्व शौचालय दिवस 2025 के मौके पर स्वजल परियोजना की ओर बुधवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सामुदायिक शौचालय कार्यक्रम के तहत चयनित चमोली जनपद की 3 ग्राम पंचायतों को मुख्य विकास अधिकारी डॉ.अभिषेक त्रिपाठी की ओर से सम्मानित किया गया।

चमोली जनपद में सामुदायिक शौचालय कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत घूनी, हाट और सरपाणी के शौचालयों का प्रबंधन मानकों के अनुरूप पाया गया। जिसके चले विश्व शौचालय दिवस के कार्यक्रम में तीनों ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को व्यक्तिगत श्रेणी में स्वीकृत शौचालयों के स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने इस दौरान सामुदायिक शौचालयों की उपयोगिता और रख रखाव के विषय में भी विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी केके पंत भी मौजूद थे।

होटल के कमरे में संदिग्ध हालात में मिला युवक का शव

चंपावत। शहर के एक होटल के कमरे में बुधवार को संदिग्ध परिस्थितियों में सिप्टी सैंदर्क निवासी 47 वर्षीय व्यक्ति मृत अवस्था में मिला। जानकारी के अनुसार, कमरे का दरवाजा लंबे समय तक नहीं खुलने पर होटल स्वामी ने खिड़की से झांककर देखा तो बाथरूम में व्यक्ति गिरा हुआ दिखाई दिया।

जिस पर तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर कोतवाली प्रभारी देवनाथ गोस्वामी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। अंदर बाथरूम में नवीन रैंसवाल (पुत्र रंजीत सिंह), उम्र 47 वर्ष, निवासी सिप्टी सैंदर्क मृत अवस्था में पाया गया।कमरे से एक आधी शराब की बोतल भी बरामद हुई है। फॉरेंसिक टीम ने होटल के कमरे से साक्ष्य जुटाए हैं। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में होटल के कमरे में मृत मिली महिला

पायनियर समाचार सेवा। हल्द्वानी

हल्द्वानी शहर में रोडवेज के पास स्थित तिवारी होटल में बुधवार को एक महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया। महिला मंगलवार शाम को होटल में ठहरी थी, लेकिन सुबह जब वह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं निकली, तो होटल मालिक ने कमरे में आवाज लगाई। कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचना दी। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि सुबह करीब 11 बजे पुलिस को 112 सेवा से सूचना मिली कि तिवारी होटल का एक कमरा अंदर से बंद है और भीतर रुकी महिला जवाब नहीं दे रही है।

सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। काफी देर तक आवाज लगाने के बाद भी जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो गवाहों की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा गया। अंदर प्रवेश करने पर बेड पर एक महिला का शव पड़ा मिला। पुलिस के अनुसार महिला की पहचान रेखा जुहूवाला निवासी हीरा डूंगरी, थाना कोतवाली, अल्मोड़ा के रूप में हुई है। परिजनों को इसकी जानकारी दे दी गई है।

मौके पर फोरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया गया। साथ ही पुलिस होटल के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है ताकि महिला की होटल में एंट्री से लेकर आखिरी गतिविधि तक का क्रम समझा जा सके। एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने बताया कि कमरे में किसी भी तरह के संदेहास्पद निशान नहीं मिले हैं, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि यह आत्महत्या है या हत्या। मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही हो पाएगी।

बीस सूत्री कार्यक्रम एवं कार्यान्वयन समिति की बैठक

अधिकारियों को प्रगति रिपोर्ट नियमित अपडेट करने निर्देश

- लाभार्थी सर्वेक्षण तेज करने के भी दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। गोपेश्वर

राज्य स्तरीय बीस सूत्री कार्यक्रम एवं कार्यान्वयन समिति की समीक्षा बैठक उपाध्यक्ष ज्योति प्रसाद गैरोला की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा बीस सूत्री कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। उपाध्यक्ष गैरोला ने विभागवार उपलब्धियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य अनुसार कार्य करने तथा सभी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को प्राथमिकता देने के साथ-साथ कार्यों में नवाचार लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि बीस सूत्री कार्यक्रम सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है, इसलिए सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध रूप से प्राप्त हो। बैठक में गरीबी उन्मूलन, कृषि एवं सिंचाई, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन, जल जीवन मिशन, पीएम आवास योजना सहित अन्य बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। उपाध्यक्ष ज्योति प्रसाद गैरोला ने बैठक में विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जल निगम एवं जल संस्थान के अधिकारियों को जनपद में पेयजल से जुड़ी समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने तथा अधिक से अधिक लोगों को जिला अस्पताल व ब्लॉक स्तर पर प्रभावी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉ अभिषेक त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी केके पंत, अपर सांख्यिकी अधिकारी अरविंद कुमार, शोध अधिकारी सुरेश कुमार गोयल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी अभिषेक गुप्ता सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

सत्यापन कार्यों की स्थिति का भी लिया संज्ञान

किसानों, महिलाओं, युवाओं एवं वंचित वर्गों के हित में संचालित कार्यक्रमों को अभियान मोड में प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, ताकि जिले की समग्र विकास स्थिति और बेहतर हो सके। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को प्रगति रिपोर्ट नियमित अपडेट करने, लाभार्थी सर्वेक्षण तेज करने तथा विभागों के बीच समन्वय मजबूत करने के भी निर्देश दिए। इस दौरान जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी विनय जोशी ने बताया कि जनपद में बीस सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 43 मदें संचालित हैं, जिनमें 40 रैंकिंग तथा 3 नॉन-रैंकिंग श्रेणी की हैं। उनके द्वारा सभी संबंधित विभागों की अप्रैल से अक्टूबर अवधि की प्रगति से उपाध्यक्ष को अवगत करवाया गया साथ ही, बीस सूत्रीय टास्क फोर्स सत्यापन के अंतर्गत किए जाने वाले विभिन्न सत्यापन कार्यों की स्थिति भी उपाध्यक्ष महोदय के संज्ञान में लाई गई।

बर्फबारी से पहले केदारनाथ में तेजी से चल रहा पुनर्निर्माण का कार्य

- सभी कार्यों को पूरा करने में 50 से अधिक मजदूर प्रतिदिन कर रहे काम

पायनियर समाचार सेवा। रुद्रप्रयाग

केदारनाथ मंदिर के कपाट बंद होने के बाद जहां तीर्थ यात्रियों का आना-जाना पूरी तरह थम गया है, वहीं हिमालय की जमा देने वाली ठंड के बीच धाम में पुनर्निर्माण कार्य लगातार गति पकड़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के दूसरे चरण के अंतर्गत केदारनाथ में कई विकास और सौंदर्यीकरण कार्य तेजी से जारी हैं।

धाम में ट्रैक रूट का निर्माण, विभागीय आवास, एचटीटीपी, मंदाकिनी-सरस्वती नदी संगम का सौन्दर्यीकरण, मंदिर के पीछे शिव उद्यान पार्क और नए शौचालयों का निर्माण इन सभी कार्यों को पूरा करने में 50 से अधिक मजदूर प्रतिदिन जुटे हुए हैं। जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने बताया कि लक्ष्य यह है कि भारी बर्फबारी शुरू होने से पहले अधिकतम कार्यों को पूरा कर लिया जाए। दिसंबर पूरे महीने पुनर्निर्माण गतिविधियां जारी रहेंगी।

पुराना गरुड़ चट्टी पैदल मार्ग का फिर हो रहा पुनर्निर्माण

वर्ष 2013 की आपदा में क्षतिग्रस्त हुए पुराने गरुड़ चट्टी पैदल मार्ग का भी पुनर्निर्माण कार्य चल रहा है। इस मार्ग पर 150 मजदूर लगातार काम कर रहे हैं। डीएम जैन के अनुसार, यह मार्ग 2026 यात्रा सीजन के अंत तक तैयार हो जाएगा। मार्ग तैयार होने के बाद घोड़े-खच्चरों और पैदल यात्रियों के लिए अलग-अलग रास्ते उपलब्ध हो जाएंगे, जिससे यात्रा मार्ग सुगम और सुरक्षित बन जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि नए मार्ग के तैयार होने से यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी और यात्रा का अनुभव अधिक सहज होगा।

कमिश्नर और डीएम ने एसआईआर कार्य का किया निरीक्षण

मतदाता सूची के शुद्धिकरण पर जोर

- समयबद्ध कार्य के अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश
- मतदाताओं से अपील, शीघ्र फार्म जमा करें

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर

विधान सभा निर्वाचन के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत मंडलायुक्त सहारनपुर मंडल डॉ. रुपेश कुमार ने सदर विधानसभा क्षेत्र के मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज और पुरुषार्थी पब्लिक स्कूल में मतदाता सूची के अद्यतन स्थिति और प्रगति का स्थलीय निरीक्षण किया।

वहीं जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं एडीएम फाइनेंस गजेंद्र सिंह ने पुरुषार्थी पब्लिक स्कूल स्थित नामांकन केंद्र का निरीक्षण किया और बीएलओ व सुपरवाइजरों से कार्य प्रगति की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने एसआईआर हेल्प डेस्क का भी अवलोकन किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि हेल्प डेस्क पर आने वाले सभी नागरिकों की समस्याओं का समाधान करते हुए उनका एसआईआर फॉर्म शीघ्र भरवाया जाए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि जिन मतदाताओं के गणना प्रपत्र अब तक जमा नहीं हुए हैं, उनके घर जाकर फॉर्म जमा कराया जाए और सभी मतदाता अंतिम तिथि का इंतजार न करें। जिलाधिकारी ने बीएलओ और सुपरवाइजरों से मतदाता सूची में दावे-आपत्तियों, नामजदगी और सुधार संबंधी फॉर्म की स्थिति का विवरण लिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल किए जाएं और अपात्र नामों को नियमानुसार हटाया जाए। एडीएम फाइनेंस ने अभिलेखों की जांच कर बीएलओ को निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंडलायुक्त और जिलाधिकारी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत गणना प्रपत्रों के संग्रहण, फिजिकल वेरिफिकेशन और ऑनलाइन एंट्री प्रक्रिया का निरीक्षण किया।

अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि कार्य में तेजी लाते हुए समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से सभी कार्य संपन्न कराए जाएं, ताकि आगामी चुनाव प्रक्रिया में किसी भी तरह की व्यवधान न आए। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गजेंद्र कुमार, नगर मजिस्ट्रेट पंकज राठौर, संबंधित बीएलओ, पर्यवेक्षक और स्कूल प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

हॉर्न बजाने को लेकर दो समुदायों में भिड़ंत

खतौली। बुधवार दोपहर जीटी रोड स्थित पटेल मूर्ति के समीप नई आबादी मोड़ पर उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब कार का हॉर्न बजाने को लेकर दो समुदायों के लोगों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। आरोप है कि इसी दौरान भाजपा नेता के पुत्र ने कार पर ईंट मारकर शीशा तोड़ दिया। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिसके बाद पुलिस को लाठी फटकारकर भीड़ को तितर-बितर करना पड़ा। सूत्रों के अनुसार, नई आबादी निवासी नोशाद पुत्र इरफान अपनी पत्नी को उपचार के लिए कार से डॉक्टर के पास ले जा रहा था। जीटी रोड नई आबादी मोड़ के पास भीड़ होने पर नोशाद ने रास्ता देने के लिए हॉर्न बजाया। इसी दौरान उसके आगे चल रहे नगर के एक भाजपा नेता के पुत्र ने हॉर्न बजाने का विरोध किया। दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जो देखते ही देखते गाली-गलौज और मारपीट में बदल गई।घटना के बीच जमा हुई भीड़ के सामने भाजपा नेता के पुत्र ने आक्रोश में कार पर ईंट फेंक मारी, जिससे कार का शीशा टूट गया।

किसान यूनियन की मासिक बैठक संपन्न, आठ सूत्रीय मांग पत्र सौंपा

- तहसील परिसर में आयोजित बैठक में भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। बेहट

भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक की मासिक बैठक का आयोजन तहसील प्रांगण में किया गया, जिसमें किसानों से जुड़ी हुई समस्याओं पर चर्चा हुई।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक का आयोजन तहसील प्रांगण में बृजपाल राणा की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी। चर्चा के पश्चात एक आठ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष अनुज शर्मा ने ज्ञापन देते हुए कहा कि तहसील क्षेत्र में आधार कार्ड सही कराने या नया बनवाने के लिए क्षेत्र वासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन में मांग किया गया कि आधार कार्ड सेंटर बेहट और छुटमलपुर बनवाए जाएं ताकि लोगों की समस्याओं का समाधान हो सके। ज्ञापन पत्र में मांग की गई कि किसानों के गन्ने का बकाया भुगतान तत्काल किसानों के खातो में डाला जाये,ठंड से बचाव के लिए कस्बा और गांवों के चौराहों पर अलाव जलवाए जायें ताकि राहगीर ठंड से बच सके। आपूर्ति विभाग की कार्यशैली, आवारा पशुओं, गन्ना ढुलाई का किराया, नाली निर्माण, बिजली आपूर्ति से संबंधित समस्याओं के निराकरण करवाने मांग की। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से सोम प्रकाश, मोहम्मद आबिद, मानसिंह राणा, मांगेराम शर्मा, मोहम्मद समीर, बृजपाल पंवार, ईसम सिंह, लक्ष्मी चंद, आलमगीर सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक नजर

ट्रैक पर मिला कटा शव, पोस्टमार्टम को भेजा

नागल। गांव बसेड़ा के निकट रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव पड़ा होने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने वहां मौजूद ग्रामीणों की मदद से शव की पहचान करते हुए उसका पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी राजकुमार चौहान ने बताया कि सुबह कस्बे के रेलवे स्टेशन मास्टर ने सूचना दी की गांव बसेड़ा के निकट रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति का कटा फटा शव पड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में लिया। शिनाख्त के दौरान उसकी पहचान रामनाथ आयु करीब 35 वर्ष पुत्र फूल सिंह निवासी नगली मेहनाज थाना नागल जनपद सहारनपुर के रूप में हुई।

तीन युवकों पर छेड़खानी का मामला दर्ज

नागल। क्षेत्र के एक गांव निवासी एक नाबालिक लड़की के साथ छेड़छाड़ करने को लेकर पुलिस ने उसकी मां की तहरीर पर सम्बंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि उसकी नाबालिक बेटी कस्बे के एक इंटर कॉलेज में कक्षा 9 में पड़ती है और स्कूल आते समय गांव निवासी तीन युवक फब्तियां कसते हुए उसके साथ छेड़खानी करते हैं। उसका आरोप है कि दोपहर जब उसकी बेटी छुट्टी के बाद घर जा रही थी तो उन तीनों युवको ने उसकी बेटी के साथ छेड़छाड़ की है। थाना प्रभारी राजकुमार चौहान ने बताया कि पीड़ित महिला की तहरीर पर अंकुश, अजय तथा हंस के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

अवैध क्लिनिकों पर स्वास्थ्य विभाग की रेड

मुजफ्फरनगर। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग ने ब्लॉक चरथावल में अपंजीकृत क्लिनिक और नर्सिंग होम के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया।

जांच के दौरान नेशनल पैथोलॉजी लैब और डॉ. देवेंद्र क्लीनिक में वैध पंजीकरण या शैक्षिक अभिलेख नहीं पाए गए। संचालक कोई संतोषजनक जवाब देने में असफल रहे। ब्लॉक चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सतेंद्र कुमार और टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों क्लिनिकों को सील किया और नियमानुसार नोटिस जारी किया। जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि यह अभियान लोगों की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

चकबंदी लेखपाल रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। सहारनपुर से आई एंटी करप्शन टीम ने चरथावल क्षेत्र के चकबंदी लेखपाल राजन कुमार को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

किसान से यह रिश्वत जमीन की पैमाइश कराने के नाम पर मांगी गई थी। सूत्रों के अनुसार सरधना निवासी किसान नरेंद्र कुमार ने अपनी जमीन की पैमाइश कराने के लिए लेखपाल से संपर्क किया था। आरोप है कि राजन कुमार ने पैमाइश के एवज में रिश्वत की मांग की। किसान ने कम राशि का प्रस्ताव रखा, लेकिन लेखपाल ने अपनी मांग पर अड़ा रहा। किसान ने इसकी शिकायत सहारनपुर एंटी करप्शन अधिकारियों से की। जांच में आरोप सही पाए जाने पर विशेष टीम गठित की गई। बुधवार को लेखपाल ने रकम लेने के लिए किसान को रामपुरी स्थित अपने कार्यालय बुलाया, जहां पहले से ही जाल बिछाई गई टीम ने उसे पकड़ लिया। लेखपाल को तुरंत शहर कोतवाली लाया गया और इंस्पेक्टर जसपाल सिंह के नेतृत्व में पूछताछ की गई। इसके साथ ही उसकी कार्यालय और आवास पर भी तलाशी ली गई। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। सरकारी भ्रष्टाचार के मामलों में पड़ोसी जिलों में लगातार कार्रवाई के बावजूद जिले में रिश्वतखोरी की घटनाएं थम नहीं रही हैं।

ग्राम बन्तीखेड़ा में युवक को गोली मारने वाला आरोपी गिरफ्तार, अवैध तमंचा बरामद

शामली। बाबरी थाना क्षेत्र के ग्राम बन्तीखेड़ा में युवक को गोली मारकर घायल करने की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। बाबरी थाना पुलिस ने मामले में वांछित चल रहे आरोपी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है। घटना गत 3 दिसंबर की है, जब गांव निवासी सन्दीप को घर से बुलाकर राजीव उर्फ मुन्ना पुत्र राज सिंह ने गोली मार दी थी। गोली लगने से सन्दीप गंभीर रूप से घायल हो गया था। पीड़ित की पत्नी गुड़िया की तहरीर पर बाबरी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। एसपी एन.पी. सिंह के निर्देशन में पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में जुटी थी। इसी क्रम में मंगलवार की देर रात थानाध्यक्ष राहुल सिसोदिया, उपनिरीक्षक सुनील सिंह वर्मा, हेड कांस्टेबल राजीव कुमार और हेड कांस्टेबल अनुज कुमार ने दबिश देकर आरोपी राजीव उर्फ मुन्ना को धर दबोचा। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस (315 बोर) बरामद किए गए हैं।

एडीएम सत्येन्द्र सिंह ने कोहरे को लेकर अभियान चलाने के दिए निर्देश

- जिला सडक सुरक्षा समिति की बैठक में वाहनों पर रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगाने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। शामली

एडीएम सत्येन्द्र सिंह ने सडक सुरक्षा समिति की बैठक में अधिकारियों को सडक सुरक्षा को देखते हुए कोहरे को लेकर अभियान चलाने व वाहनों पर रेट्रो रिफ्लेक्टर लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बनत बाईपास व बलवा बाईपास पर प्रस्तावित फ्लाईओवर के निर्माण प्रक्रिया में भी तेजी के निर्देश दिए।

बुधवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला सडक सुरक्षा समिति की बैठक में एडीएम सत्येन्द्र सिंह ने समीक्षा करते हुए कहा कि कोहरे के कारण दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जहां पर भी अधिक रोड एक्सीडेंट होते हैं उन स्थानों पर विशेष रूप से सुधारात्मक कार्यवाही की जाए। बैठक में एडीएम ने एनएचएआई को निर्देश दिए कि बनत बाईपास व बलवा बाईपास पर प्रस्तावित फ्लाईओवर का निर्माण कार्य प्रकिया में तेजी लाई जाए ताकि समय से काम पूर्ण हो सके। एडीएम को बताया गया कि जनपद शामली में बाईपास निर्माण के पश्चात कानवेक्स मिरर लगाने का काम पूरा हो गया है। एडीएम ने कहा कि जहां इसकी जरूरत है वहां पर भी उक्त कार्य कराया जाए। उन्होंने जनपद शामली में पानीपत खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग एवं मेरठ करनाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर यमुना नदी के सेतु के साइड में दोनों और सुरक्षात्मक मजबूत जाल लगाने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम ने यातायात नियमों का पालन न करने वाले वाहन चालकों पर सख्त कार्रवाई करने व पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट के तेल न देने भी कडी हिदायत दी। बैठक में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग राजकुमार, साहयक अभियंता लोक निर्माण दीपेंद्र जायसवाल, एआरटीओ रोहित राजपूत यातायात सहित समस्त विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

अनधिकृत बुध बाजार पर प्रशासन ने कसा शिकंजा

कैराना। कस्बे के खुरगान रोड स्थित ग्राउंड पर बिना अनुमति लगाए जा रहे बुधवार बाजार पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। क्षेत्रवासियों की शिकायतों के बाद बुधवार को नायब तहसीलदार सतीश कुमार यादव पुलिस बल एवं हल्का लेखपाल के साथ मौके पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान करीब 400 से 500 दुकानें बिना किसी वैध परमिशन के संचालित मिलीं, जिसके बाद बाजार में अफरा-तफरी मच गई।

कब्जे के खुरगान रोड पर स्थित बुध बाजार में अधिकारियों ने दुकानदारों से अनुमति पत्र मांगे, लेकिन कोई भी व्यापारी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इस पर नायब तहसीलदार ने सभी को कड़ी चेतावनी देते हुए साफ कहा कि अगली बार बिना परमिशन एक भी दुकान लगती पाई गई तो सीधे कानूनी कार्रवाई की जाएगी।प्रशासन का कहना है कि अवैध रूप से लगने वाला यह विशाल बाजार न केवल यातायात को बाधित करता है, बल्कि सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के लिए भी खतरा पैदा करता है।

चौ.चरणसिंह की जयंती पर सार्वजनिक अवकाश की मांग

- राष्ट्रीय लोकदल खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ नीरपाल सिंह की अपील

पायनियर समाचार सेवा। सहारनपुर

हकीकत नगर कैंप कार्यालय पर राष्ट्रीय लोकदल खेल प्रकोष्ठ की बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की गई कि 23 दिसम्बर को चौधरी चरण सिंह की जयंती पर सार्वजनिक अवकाश किया जाना चाहिए। बैठक में बोलते हुए राष्ट्रीय लोकदल खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ नीरपाल सिंह ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जैसे महान आदर्श पुरुष की विचार धारा जन जन तक पहुंचे इसके लिए राष्ट्रीय लोकदल कार्यकर्ता 23 दिसम्बर को चौधरी साहब की जयंती पर हसनपुर चुंगी से लेकर दिल्ली रोड,कोर्ट रोड,घंटाघर होते हुए चौधरी चरण सिंह चौक तक पद यात्रा निकालेंगे। इस दौरान किसानों को सम्मानित किया जाएगा साथ साथ ही खेलो में प्रतिभा दिखाने वाली बेटियों को भी सम्मानित किया जायेगा।

मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने का किया विरोध

- जमीयत उलमा-ए-हिंद ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर

जमीयत उलमा-ए-हिंद, जिला मुजफ्फरनगर ने जनपद के कई थाना क्षेत्रों में मस्जिदों की छतों से लाउडस्पीकर हटाने की पुलिस कार्रवाई पर विरोध जताया है। संगठन ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से तुरंत रोक लगाने और इस मामले में उचित प्रक्रिया अपनाने का अनुरोध किया है।

जमीयत उलमा के जिला अध्यक्ष मौलाना मुकर्रम अली कासमी ने बताया कि शहर मुजफ्फरनगर, बुढाना, खतौली, पुरकाजी, जानसठ और चरथावल में पुलिस प्रशासन द्वारा अचानक और बिना पूर्व सूचना, नोटिस या लिखित आदेश के मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतरवाए जा रहे हैं। कासमी ने कहा कि कई स्थानों पर पुलिस सीधे मस्जिद में जाकर दबाव बना रही है, जबकि ध्वनि सीमा का पालन वर्षों से हो रहा है। उन्होंने आगे बताया कि आज सुबह मदनी चौक स्थित मदीना मस्जिद में मुअज्जिन मौ० इरफान के साथ कच्ची सड़क चौकी के इंचार्ज ने दुर्व्यवहार किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। जमीयत उलमा ने इस घटना के लिए चौकी प्रभारी को निलंबित करने और इंचार्ज पर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

पिछले दो वर्षों में जारी जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्रों के अभिलेखों होगी जांच

सहारनपुर। पिछले दो वर्षो में जारी किये गए समस्त जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्रों, आवेदन सम्बंधी पत्रावलियों और उनकी जांच प्रक्रिया, पंजीकरण रजिस्टर से सम्बंधित समस्त अभिलेखों की जांच निगम के मुख्य नगर लेखा परीक्षक द्वारा की जायेगी।

नगरायुक्त ने यह आदेश जारी करते हुए उन्हें जांच रिपोर्ट 15 दिन में देने के निर्देश दिये है। इस जानकारी को साझा करते हुए आई.ए.एस नगर आयुक्त शिपू गिरि ने बताया कि यदि प्रमाण पत्रों को निर्गत किये जाने की जांच में कोई गड़बड़ी पायी गयी तो दोषी कोई भी हो, उसके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि लोगों को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में देरी व परेशानी न हो इस पर संबंधित अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया जाये। महापौर डॉ. अजय कुमार द्वारा गत सप्ताह जन्म-मृत्यु पंजीकरण विभाग का आकस्मिक निरीक्षण किया जिसमें तमाम कमियां मिली थी। इस मामले की जांच के लिए अपर नगरायुक्त प्रथम की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्य जांच समिति में अपर नगरायुक्त के साथ लेखाधिकारी मनोज त्रिपाठी,कर अधीक्षक सुरेंद्र सिंह सदस्य होंगे।

तीन दिवसीय स्काउट एवं गाइड के प्रशिक्षण शिविर का समापन

- शिविर में छात्र-छात्राओं को विभिन्न कला और आपदाओं से बचने के गुर सिखाये गये
- स्काउट एवं गाइड जैसी गतिविधियां बच्चों में सेवा भावना पैदा करती है : डॉ.विमल

पायनियर समाचार सेवा। बेहट

तहसील क्षेत्र के ग्राम जोधेबांस में स्थित सरस्वती मॉडर्न पब्लिक जूनियर हाई स्कूल में चल रहे तीन दिवसीय स्काउट एवं गाइड के प्रशिक्षण शिविर का समापन हो गया।

तीन दिवसीय स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षण शिविर में स्कूल की छात्र-छात्राओं को विभिन्न कला और आपदाओं से बचने के तौर तरीके बताये गये। इस मौके पर छात्र-छात्राओं की टोलियों ने सुन्दर एवं भव्य टैंट बनाकर अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। शिविर में राज्य प्रशिक्षक परमजीत पंवार व जिला प्रशिक्षिका हर्षिता कश्यप ने स्काउट एवं गाइड को गाठे बांधना, गीत, प्रार्थना, प्राथमिक उपचार, देशभक्ति गीत, सामूहिक खेल, दल भावना की गतिविधियां,समाज सेवा एवं स्वच्छता अभियान सहित विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान 11 टोलियों ने विद्यालय प्रांगण में टैंट लगाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

शिविर में मुख्य अतिथि डाक्टर विमल शर्मा ने कहा कि स्काउटिंग बच्चों में दूसरों के प्रति जिम्मेदारी एवं सहानुभूति की भावना विकसित करती है। साथ ही बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में भी सहायक है। प्रशिक्षण के दौरान बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली अंशिका, अनिका, मिनाक्षी, अस्विका, नयम,आरवी, मिस्बा, आर्या, सोनिया, अवनी, मेहुल, सूर्य, आरुष, दीपक, करीब, लविश को मैडल देकर सम्मानित किया गया ।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अवनीश काम्बोज, राजेश सिरोही, क्षमा काम्बोज, पंकज, जूली सैनी, विशाखा, कोमल, मंजो देवी सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

भूड़ रजवाहा फिर टूटा, उफना ग्रामीणों का रोष, सिंचाई विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी

खुद फावड़ा लेकर पटरी सुधारने उतरे भाकियू नेता

पायनियर समाचार सेवा। खतौली

भूड़ रजवाहा की पटरी एक बार फिर टूटने से ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। बुधवार को हुई टूट-फूट की घटना से कॉलोनी में जलभराव का खतरा बढ़ गया, जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सिंचाई विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मौके पर पहुंचे भाकियू नेता अंकुश प्रधान खुद फावड़ा कंधे पर उठाकर राजवाहा ठीक करने में जुट गए और विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया।

ग्रामीणों ने बताया कि दो सप्ताह पहले भी शुक्रवार देर रात रजवाहा टूटने से पानी बस्तियों में घुस गया था, जिससे घरों के बाहर ही नहीं बल्कि अंदर तक पानी भर गया था। तीन दिनों तक लोग जलभराव की मार झेलते रहे, मगर विभागीय अधिकारी मौके से नदारद रहे। पानी में उतरकर प्रदर्शन करने वाले भाकियू नेता अंकुश प्रधान ने आरोप लगाया कि खतौली रजवाहा पिछले कुछ दिनों में 9-10 बार अलग-अलग स्थानों से टूट चुका है, लेकिन विभाग की उदासीनता के चलते समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि शुक्रवार को टूटी पटरी से निकला पानी कॉलोनी में भर गया था, जिससे आवागमन ठप हो गया। कई घरों के आंगन, कमरे और दुकानें तक जलमग्न हो गईं। महिलाओं को दैनिक कार्यों में दिक्कत का सामना करना पड़ा और बच्चों का घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया। उन्होंने कहा कि टूट-फूट की सूचना कई बार विभाग को दी गई, लेकिन कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। जलभराव के कारण लोगों के घरों का सामान तक खराब हो गया। सबसे हैरानी की बात यह रही कि भारी विरोध और हंगामे के बावजूद राजवाहे का टूटा हिस्सा अभी भी दुरुस्त नहीं किया जा सका। न तो विभागीय टीम पहुंची और न ही किसी अधिकारी ने स्थल का निरीक्षण किया। इससे ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। भाकियू नेता अंकुश प्रधान ने विभाग को चेतावनी देते हुए कहा कि कॉलोनीवासियों को हुए नुकसान की भरपाई सिंचाई विभाग करे। यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई और पटरी को मजबूत तरीके से दुरुस्त नहीं किया गया, तो ग्रामीणों के साथ उग्र आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने समस्या को हल्के में लिया तो आंदोलन की लपटें पूरे क्षेत्र में फैलेंगी। बुधवार को पटरी के फिर टूटने पर ग्रामीणों का आक्रोश चरम पर था। भाकियू नेता अंकुश प्रधान स्वयं फावड़ा लेकर राजवाहा ठीक करने पहुंचे। वहीं ग्रामीणों ने कहा कि रोज-रोज पटरी टूटने से लोगों के मकान गिरने के कगार पर पहुंच गए हैं।

पुलिसकर्मियों को दिलायी गयी शपथ

पायनियर समाचार सेवा। सहारनपुर

रिजर्व पुलिस लाइन, सहारनपुर में मानवाधिकार दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, सहारनपुर द्वारा समस्त पुलिस अधिकारी,कर्मचारीगण तथा प्रशिक्षणाधीन आरक्षियों को मानवाधिकारों के संरक्षण, संवर्धन एवं सम्मान हेतु शपथ दिलाई गई। इस दौरान मानवाधिकारों के महत्व, नागरिकों की गरिमा, स्वतंत्रता एवं न्याय की रक्षा करने के दायित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने संकल्प लिया कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं संवेदनशीलता के साथ करते हुए प्रत्येक नागरिक के मानवाधिकारों की रक्षा करेंगे। यह आयोजन पुलिस बल के भीतर संवेदनशीलता, जवाबदेही तथा जनहित के प्रति प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

घबराइए मत, हर समस्या का होगा प्रभावी समाधान : मुख्यमंत्री योगी

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं || हर पीड़ित की समस्या का हो समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

मंगलवार को गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास करने के बाद बुधवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, 'घबराइए मत, हर समस्या का प्रभावी समाधान कराया जाएगा।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निराकरण कराएं। बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। आत्मीयता के पुट में 'कहां से आए हैं, क्या बात है', कहते हुए एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। भरोसा दिया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी परेशान होने या चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। एक महिला ने मकान जला दिए जाने की शिकायत की तो मुख्यमंत्री ने जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी, सरकार भरपूर आर्थिक मदद देगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान बुधवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। गायों और गोवंश को स्नेहिल भाव से गुड़-रोटी खिलाया। गोशाला में सीएम योगी के पहुंचने पर मोर भी उनके पास आ जाते हैं। मुख्यमंत्री ने मोर को भी दुलारा और अपने हाथों से रोटी खिलाया।

ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में यूपी को एक और बड़ी सौगात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

❖ देश की पहली वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज परियोजना के तृतीय इकाई का केंद्रीय ऊर्जा मंत्री एवं यूपी के ऊर्जा मंत्री ने किया वर्चुवली उद्घाटन

देश की पहली वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज परियोजना–1000 मेगावाट टिहरी पंप स्टोरेज प्लांट की तृतीय यूनिट का वाणिज्यिक संचालन आज केंद्रीय विद्युत तथा आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर एवं यूपी के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा की वर्चुअल उपस्थिति में विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर यूपी को ऊर्जा क्षेत्र में एक नई क्षमता प्राप्त हुई है, जो राज्य के विकास और उपभोक्ताओं को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने में सहायक होगी। टिहरी पीएसपी देश की प्रथम वेरिएबल स्पीड तकनीक वाली पंप स्टोरेज परियोजना है, जो ऑफ-पीक घंटों में अतिरिक्त बिजली को स्टोर करके ग्रिड को 1000 मेगावाट तक की पीकिंग पावर उपलब्ध कराएगी। परियोजना की चार इकाइयों में से प्रथम दो पहले ही सफलतापूर्वक वाणिज्यिक उत्पादन कर रही हैं, जबकि तृतीय इकाई के संचालन से परियोजना की क्षमता और अधिक मजबूत हुई है। वेरिएबल स्पीड पीएसपी तकनीक की सहायता से बिजली की मांग के अनुरूप ऊर्जा का रियल टाइम स्टोरेज एवं रिलीज संभव सकेगा। इससे राष्ट्रीय ग्रिड पर लोड मैनेजमेंट और अधिक सुदृढ़ होगा और नवीकरणीय ऊर्जा को बिना किसी रूकावट के ग्रिड से जोड़ा जा सकेगा। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर यूपी की जनता को बधाई देते हुए कहा कि यह अवसर पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। शर्मा ने बताया कि तृतीय इकाई के उत्पादन से 25 प्रतिशत विद्युत उत्तर प्रदेश को प्राप्त होगी, जिससे राज्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में बड़ी मदद मिलेगी। उन्होंने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर का आभार व्यक्त करते हुए आशा जताई कि परियोजना की चौथी इकाई का उद्घाटन भी आगामी महीनों में संपन्न हो जाएगा। शर्मा ने कहा कि यदि इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार की किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता हुई तो राज्य पूर्ण रूप से तत्पर रहेगा।

20 जनवरी को विधानसभा घेरेंगे राज्य कर्मचारी

लखनऊ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष जेएन तिवारी के नेतृत्व में प्रदेश के राज्य कर्मचारियो के साथ सभी निकाय, परिषद, निगम, आशा बहुएं, शिक्षा मित्र सभी एक साथ मिलकर विधानसभा का घेराव करेंगे परिवहन निगम जो प्रदेश का सबसे बड़ा सार्वजनिक उद्यम है को पिछले दो साल में समाप्त करने की योजनाओं को आया गया जबकि योगी की सरकार ने बहुत अनुदान दिया। कर्मचारियों का कहना है कि कम आय में पैसा काटा जा रहा है, एक से 1,5 करोड़ की इलेक्ट्रिक बसे ली गई वह खड़ी है क्योंकि अभी तक चार्जिंग प्वाइंट नहीं बनाए गए, 90 वर्षों की लीज पर दिया जा रहा है, डग्गामार संचालन पर रोक नहीं है, यही हाल रहा तो निगम शासन, प्रशासन सरकार एवं परिवहन निगम मुख्यालय की गलत नियत के कारण समाप्त हो जाएगा।

माघ मेला की तैयारियां अंतिम चरण में

सीएम योगी के नेतृत्व में एक बार फिर भव्य, सुरक्षित और सुव्यवस्थित माघ मेला संपन्न कराने की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महाकुंभ-2025 के सफल आयोजन के बाद अब राज्य सरकार माघ मेला-2026 को भी अभूतपूर्व, व्यवस्थित और सौंदर्यपूर्ण स्वरूप देने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में माघ मेले की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। अभी हाल ही में मुख्य सचिव के समक्ष प्रतीक चिन्ह का अनावरण, सेक्टरवार रंग योजना और अवसंरचनात्मक सुधारों पर विशेष चर्चा हुई थी। इस बार अनुमानित है कि प्रयागराज में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालु संगम पर पवित्र स्नान करेंगे, जिनमें प्रतिदिन आने वाले लाखों कल्पवासी भी शामिल होंगे। पूरा मेला क्षेत्र रंग-समन्वित थीम पर आधारित होगा। हर सेक्टर एकरूपता का अनुभव कराएगा। मेले को सुसंगत और आकर्षक रूप देने के लिए सातों सेक्टर्स और सात पॉन्टून पुलों को 'सात ऊर्जा चक्रों' के अनुरूप रंगों से सजाया जाएगा। हर सेक्टर की चहारदीवारी पर 3 फुट चौड़ी सीमांकन पट्टी बनाई जाएगी, जिससे मेले का आकार दृष्टिगत रूप से स्पष्ट, व्यवस्थित और सुंदर दिखाई देगा। सभी सेक्टर्स में उत्तर प्रदेश सरकार और माघ मेला-2026 का प्रतीक चिन्ह अंकित होगा। विभिन्न घाटों पर उपलब्ध चेंजिंग रूम भी सेक्टरवार रंग योजना के अनुरूप तैयार किए जाएंगे। पहले की तुलना में दोगुनी क्षमता, रंग योजनाओं से मेल खाते हुए होंगे। अब 2 यूनिट में 2 के स्थान पर 4 लोग एक साथ सुविधा का उपयोग कर सकेंगे। इससे भीड़ प्रबंधन अधिक सुचारू और सुविधाजनक होगा तथा मेले की एकरूपता कायम रहेगी। सातों पॉन्टून पुलों को इंद्रधनुषी सात रंगों से सजाया जाएगा। पुलों पर लगे लाइट, पोलों पर एलईडी लाइटें धार्मिक चिन्हों के साथ प्रदर्शित होंगी, जो दिन और रात दोनों समय आकर्षण का केंद्र रहेंगी। हर पुल पर रंग अनुरूप झंडे लगाए जाएंगे।यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलों पर कैनोपी का निर्माण किया जाएगा।

पॉलीटेक्निक चलो अभियान को प्रदेशव्यापी गति दे रही योगी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

❖ तकनीकी शिक्षा को उद्योग-उन्मुख बनाने के लिए लखनऊ में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

योगी सरकार द्वारा तकनीकी शिक्षा को उद्योग-उन्मुख बनाकर युवाओं को रोजगार से सीधे जोड़ने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए इस अभियान को प्रदेशस्तर पर व्यापक रूप से संचालित करने पर जोर दे रही है। इसी क्रम में लखनऊ में 'पॉलीटेक्निक चलो अभियान-2026' के सफल क्रियान्वयन के संबंध में अपर मुख्य सचिव प्राविधिक शिक्षा नरेन्द्र भूषण की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद द्वारा तैयार की गई प्रस्तुति को प्रदेश के सभी जिलों में बड़े पैमाने पर प्रसारित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं तकनीकी शिक्षा की ओर आकर्षित हों। डिजिटल माध्यमों, विशेषकर ऑडियो-विजुअल प्रचार सामग्री के उपयोग को बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। अपर मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पॉलीटेक्निक चलो अभियान-2026 को सफल बनाते हुए अभ्यर्थियों को इंडस्ट्री ओरिएंटेड डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के प्रति जागरूक किया जाए। बदलते औद्योगिक परिवेश और मार्केट की मांग के अनुरूप नए पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय भी लिया गया, जिससे छात्रों को आधुनिक तकनीकी कौशल प्राप्त हो सके और वे कोर्स पूर्ण करते ही रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें। बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में 4,12,759 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था और 1,15,444 विद्यार्थियों को प्रवेश प्राप्त हुआ था, जबकि वर्ष 2025 में 4,25,993 आवेदन प्राप्त हुए और 1,34,628 छात्र-छात्राओं को प्रवेश मिला। बैठक में प्राविधिक शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी महानिदेशक प्राविधिक शिक्षा सेल्वा कुमारी जे., विशेष सचिव विनोद कुमार, निदेशक प्राविधिक शिक्षा अजीज अहमद, निदेशक शोध विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान एफ.आर. खान, सचिव प्राविधिक शिक्षा परिषद संतोष कुमार तथा संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद के संजीव कुमार सिंह उपस्थित रहे।

हर घर नल से जल योजना का हो स्थलीय निरीक्षण: केशव

❖ जिस विभाग की शिकायत प्राप्त हो उसकी जांच के आदेश उसी अधिकारी को न दिए जाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सभी सम्बंधित अधिकारियो को निर्देश दिये कि बदायु के प्रत्येक विकास खण्ड के 10-10 ग्राम सभाओं में हर घर नल से जल योजना का स्थलीय निरीक्षण कराया जाये, सभी कार्य निर्धारित मानको के अनुरूप व गुणवत्ता पूर्ण होने चाहिए। पाइप लाइन जमीन मे एक मीटर नीचे से जाना चाहिए, पाइप लाइन डालने मे जो सड़के खोदी गयी हो, उनका निर्माण, मरम्मत मानको के अनुरूप होना ही चाहिए, इसमे किसी भी प्रकार समझौता न किया जाये

उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिये कि जन समस्याओं का गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। बदायु में पर्यटन विकास की असीम संभावनाएं, इस क्षेत्र मे आगे बढ़कर कार्य किया जाये। उन्होंने कहा कि कहा कि योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों को ही मिलना चाहिए, चयन व चिन्हांकन में विशेष सावधानी व निगरानी रखी जाये। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत विकसित भारत बन जाएगा तथा उत्तर प्रदेश भी विकसित उत्तर प्रदेश होगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस विभाग की शिकायत प्राप्त हो उसकी जांच के आदेश उसी अधिकारी को न दिए जाएं। उन्होंने संपूर्ण समाधान दिवस व थाना समाधान दिवस आदि पर प्राप्त शिकायतों का गंभीरतापूर्वक निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि चकमार्ग पर अवैध कब्जे व सरकारी जमीनों पर कब्जे की शिकायतें लखनऊ तक आती हैं, इसलिए अधिकारी शिकायतों को गंभीरतापूर्वक लें। चकमार्ग पर अवैध कब्जे की शिकायतों के लिए विशेष अभियान चलाकर इसका निस्तारण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवरो को जगमग किया जाए, यह सरकार का एक महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने सीमांकन कराने के आवेदनों की जानकारी ली। जिस पर जिलाधिकारी ने बताया कि 90 दिन से पुराना कोई मामला लंबित नहीं है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के मामलों का निस्तारण पूरी गंभीरता से किया जाए। धान खरीद की स्थिति की जानकारी लेते हुए डिप्टी सीएम ने क्रय केन्द्रों का औचक निरीक्षण कराए जाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में 37000 मेट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य मिला है, जो कि बरेली मंडल में जनपद को सबसे कम लक्ष्य मिला है। डीएम ने बताया कि लक्ष्य पूर्ति के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही खाद की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खाद की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि खाद के लिए किसानों को परेशानी ना हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री ने हर घर नल से जल की स्थिति की जानकारी लेते हुए जनपद के प्रत्येक ब्लॉक के 10-10 ऐसी ग्राम सभाओं का निरीक्षण कराए जाने के लिए निर्देशित किया जिसमें शतप्रति कार्य पूर्ण होकर जल की आपूर्ति की जा रही हो,ताकि वस्तु स्थिति से अवगत हुआ जा सके। उन्होंने विद्युत आपूर्ति की स्थिति तथा ट्रांसफार्मर बदलने की स्थिति को जाना तथा विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। मौर्य ने कहा कि आवंटित व बन चुके आवासो मे सभी अनुमन्य सुविधाएं हर हाल मे सुलभ करायी जाये, अधिकारी इसका अनुश्रवण कर सुनिश्चित करायें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आवास योजना -ग्रामीण में विधवा महिलाओं व दिव्यांगजनों को भी लाभ दिया जाता है, इसलिए पात्रों का चयन ठीक प्रकार से किया जाए। योजनाओं का लाभ पात्रों को ही मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा आकांक्षात्मक ब्लॉक के रूप में देश के 500 ब्लॉकों के लिए 6 जोन बनाए गए हैं, जिसमें द्वितीय जोन में पंजाब व उत्तर प्रदेश के लगभग 85 ब्लॉक हैं, इनमें से डेल्टा रैंकिंग में जनपद बदायूं के अम्बियापुर ब्लॉक को द्वितीय पुरस्कार मिला है, जिसके तहत इस ब्लॉक को एक करोड़ रुपए की धनराशि विकास कार्यों के लिए अलग से दी जाएगी। उप मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से कानून और शांति व्यवस्था की स्थिति की जानकारी हासिल की। उन्होंने कहा कि फरियादी शिकायतों के निस्तारण के लिए व न्याय पाने की आस में लखनऊ आते हैं, तो इसे गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह एक महीने के बाद पुनः जनपद का दौरा करेंगे। उस दौरान ग्राम चौपाल में प्रतिभाग करेंगे, निरीक्षण करेंगे व अन्य कार्यक्रमों में भी प्रतिभाग करेंगे। इससे पहले कलेक्ट्रेट आगमन पर उपमुख्यमंत्री को गार्ड आफ ऑनर दिया गया, वहीं बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने उपमुख्यमंत्री को राम दरबार स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट किया। इस अवसर पर बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, राजीव कुमार गुप्ता, सदर विधायक महेश सिंह गुप्ता, पूर्व एमएलसी जितेन्द्र यादव, अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक जेके सक्सेना, शारदेंदु पाठक सहित अन्य जनप्रतिनिधि व जिलाधिकारी अवनीश राय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

यूपी की शान बने 'खुशहाल किसान'

चौपाल में शामिल हुए 500 से अधिक किसान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/मुजफ्फरनगर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में अन्नदाता किसानों के जीवन में खुशहाली लाई। किसान अब आत्महत्या नहीं करते, बल्कि खुशहाली का जीवन व्यतीत कर परिवार की तरक्की और उत्तर प्रदेश की समृद्धि में योगदान दे रहे हैं। किसानों को फसल का उचित दाम मिल रहा, उन्हें किसान सम्मान निधि, पीएम कुसुम योजना, एमएसपी के साथ ही समान रूप से हर जनपद को बिजली, सड़क, पानी की सुविधाएं मिल रही हैं। इससे खेती करने और फसल को बाजार तक पहुंचाने में आसानी हो रही है।

यहियापुर गांव में बुधवार को लगी कृषि चौपाल में उपस्थित 500 से अधिक किसानों ने यह विचार रखे। सभी ने साढ़े आठ वर्ष में सरकार के सकारात्मक कदम के कारण किसानों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव का भी जिक्र किया। विकसित कृषि संकल्प अभियान के जरिए मुख्यमंत्री, केंद्र-राज्य सरकार के मंत्रियों समेत जनप्रतिनिधियों ने किसानों से संवाद किया। 15 दिन में प्रदेश के 14,170 गांवों में हुए कार्यक्रमों में 23 लाख से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया। किसान बिराम सिंह ने कहा कि मेरे सहित कई किसान इस अभियान में शामिल हुए। यहां हमने स्वायल कॉर्ड, भूमि सुधार, सिंचन क्षमता आदि से लेकर खेतीबाड़ी में सुधार को लेकर नई-नई जानकारी ली। इसके बाद विशेषज्ञों/अधिकारियों से संपर्क कर अपनी खेती में और सुधार किया।

किसान अमरीश वालिया ने कहा कि सरकार कृषि विभाग के माध्यम से तिलहन-दहलन के क्षेत्र में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निःशुल्क मिनीकिट भी वितरित कर रही है। गेहूं, जौ, चना, मटर, मसूर, तोरिया, राई-सरसो, अलसी फसलों के लिए अनुदान पर बीज भी उपलब्ध कराए जाते हैं। इससे एक तरफ हमें आसानी से बीज भी मिलते हैं तो दूसरी तरफ खेती में इसका प्रयोग कर उत्पादकता बढ़ाने और विषमुक्त खेती की तरफ भी किसान कदम बढ़ाते हैं। किसान गंगाशरण कहते हैं कि खेती में सहायता के लिए किसानों को कृषि यंत्र की आवश्यकता पड़ती है। कृषि विभाग अनुदान पर किसानों को विभिन्न कृषि यंत्र उपलब्ध भी कराता है। कृषि यंत्र खेती में सहायक हो रहे हैं। योगी सरकार की मंशा से 5000 से अधिक कृषि यंत्र बैंक भी स्थापित किए गए हैं, जिससे मेरे जैसे हजारों-लाखों किसान लाभान्वित हो रहे हैं। जनपदों में निष्पक्ष प्रक्रिया के जरिए ई-लॉटरी निकलती है और किसानों को अनुदान पर कृषि यंत्र मिलता है। किसान वेदपाल ने किसान पाठशाला की सकारात्मकता का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसके जरिए खेती से अलग किसानों में तकनीकी क्षमता भी विकसित की जा रही है।

अंतर्धार्मिक प्रेम में युवक की हत्या की उच्चस्तरीय जांच हो : भाकपा (माले)

लखनऊ। भाकपा (माले) ने मिर्जापुर शहर कोतवाली क्षेत्र के निवासी मुस्लिम युवक (अब्दुल कुरैशी, 22) की अंतर्धार्मिक प्रेम मामले में हुई हत्या की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। युवक की बोरे में बंद लाश मंगलवार (9 दिसंबर) को शहर में गंगा किनारे महर्षि स्कूल घाट से बरामद हुई। भाकपा (माले) के राज्य सचिव सुधाकर यादव ने उक्त मांग पार्टी के दो सदस्यीय जांच दल द्वारा मृतक के शोकाकुल परिवार से भेंट करने के बाद यहां जारी बयान में की। राज्य स्थायी समिति (स्टैंडिंग कमेटी) की सदस्य कॉमरेड जीरा भारती के नेतृत्व में जांच दल ने मिर्जापुर में पीड़ित परिवार के घर जाकर कल मुलाकात की थी और सिटी एसपी से मिलकर न्याय की मांग की। राज्य सचिव ने कहा कि अपना बेटा खोने वाले बेगुनाह मुस्लिम परिवार को सजा दी जा रही है। परिवार के अधिकांश सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सत्ताधारी दल के दबाव में मृतक के बेगुनाह व पीड़ित परिवार को प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने जेल भेजे गए मृतक के परिवारीजनों की रिहाई और असल दोषियों को सजा देने की मांग की। कॉमरेड सुधाकर ने कहा कि उक्त घटना में मंगलवार को सिटी एसपी से मिलकर पार्टी कार्यालय लौटने के दौरान माले नेता जीरा भारती से सीओ सिटी ने रास्ते में रोक कर अभद्र व्यवहार किया। राज्य सचिव ने इसकी कड़ी निंदा की।

यूपी बना स्टार्टअप और आईटी निवेशकों की पहली पसंद

इंफोसिस, एडोब, आईबीएम, और टेली पर्फार्मेंस ने यूपी में किया 868 करोड़ का निवेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व और नीति-नियोजन का असर स्टार्टअप, आईटी और डेटा सेंटर के क्षेत्र में तेज गति से हो रहे विकास के तौर पर देखने को मिल रहा है। बीते वर्षों में उत्तर प्रदेश ने डिजिटल नवाचार के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति दर्ज की है, जिससे उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख डिजिटल डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है। इंफोसिस, एडोब, आईबीएम, और टेली पर्फार्मेंस जैसी वैश्विक आईटी कंपनियों के निवेश से न केवल प्रदेश में आर्थिक प्रगति हो रही है, बल्कि लाखों की संख्या में रोजगारों का भी सृजन हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विजन के मुताबिक उत्तर प्रदेश को स्टार्टअप, आईटी सेक्टर और डाटा प्रॉसेसिंग के हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस क्रम में स्टार्टअप के विकास के लिए प्रदेश सरकार की ओर से दिये जाने वाले वित्तीय प्रोत्साहन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी इस बदलाव की सबसे बड़ी मिसाल है। वर्ष 2021-22 में जहां स्टार्टअप प्रोत्साहन के लिए मात्र 274 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई थी, वहीं 2022-23 में यह बढ़कर 866 लाख रुपये और 2023-24 में 1,326 लाख रुपये तक पहुँच गई। जबकि वर्ष 2025 में स्टार्टअप प्रोत्साहन राशि के रूप में 2,600 लाख रुपये दिये जा चुके हैं। स्टार्टअप प्रोत्साहन में लगातार वृद्धि स्पष्ट करती है कि, सीएम योगी आदित्यनाथ का विजन प्रदेश में स्टार्टअप इकोसिस्टम को लगातार मजबूती देना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आईटी और आईटीईएस नीति के तहत भी उत्तर प्रदेश ने निवेश और रोजगार के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई है। वर्ष 2025 की शुरुआत में ही 2 एलओसी से जरिये 28.34 करोड़ रुपये का निवेश और 1,600 नए रोजगार सृजित हुए जबकि सितंबर 2025 के बाद प्राप्त 3 बड़े प्रस्तावों के माध्यम से 868 करोड़ रुपये के निवेश और लगभग 7,800 रोजगार का सृजन हुआ है। इनमें इंफोसिस, एडोब, आईबीएम, और टेली पर्फार्मेंस जैसी वैश्विक आईटी कंपनियां निवेश कर,उत्तर प्रदेश को आईटी और टेक्नालॉजी निवेश के राष्ट्रीय केंद्र के रूप में स्थापित कर रही हैं। सीएम के विजन में बनी डेटा सेंटर नीति- 2021 के माध्यम से उत्तर प्रदेश ने डिजिटल अवसंरचना के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस नीति का परिणाम है कि एनआईडीपी के 9,134 करोड़, एनटीटी ग्लोबल डाटा सेंटर के 1,687 करोड़, अडानी इंटरप्राइजेज़ के दो अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में 2,416 करोड़ और 2,713 करोड़ और एसटी टेली मीडिया ग्लोबल डेटा सेंटर के 2,130 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। जिनको तेजगति से क्रियान्वित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में स्टार्टअप प्रोत्साहन, आईटी विस्तार और डेटा सेंटर जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्रों में भारी निवेश यह साबित करता है कि उत्तर प्रदेश अब 'बीमारू राज्य' की पुरानी छवि से बाहर निकलकर 'ब्रांड यूपी' के रूप में देश के अग्रणी औद्योगिक और डिजिटल राज्यों में शामिल हो चुका है।

महापौर से मिला सिंधी समाज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नगर निगम कार्यालय पर बुधवार को सिन्धी समाज के प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारी लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल से मिले सिंधु सभा के अध्यक्ष अशोक मोतियानी, अनिल बजाज, मेला कमेटी अध्यक्ष रतन मेघानी, महामंत्री संजय जसवानी, सुरेश छाबलानी, अशोक चांदवानी, श्याम कृष्णानी, मोहित जसवानी, पुनीत लालचंदानी, घनश्याम दास सहित सभी ने महापौर सुषमा खर्कवाल को ज्ञापन सौंपा जिसमें झूले लाल वाटिका में जल्द ही भगवान झूलेलाल का स्वागत द्वार लगाए जाने सम्बन्धी मांग उनके समकक्ष रखी गई।

जानकारी हो कि नगर निगम कार्यकारिणी में इसे पास किया जा चुका है अब नगर निगम की जमीन को चिन्हित कर इस दुआर को बनाए जाने का कार्य अभी शेष बाकी है जिससे लेकर सिंधी समाज आज महापौर सुषमा खड़कवाल से मिला। साथ ही नाका हिंडोला चौराहे पर स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद हेमू कालाणी चौराहे का नवीनीकरण का कार्य क्षेत्रीय पार्षद गिरीश गुप्ता के माध्यम से खूब तेज गति से चल रहा है प्रतिनिधि मंडल ने जिसका नाम अब हेमू कालाणी चौराहे के नाम से ही रखे जाने की मांग उनके समक्ष रखी है। महापौर ने आश्वासन दिया कि जल्द ही नाका चौराहे को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के नाम की पहचान दी जाएगी साथ ही झूले लाल द्वार को संबंधित अधिकारी से जमीन चिन्हित करवाई जाएगी समाज की तरफ से (लखनऊ में शिव शान्ति आश्रम के थोड़ा आगे (वीवीआईपी रोड) पर बने हुए भैंसाकुंड पर इलेक्ट्रिक शवदाह नगर निगम के संयोग से बनाया गया है।

'दलाई लामा 'शांति के सच्चे प्रतीक'

ईटानगर (भाषा)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने बुधवार को तिब्बती आध्यात्मिक गुरु 14वें दलाई लामा को 'शांति का सच्चा प्रतीक' करार दिया और कहा कि उनकी करुणा, सद्भाव और अहिंसा के संदेश से विश्व आज भी प्रेरित है। आज के ही दिन 36 वर्ष पहले 14वें दलाई लामा को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

खांडू ने कहा कि 36वीं वर्षगांठ चामलेंग, तवांग मठ में मनाई जा रही है। उन्होंने दलाई लामा की शिक्षाओं की वैश्विक प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ₹चामलेंग, तवांग मठ में 14वें दलाई लामा को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की 36वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है।

उन्होंने अरुणाचल प्रदेश और तिब्बती बौद्ध परंपरा के बीच गहरे आध्यात्मिक व सांस्कृतिक संबंध पर जोर दिया। खांडू ने दलाई लामा को मानवता का मार्गदर्शक बताते हुए कहा, ₹शांति के सच्चे प्रतीक 14वें दलाई लामा की करुणा और सद्भाव का शाश्वत संदेश विश्व भर में फैलता रहे। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु की दी शिक्षाएं सीमाओं व धर्मों से परे हैं और तेजी से विभाजित हो रही दुनिया में नैतिक दिशा-निर्देश प्रदान करते हैं।

ओडिशाः आदिवासी महिला का कटा हुआ सिर मिला

सरकार ने इंटरनेट सेवाओं का निलंबन 24-24 घंटे के लिए बढ़ाया

भाषा। मलकानगिरि

ओडिशा सरकार ने बुधवार को हिंसा प्रभावित मलकानगिरी जिले में इंटरनेट सेवाओं का निलंबन 24 घंटे के लिए बढ़ा दिया। पुलिस ने बताया कि एक आदिवासी महिला का कटा हुआ सिर नदी किनारे से बरामद किया गया। राखेलगुडा गांव की रहने वाली 51 वर्षीय लाके पोडियामी का धड़ चार दिसंबर को मिला था जबकि उसका कटा हुआ सिर लगभग 15 किलोमीटर दूर बरामद किया गया।

पुलिस ने बताया कि कटा हुआ सिर कन्या आश्रम के पास पोटेरू नदी के किनारे मिला। राखेलगुडा और एमवी 25 दोनों गांवों में निषेधाज्ञा बरकरार है जबकि सरकार ने मलकानगिरी जिलाधिकारी की सिफारिश पर इंटरनेट सेवा निलंबन की अवधि 24 घंटे के लिए बढ़ा दी है। एक अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंध पहले बुधवार दोपहर 12 बजे तक लागू था। मंगलवार को कड़ी सुरक्षा और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में महिला के शव को उसके गांव में दफना दिया गया।

एक अधिकारी ने बताया, 'कटा हुआ सिर बरामद होने के बाद पुलिस जांच में जुटी है और महिला की हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए छानबीन कर रही है।

महिला एक दिसंबर से लापता थी और उसके परिवार वालों ने तीन दिसंबर को गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया था। महिला का शव चार दिसंबर को मिला जबकि सिर बुधवार को बरामद किया गया।

सिर कटा शव मिलने के बाद रविवार दोपहर हिंसा भड़क गयी थी। राखेलगुडा गांव में रहने वाले आदिवासी लोगों ने बड़ी संख्या में जिले के एमवी-26 गांव पर कथित रूप से हमला कर दिया। इस गांव में ज्यादातर लोग बांग्ला भाषी हैं। एमवी-26 गांव में आदिवासियों ने हमला कर लगभग 200 घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया और कुछ में आग लगा दी। इस बीच, पुलिस ने आदिवासी महिला की हत्या के आरोप में सुभा रंजन मंडल (42) को गिरफ्तार कर लिया।

मलकानगिरि जिलाधिकारी सोमेश कुमार उपाध्याय ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ₹प्रशासन ने एमवी-26 गांव में एक निःशुल्क रसोई खोली है और लोगों को भोजन, कंबल और अन्य आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई गयी हैं। गांव से भागे लगभग 300 लोग लौट आए हैं और एक अस्थायी आश्रय में रह रहे हैं।

16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर लगा प्रतिबंध

एजेंसी। मेलबर्न (आस्ट्रेलिया)

■ पीएम एंथनी अल्बनीज ने कहा, यह सुधार जिंदगियां बदल देगा

ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध बुधवार से प्रभावी हो गया है और देश के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने दुनिया में इस तरह के पहले सोशल मीडिया प्रतिबंध का स्वागत किया है।

हालांकि, अल्बनीज ने आगाह किया है कि इसका कार्यान्वयन कठिन हो सकता है।

अल्बनीज ने सार्वजनिक प्रसारक 'ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन' (एबीसी) को बताया, "आज वो दिन है जब ऑस्ट्रेलिया के परिवार इन बड़ी तकनीकी कंपनियों से अधिकार वापस ले रहे हैं और बच्चों के बच्चे होने के अधिकार और माता-पिता के मानसिक शांति के अधिकार पर जोर दे रहे हैं।''

अल्बनीज ने बाद में सिडनी में सुधार समर्थकों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, "यह सुधार जिंदगियां बदल देगा। ऑस्ट्रेलियाई बच्चों के लिए... उन्हें अपना बचपन जीने का मौका देगा। ऑस्ट्रेलिया के माता-पिता के लिए, उन्हें अधिक मानसिक शांति प्रदान करेगा। लेकिन वैश्विक समुदाय के लिए भी, जो ऑस्ट्रेलिया की ओर देख रहे हैं और कह रहे हैं: अगर ऑस्ट्रेलिया यह कर सकता है, तो हम क्यों नहीं?''

इस सभा में वे माता-पिता भी शामिल थे जो अपने बच्चों की आत्महत्या के लिए सोशल मीडिया को जिम्मेदार ठहराते हैं।

फेसबुक, इंस्टाग्राम, किक, रेडिट, स्नैपचैट, थ्रेड्स, टिकटॉक, एक्स, यूट्यूब और ट्विच जैसे सोशल मीडिया मंच अगर 16 वर्ष से कम उम्र के ऑस्ट्रेलियाई बच्चों के अकाउंट को हटाने के लिए उचित कदम उठाने में विफल रहते हैं तो उन्हें बुधवार से 4.95 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (3.29 करोड़ अमेरिकी डॉलर) तक के जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है।

अल्बनीज ने कहा कि सोशल मीडिया प्रतिबंध का कार्यान्वयन कठिन होगा। ऑस्ट्रेलिया क्रिसमस तक यह पुष्टि करेगा कि सोशल मीडिया पर प्रतिबंध कारगर साबित हो रहा है या नहीं।

कारोबार

ओमान, न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता अंतिम चरण में : गोयल

जयपुर। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि ओमान और न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के लिए बातचीत अपने अंतिम चरण में है और दोनों के जल्द ही संपन्न होने की उम्मीद है। उन्होंने संकेत दिया कि दक्षिण अमेरिकी देश चिली के साथ भी व्यापार समझौते के लिए बातचीत जल्द पूरी हो जाएगी। मंत्री ने कहा कि ओमान के साथ समझौते के लिए बातचीत अंतिम चरण में है और न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले शुक्रवार को नयी दिल्ली आ रहे हैं। मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत अंतिम चरण में पहुंच रही है। इस बीच, वाणिज्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि गहन वार्ता के तीन दौर (नवंबर 2023-मार्च 2024) के बाद दोनों पक्ष सीईपीए (व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता) के सभी घटकों पर एक समझौते पर पहुंच गए हैं जिसमें पाठ्य एवं बाजार पहुंच प्रस्ताव शामिल हैं।

इसमें कहा गया कि मार्च 2024 में मंत्रिमंडल द्वारा प्रस्तुत एक प्रस्ताव को स्थगित कर दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप आगे की बातचीत की आवश्यकता पड़ी। चौथे दौर (सितंबर 2024) और पांचवें दौर (13-14 जनवरी 2025) में संशोधित प्रस्तावों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

भारत के नए उड़ान संबंधी नियम कार्यावधि को सीमित करने वाले लगते हैं : आईएटीए

जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) के महानिदेशक विली वॉल्श ने कहा कि पायलटों के लिए नए उड़ान 'ड्यूटी' नियम अन्य देशों की तुलना में कार्यावधि को सीमित करने वाले प्रतीत होते हैं और स्थिति सामान्य होने में समय लगेगा।

भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो के समक्ष पिछले एक सप्ताह में पेश हुई परिचालन संबंधी बाधाओं की पृष्ठभूमि में वॉल्श ने यह बात कही है।

इन व्यवधानों के कारण इंडिगो की सैकड़ों उड़ानें रद्द की गईं और हजारों यात्री प्रभावित हुए। वॉल्श ने कहा, "भारत के नए नियम अन्य देशों के नियमों की तुलना में (कार्यावधि को) सीमित करने वाले प्रतीत होते हैं लेकिन मुझे लगता है कि आपको हमेशा यह स्वीकार करना होगा कि नियामकों की यह जिम्मेदारी है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उद्योग सुरक्षित हो।'' उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि ये बदलाव सही कारणों से लागू किए गए हैं। अब बस कुछ समय की बात है जब सब कुछ सामान्य हो जाएगा।''

वाहन कलपुर्जों पर शुल्क रियायत के लिए सोच-समझकर कदम उठाने की जरूरत

नई दिल्ली। एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल कुमार मिंडा ने यूरोपीय संघ के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते के तहत मोटर वाहन कलपुर्जों पर आयात शुल्क में अंधाधुंध कटौती को लेकर आगाह किया और कहा कि घरेलू विनिर्माताओं खासतौर पर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को नुकसान से बचाने के लिए ऐसी रियायतें "सोच-समझकर'' दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि प्रस्तावित समझौते के तहत यूरोपीय संघ (ईयू) को दी जाने वाली शुल्क रियायतों से घरेलू कंपनियों को उन्नत प्रौद्योगिकी, बड़े बाजारों एवं स्थिर आपूर्ति श्रृंखलाओं तक पहुंच मिलती है तो उन पर विचार करना सही होगा खासकर उन उत्पादों के लिए जिनमें भारत को लागत के मामले में लाभ मिलता है। मिंडा ने 'पीटीआई-भाषा' को ई-मेल के जरिये दिए साक्षात्कार में कहा, "हालांकि पूर्ण कटौती से घरेलू आपूर्तिकर्ताओं खासतौर पर एमएसएमई को नुकसान हो सकता है क्योंकि यूरोपीय संघ के घटक अक्सर मजबूत पैमाने, स्वचालन एवं सब्सिडी वाले होते हैं।'' भारत और 27 देशों का यूरोपीय संघ 2007 से एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। नौ दिसंबर को दोनों पक्षों ने समझौते पर एक उच्च स्तरीय बैठक की। यूरोपीय संघ देश के मोटर वाहन एवं घटक क्षेत्रों में आयात शुल्क में रियायत की मांग कर रहा है।

सरकार ने अब तक दो लाख से अधिक फर्मों को स्टार्टअप के रूप में मान्यता दी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि सरकार ने अब तक दो लाख से अधिक फर्मों को स्टार्टअप के रूप में मान्यता दी है। 'स्टार्टअप इंडिया' पहल के तहत मान्यताप्राप्त फर्म आयकर छूट जैसे प्रोत्साहनों का लाभ उठाने के लिए पात्र हो जाती हैं।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "आज की तारीख तक उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने कुल 2,01,335 स्टार्टअप को मान्यता दी है। इन स्टार्टअप ने देश भर में 21 लाख से अधिक रोजगार सृजित किए हैं।'' बयान के मुताबिक, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 14 क्षेत्रों में जून 2025 तक 1.88 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वास्तविक निवेश हासिल किया जा चुका है।

पीएलआई योजनाओं के तहत 7.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात भी हुआ है जिसमें इलेक्ट्रॉनिक, औषधि, दूरसंचार व नेटवर्किंग उत्पाद और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

ग्राम पंचायत चुनाव से पहले कांग्रेस समर्थकों से झड़प में

तेलंगाना में बीआरएस कार्यकर्ता की मौत

भाषा। हैदराबाद

■ रामाराव आरोप लगाया, कांग्रेस "हत्या की राजनीति" कर रही है

तेलंगाना में ग्राम पंचायत चुनाव के पहले चरण का मतदान शुरू होने से पहले सूर्यापेट जिले में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी दल के समर्थकों के बीच हुई झड़प में भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस "हत्या की राजनीति'' कर रही है। उन्होंने कहा, 'यह सत्तारूढ़ दल के दिवालियापन को दर्शाता है कि लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव का सामना करने में असमर्थ होने के कारण वह हमलों का सहारा ले रही है।'

यह घटना मंगलवार को चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद लिंगमपल्ली गांव में हुई। पुलिस ने बताया कि दो समूहों के बीच हुई कहासुनी के बाद लाठी-डंडों से हमला और पथराव किया गया, जिसमें 57 वर्षीय व्यक्ति के सिर में चोट आई।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ₹उन्हें पहले सूर्यापेट के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया और फिर हैदराबाद के एक अन्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया लेकिन बुधवार तड़के उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।₹

मृतक व्यक्ति की बहू वार्ड सदस्य का चुनाव लड़ रही है।

पुलिस को दी गई शिकायत में मृतक के परिवार वालों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस समर्थकों के हमले में उनकी मौत हुई।

पुलिस ने बताया कि गांव में स्थिति शांतिपूर्ण है और अतिरिक्त बल की तैनाती की गयी है।

रामा राव ने एक बयान में कहा, ₹बीआरएस कांग्रेसी गुंडों के अत्याचारों को बर्दाश्त नहीं करेगा।₹

उन्होंने आश्वासन दिया कि बीआरएस नेतृत्व पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता और नेता के साथ खड़ा रहेगा तथा मृतक कार्यकर्ता के परिवार को सहायता प्रदान करेगा।

रामा राव ने पुलिस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।

पुलिस ने बताया कि नुथनकल थाने में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। तेलंगाना राज्य निर्वाचन आयोग ने इससे पहले राज्य में ग्राम पंचायत चुनावों के लिए तीन चरणों में मतदान कराने की घोषणा की थी।

उ. कोरिया में सत्तारूढ़ पार्टी के पूर्ण अधिवेशन की तैयारियां शुरू

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और शीर्ष अधिकारियों ने पांच साल बाद होने जा रहे सत्तारूढ़ पार्टी के पहले पूर्ण अधिवेशन की तैयारियों पर चर्चा के लिए बैठक की। सरकारी मीडिया में बुधवार को यह खबर दी गई।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया उत्तर कोरिया से वार्ताएं दोबारा शुरू करना चाहते हैं, ऐसे में इस उच्चस्तरीय अधिवेशन में नयी प्राथमिकताएं तय की जाएंगी।

कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने खबर दी कि किम ने मंगलवार को वर्कर्स पार्टी की एक पूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान पार्टी के अधिवेशन से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के साथ साथ इस साल की सरकारी नीतियों की समीक्षा की गई। केसीएनए ने इसके अलावा कोई जानकारी नहीं दी। जानकारों के अनुसार पूर्ण बैठक कुछ दिन चलेगी, जिसमें पार्टी के अधिवेशन का आधिकारिक एजेंडा तय किया जाएगा।

नक्सलियों के विरुद्ध दर्ज मामलों के निराकरण की प्रक्रिया का अनुमोदन

भाषा। रायपुर

छत्तीसगढ़ में मंत्रिपरिषद ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के विरूद्ध दर्ज आपराधिक मामलों के निराकरण/वापसी संबंधी प्रक्रिया को अनुमोदित कर दिया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां सिविल लाईन स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

उन्होंने बताया कि मंत्रिपरिषद ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के विरुद्ध दर्ज मामलों की समीक्षा और जांच के लिए, जिन्हें न्यायालय से वापस लिया जाना है, मंत्रिपरिषद उप समिति के गठन को स्वीकृति दी है।

अधिकारियों ने बताया कि यह समिति जांच के बाद प्रकरणों को मंत्रिपरिषद के समक्ष प्रस्तुत करेगी। यह निर्णय छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025 के प्रावधानों के अनुरूप है, जिसके अंतर्गत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के अच्छे आचरण तथा नक्सलवाद उन्मूलन में दिए गए योगदान को ध्यान में रखकर उनके विरुद्ध दर्ज मामलों के निराकरण पर विचार का प्रावधान है।

उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के खिलाफ दर्ज मामलों की वापसी की प्रक्रिया के लिए जिला स्तरीय समिति के गठन का प्रावधान किया गया है। यह समिति आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली के आपराधिक मामलों की वापसी के लिए रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को प्रस्तुत करेगी। पुलिस मुख्यालय इस पर अपनी राय सहित प्रस्ताव भेजेगा।

शासन द्वारा विधि विभाग की राय प्राप्त कर मामलों को मंत्रिपरिषद उप समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। उपसमिति द्वारा अनुशंसित मामलों को अंतिम अनुमोदन के लिए मंत्रिपरिषद के समक्ष रखा जाएगा।

अमेरिकी विवि में गोलीबारी, एक की मौत

फ्रैंकफर्ट (अमेरिका) (एजेंसी)। अमेरिका की 'केंटकी स्टेट यूनिवर्सिटी' के एक आवासीय हॉल में मंगलवार को हुई गोलीबारी में एक छात्र की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध स्कूल का छात्र नहीं है और उसे हिरासत में ले लिया गया है। फ्रैंकफर्ट के सहायक पुलिस प्रमुख स्कॉट ट्रेसी ने मंगलवार शाम एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दोपहर करीब तीन बजे हुई गोलीबारी का संदिग्ध केंटकी स्टेट का छात्र नहीं है। ट्रेसी ने बताया कि पुलिस ने गोलीबारी पर तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने कहा, "फ्रैंकफर्ट पुलिस का मानना है कि परिसर में सुरक्षा को लेकर इस समय कोई गंभीर चिंता नहीं है।''

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति सरकोजी ने जेल में अपने अनुभव साझा किए

एजेंसी। पेरिस

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी ने अपनी एक किताब में उस जेल का वर्णन किया है, जहां उन्होंने 20 दिन बिताए थे। उन्होंने जेल को शोरगुल वाली जगह, कठोर व अमानवीय हिंसा से भरी दुनिया बताया है। सरकोजी की इस पुस्तक का बुधवार को विमोचन किया गया जिसमें इस बारे में राजनीतिक सलाह भी दी गई है कि उनकी कंजर्वेटिव पार्टी को धुर दक्षिणपंथी मतदाताओं को कैसे आकर्षित करना चाहिए।

'डायरी ऑफ ए प्रिजनर' नामक इस पुस्तक में 70 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति ने कहा है कि अपराध के प्रति उनके अपने सख्त रुख ने एक नया रूप ले लिया है। सरकोजी को 2007 के अपने विजयी चुनावी अभियान को लीबिया से प्राप्त धन से वित्तपोषित करने के मामले में आपराधिक साजिश का दोषी पाया गया था।

अदालत ने सितंबर में सरकोजी को पांच साल की जेल की सजा सुनाई। करीब 20 दिन जेल में बिताने के बाद उन्हें न्यायिक निगरानी में रिहा कर दिया गया। यह पुस्तक पेरिस की ला सैंटे जेल के अंदर की दुर्लभ झलक पेश करती है, जहां सरकोजी को एकांत कारावास में रखा गया था और सुरक्षा कारणों से उन्हें अन्य कैदियों से सख्ती से अलग रखा गया था।

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, छह विवि के मध्य 'रक्षक पाठ्यक्रम' के लिए एमओयू

भाषा। रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और राज्य के छह विश्वविद्यालयों के मध्य 'रक्षक पाठ्यक्रम' के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। बाल अधिकार और संरक्षण पर आधारित यह पाठ्यक्रम देश में अपनी तरह का पहला शैक्षणिक नवाचार है।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और राज्य के छह विश्वविद्यालयों के मध्य 'रक्षक पाठ्यक्रम' के लिए एमओयू संपन्न हुआ। बाल अधिकार एवं संरक्षण पर आधारित यह अनूठा पाठ्यक्रम देश में अपनी तरह का पहला शैक्षणिक नवाचार है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा, "रक्षक पाठ्यक्रम छात्रों के सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह पाठ्यक्रम युवाओं को न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करेगा, बल्कि बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में आवश्यक विशेषज्ञता भी विकसित करेगा।'' उन्होंने कहा कि कई बार बच्चे भूलवश या भ्रमित होकर गलत दिशा में चले जाते हैं क्योंकि वे अबोध होते हैं। ऐसे बच्चों को सही मार्ग पर लाना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय ने रक्षक पाठ्यक्रम को रिकॉर्ड समय में तैयार करने और विश्वविद्यालयों में इसे लागू करने के लिए आयोग की अध्यक्ष डॉक्टर वर्णिका शर्मा और उनकी पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने बताया कि यह एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम 'पीजी डिप्लोमा इन चाइल्ड राइट्स एंड प्रोटेक्शन' पाठ्यक्रम पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, आंजनेय विश्वविद्यालय, रायपुर, एमिटी विश्वविद्यालय, रायपुर और श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई-दुर्ग में शुरू होगा।

अदाणी समूह 2031 तक भारत में 12 लाख करोड़ निवेश करेगा

भाषा। धनबाद (झारखंड)

बंदरगाह से लेकर ऊर्जा क्षेत्र में फैले अदाणी समूह की अगले छह वर्षों में भारत में 12 लाख करोड़ रुपये तक निवेश करने की योजना है। समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने यह जानकारी दी। बुनियादी ढांचे, खनन, नवीकरणीय ऊर्जा व बंदरगाहों समेत अन्य क्षेत्रों में बड़ा निवेश किया जाएगा।

अडाणी ने पीटीआई-भाषा से कहा, "निवेश की अपार संभावनाएं हैं। हम अगले छह साल में भारत में 10 से 12 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेंगे।" उद्योगपति ने कहा कि कोरपोरेट भारत और उद्योगपति पीएम नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भरता के आ''ान के साथ जुड़ रहे हैं, जिसे उन्होंने भारत की नई स्वतंत्रता बताया है। अदाणी ने कहा, "आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए संघर्ष जारी है... प्रधानमंत्री ने भी इसका आ''ान किया है... यह एक नई आजादी है। हर उद्योगपति और हर समूह इसी पर काम कर रहा है।" वह आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के शताब्दी समारोह में भाग लेने के लिए यहां आये थे। उन्होंने कहा, प्रस्तावित निवेश में बुनियादी ढांचा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा परिवर्तन, बंदरगाह और अन्य चीजें शामिल होंगी।

2023 में एक अरब लोगों ने यौन हिंसा का सामना किया : लैंसेट

भाषा। नई दिल्ली

दुनिया भर में साल 2023 में 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र के एक अरब से अधिक लोगों ने बचपन में यौन हिंसा झेली और लगभग 60.8 करोड़ महिलाएं अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा की शिकार हुईं।

उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा और यौन हिंसा दोनों की सबसे अधिक दर पाई गई।

शोधकर्ताओं ने कहा कि इन क्षेत्रों में हिंसा से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव, एचआईवी और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों की उच्च दर के कारण और भी गंभीर हो जाते हैं। भारत में अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा की शिकार महिलाओं की दर 23 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा अनुमान है कि 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग की 30 प्रतिशत से अधिक महिलाओं और 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के लगभग 13 प्रतिशत पुरुषों ने बचपन में यौन हिंसा झेली।

शोधकर्ताओं ने 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज' (जीबीडी) शोध 2023 के आंकड़ों का विश्लेषण किया जिसे ₹विभिन्न क्षेत्रों और समय के आधार पर स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान को मापने का अब तक का सबसे बड़ा और व्यापक प्रयास₹ माना जाता है। इस जीबीडी अध्ययन का समन्वय अमेरिका की वाशिंगटन यूनिवर्सिटी ने किया था।

लेखकों ने शोध में लिखा, ₹विश्व स्तर पर, हमने अनुमान लगाया कि 2023 में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की 60.8 करोड़ महिलाएं कभी न कभी अंतरंग साथी की हिंसा का शिकार हुई हैं, और 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के 1.01 अरब व्यक्तियों ने बचपन में यौन हिंसा का अनुभव किया। अध्ययन में ऐसे नए प्रमाण सामने आए हैं जिनसे पता चलता है कि बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा और अंतरंग साथी द्वारा की जाने वाली हिंसा का संबंध पहले से माने ज्ा रहे दायरे से कहीं अधिक स्वास्थ्य समस्याओं से है। इसके कारण स्वास्थ्य समस्याओं और अक्षमताओं के मामलों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

संक्षिप्त समाचार

मेस्सी एमएलएस के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

फोर्ट लॉडरडेल (फ्लोरिडा)। इंटर मियामी के स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में लगातार दूसरी बार साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।अर्जेंटीना के इस 38 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन से उनकी टीम इंटर मियामी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार हासिल करने में सफल रही।एमएलएस कप चैंपियन टीम के कप्तान मेस्सी एमएलएस के इतिहास में लगातार दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (एमवीपी) का खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। मंगलवार को उन्हें लीग के इस साल के सर्वोच्च व्यक्तिगत सम्मान का विजेता घोषित किया गया।मेस्सी ने अपने साथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके बिना यह पुरस्कार जीतना संभव नहीं था। वह लीग के इतिहास में दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनसे पहले प्रेकी ने 1997 और 2003 में यह पुरस्कार जीता था।

निशानेबाजी लीग 16 फरवरी से

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजी लीग (एसएलआई) के पहले सत्र का आयोजन अगले साल 16 से 26 फरवरी तक किया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने बुधवार को यह जानकारी दी।बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से टकराव से बचने के लिए अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ(आईएसएसएफ) के 2026 कैलेंडर के हिसाब से तारीखें तय की गई हैं। लीग को इससे पहले 2026 की शुरुआत तक टाल दिया गया था।फ्रेंचाइजी आधारित इस लीग में कई शीर्ष भारतीय और अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज पिस्टल, राइफल और शॉटगन वर्ग में मिश्रित टीम प्रारूप में मुकाबला करेंगे। एनआरएआई अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने विज्ञप्ति में कहा,एसएलआई हमारे खेल के लिए एक मील का पत्थर है जो फ्रेंचाइजी आधारित, खिलाड़ियों को तरजीह देने वाला है और अधिक से अधिक प्रतिनिधित्व के लिए वैश्विक कैलेंडर के हिसाब से है।इस प्रतियोगिता में कई वर्ग में मिश्रित टीम स्पर्धाएं होंगी जिसमें पिस्टल (10 मीटर, 25 मीटर), राइफल (10 मीटर, 50 मीटर थ्री पोजीशन) और शॉटगन (ट्रैप और स्कीट) शामिल हैं।

एमओयू पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और इटली की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (सीओएनआई) ने बुधवार को खेलों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसमें दोनों देशों के बीच खेलों के सहयोग में ट्रेनिंग, बुनियादी ढांचा साझा करने और खेल विज्ञान पर विशेष जोर दिया गया है।यह समझौता "खेलों के संयुक्त प्रोत्साहन, विशेषज्ञता के आदान-प्रदान और दोनों देशों के उच्च स्तरीय बुनियादी ढांचे और उत्कृष्टता केंद्रों तक खिलाड़ियों, कोचों और खेल विज्ञान के पेशेवरों की पारस्परिक पहुंच के लिए एक संरचित ढांचा प्रदान करता है। हस्ताक्षर समारोह में इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री एंटोनियो तजानी तथा भारत के खेल मंत्री मनसुख मांडविया उपस्थित थे।आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने अपने बयान में कहा,आज भारतीय ओलंपिक आंदोलन के लिए एक गर्व का पल है। इटली की ओलंपिक समिति के साथ यह साझेदारी हमारे खिलाड़ियों को दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित खेल प्रणालियों में ट्रेनिंग करने और सीखने का मौका प्रदान करती है। खेल मंत्री मांडविया ने कहा,यह साझेदारी भारत की खेल महत्वाकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण समय पर हुई है।

अमूल ने एएफए से अनुबंध बढ़ाया

मुंबई। घरेलू डेयरी ब्रांड अमूल ने बुधवार को कहा कि उसने फीफा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) के साथ आधिकारिक क्षेत्रीय प्रायोजक के तौर पर साझेदारी एक और सत्र के लिए बढ़ा दी है।अमूल ने बयान में कहा कि अपने जुड़ाव के चौथे साल में एएफए ने विश्व कप 2026 चक्र के दौरान अर्जेंटीना टीम के साथ अमूल की साझेदारी की पुष्टि की है। अमूल अर्जेंटीना फुटबॉल के इतिहास में पहला भारतीय क्षेत्रीय प्रायोजक है। वह अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के साथ 2022 से जुड़ा है।

राष्ट्रमंडल खो खो चैंपियनशिप भारत में

नईदिल्ली। अगले साल नौ से 14 मार्च तक भारत में होने वाली पहली राष्ट्रमंडल खो खो चैंपियनशिप में 24 से ज्यादा देश शिरकत करेंगे। हालांकि इसके लिए भारत में जगह अभी तय नहीं हुई है।राष्ट्रमंडल खेल (सीएस) की भारत में चैंपियनशिप के लिए मंजूरी मिलने के बाद भारतीय खो खो महासंघ जगह तय करने के लिए कई राज्यों से बात कर रहा है।इस टूर्नामेंट में पुरुषों की 16 और इतनी ही महिलाओं की टीम हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट इस साल जनवरी में दिल्ली में हुए पहले खो खो विश्व कप की तरह होगा जिसमें 23 देशों ने हिस्सा लिया था।अहमदाबाद को हाल में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए मेजबान शहर के तौर पर आधिकारिक रूप से पुष्टि किए जाने के बाद यह भारत में पहला राष्ट्रमंडल खो खो टूर्नामेंट होगा। खो खो महासंघ के महासचिव उपकार सिंह विर्क ने कहा, "हम जगह को फाइनल करने के लिए कई राज्यों से बात कर रहे हैं। 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों से पहले हमें उम्मीद है कि यह चैंपियनशिप खो खो को दोहा एशियाई खेलों (2030), राष्ट्रमंडल खेलों (2030) और ब्रिस्बेन ओलंपिक (2032) में शामिल करने की दिशा में एक अहम कदम साबित होगी।

डीके मेंटर व बल्लेबाजी कोच बने

लंदन। भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को द हंड्रेड की टीम लंदन स्पिरिट का मेंटर (मार्गदर्शक) और बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है। फ्रेंचाइजी ने यह घोषणा की है। कार्तिक पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग से इतर सहयोगी स्टाफ की भूमिका निभाएंगे। वह आईपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ इसी भूमिका में काम करते हैं।लंदन स्पिरिट के क्रिकेट निदेशक मो बोबाट ने एक बयान में कहा,डीके (दिनेश कार्तिक) का लंदन स्पिरिट में स्वागत करना हमारे लिए खुशी की बात है। उन्हें क्रिकेट का बहुत अच्छा ज्ञान है और खेल के सबसे छोटे प्रारूप में फ्रेंचाइजी क्रिकेट में उनका व्यापक अनुभव हमारे लिए अमूल्य साबित होगा।कार्तिक ने आईपीएल 2024 के बाद घरेलू क्रिकेट में एक खिलाड़ी के रूप में अपना करियर समाप्त कर दिया था, लेकिन वे अन्य लीग में खेलते हैं। 40 वर्षीय कार्तिक वर्तमान में यूएई की आईएलटी20 लीग में शारजाह वॉरियर्स की टीम में शामिल हैं। वह एसए20 के पिछले यत्र में पार्ल रॉयल्स की तरफ से खेले थे।कार्तिक ने कहा,लंदन स्पिरिट से जुड़ने का यह कितना शानदार समय है। मैं वास्तव में इसके लिए उत्साहित हूं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टी20 आज रात 7 बजे से,भारत सीरीज में 1-0 से आगे

फार्म की तलाश में उतरेंगे शुभमन गिल

एजेंसी। मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़)

अभी तक सबसे छोटे प्रारूप में अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपने घरेलू मैदान पर फॉर्म में वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पांच मैचों की इस श्रृंखला के पहले दो मैचों के बीच केवल एक दिन का अंतराल है और ऐसे में गिल को सीधे मैदान पर उतरकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारत ने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को 101 रन से करारी शिकस्त दी लेकिन सितंबर में एशिया कप में टी20 टीम में वापसी करने वाले गिल का औसत प्रदर्शन अभी भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में कप्तान के रूप में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन टी20 में वह अपनी इस सफलता को नहीं दोहरा पाए हैं जिससे उन पर दबाव बनना स्वाभाविक है।संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, फिर भी टीम प्रबंधन ने गिल की टी20 सलामी बल्लेबाज के रूप में क्षमता पर अधिक भरोसा दिखाया। इसके बाद संजू की टीम में जगह अनिश्चित हो गई।टेस्ट और वनडे कप्तान गिल आसानी से वह भूमिका निभा सकते हैं जो विराट कोहली ने पिछले साल टी20 विश्व कप तक भारत के लिए निभाई थी। भारतीय टीम में आठवें नंबर तक बल्लेबाजी के विकल्प मौजूद हैं और उसने अब अपने निडर दृष्टिकोण को और मजबूत कर लिया है, जिससे एक सूत्रधार के लिए बहुत कम जगह बची है।गिल निश्चित रूप से पावरप्ले में अभिषेक शर्मा की तरह आक्रामक बल्लेबाजी नहीं कर सकते हैं और इसलिए उन्हें यह पता लगाना होगा कि वह अपनी भूमिका कैसे अच्छी तरह निभा सकते हैं। गिल के अलावा कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन भी अगले साल फरवरी मार्च में होने वाले विश्व कप से पहले चिंता का विषय बना हुआ है। उनका विश्व कप से पहले फॉर्म में लौटना भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।न्यू चंडीगढ़ के ठंडे वातावरण में भारत का अपने विजयी संयोजन में कोई बदलाव करने की संभावना नहीं है। चोट से उबरकर राष्ट्रीय टीम में वापसी करते हुए हार्दिक पंड्या ने अदद ऑलराउंडर के रूप में अपनी स्थिति को फिर से साबित कर दिया। कटक में पहले मैच में उनकी 28 गेंदों में खेली गई 59 रन की पारी ने मुश्किल विकेट पर बहुत बड़ा अंतर पैदा किया। वह अपने इस प्रदर्शन को यहां भी जारी रखने के लिए उत्सुक होंगे। पहले मैच में खेलने वाली टीम से यह भी संकेत मिला कि दो प्रमुख गेंदबाज अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव एक साथ अंतिम एकादश का हिस्सा नहीं हो सकते हैं क्योंकि टीम प्रबंधन आठवें नंबर तक अच्छे बल्लेबाज को रखने के पक्ष में है। पहले मैच में अर्शदीप को मौका मिला और इस प्रारूप में भारत की तरफ से सर्वाधिक विकेट लेने वाले इस तेज गेंदबाज ने जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी करते हुए एक बार फिर टीम को शुरुआती विकेट दिलाए।दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के लिए बल्लेबाजी चिंता का विषय होगा क्योंकि उसकी टीम 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 74 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्क्रम ने भी स्वीकार किया कि उनके बल्लेबाज परिस्थितियों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए। मार्क्रम ने पहले मैच के बाद कहा,आजकल टी20 क्रिकेट में चीजों को समझने का ज्यादा समय नहीं मिलता। लेकिन सबसे बड़ा कारण स्पष्ट रूप से साझेदारी न बना पाना, विकेट गिरने के बाद संभल न पाना और लय न बना पाना था। हमें इस पर गौर करना होगा। सितंबर में दो महिला वनडे मैचों की मेजबानी करने के बाद इस मैदान पर पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला जाएगा। मैच के दौरान युवराज सिंह और हरमनप्रीत कौर के नाम पर बने स्टैंड का भी अनावरण किया जाएगा।

वनडे रैंकिंग: कोहली दूसरे स्थान पर पहुंचे,रोहित शीर्ष पर बरकरार

एजेंसी। दुबई

भारत के महान क्रिकेटर विराट कोहली सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज का स्थान फिर हासिल करने की कवायद में आगे बढ़ते हुए बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। कोहली अप्रैल 2021 में पाकिस्तान के बाबर आजम द्वारा शीर्ष से हटाए जाने के बाद से दोबारा एकदिवसीय बल्लेबाजों सूची में नंबर एक स्थान हासिल नहीं कर पाए हैं। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में संपन्न तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन की बदौलत दाएं हाथ का यह बल्लेबाज एक बार फिर शीर्ष स्थान हासिल करने के करीब पहुंच गया है। सैंतीस साल के कोहली को तीन मैच में 302 रन बनाने के लिए श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया और वह नवीनतम रैंकिंग में दो स्थान के सुधार से टीम के अपने साथी रोहित शर्मा के बाद दूसरे स्थान पर आ गए।रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में 146 रन बनाकर रैंकिंग के शीर्ष पर अपनी जगह बरकरार रखी। कोहली विशाखापत्तनम में श्रृंखला के आखिरी मैच में नाबाद 65 रन की पारी की बदौलत रोहित से सिर्फ आठ रेटिंग अंक पीछे हैं। रोहित के 781 जबकि कोहली के 773 अंक हैं।शुभमन गिल चोट के कारण तीन मैच की श्रृंखला में नहीं खेल पाने के बावजूद पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में टीम की अगुआई करने वाले लोकेश राहुल दो स्थान के फायदे से 12वें पायदान पर हैं। बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव गेंदबाजों की सूची में तीन स्थान के फायदे से तीसरे नंबर पर आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक (तीन पायदान ऊपर 13वें स्थान पर), एडेन मारक्रम (चार पायदान ऊपर 25वें स्थान पर) और तेम्बा बावुमा (तीन पायदान ऊपर 37वें स्थान पर) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। टी20 अंतराष्ट्रीय रैंकिंग में अक्षर पटेल (दो पायदान ऊपर 13वें स्थान पर), अर्शदीप सिंह (तीन पायदान ऊपर 20वें स्थान पर) और जसप्रीत बुमराह (छह पायदान ऊपर 25वें स्थान पर) की भारत की तिकड़ी ने कटक में पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 101 रन की जीत के बाद रैंकिंग में सुधार किया। यशस्वी जायसवाल टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय बल्लेबाज बने हुए हैं। गिल और ऋषभ पंत एक-एक पायदान आगे बढ़कर क्रमशः 11वें और 13वें स्थान पर हैं।ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में फायदा हुआ है।

जूनियर महिला विश्व कप हॉकी

निधि के गोल से भारत ने उरुग्वे को 3-1 से हराया

सैंटियागो (चिली)। गोलकीपर निधि के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पेनल्टी शूटआउट में उरुग्वे को 3-1 से हराकर जूनियर महिला विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में में नौवें स्थान पर रहने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा। नौवें से 12वें स्थान के लिए खेले गए इस क्लासिफिकेशन मैच में दोनों टीम निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी। भारत की तरफ से मनीषा ने 19वें मिनट जबकि उरुग्वे के लिए जस्टिना अरेगुई ने 60वें मिनट में गोल किया। पेनल्टी शूटआउट में भारत की तरफ से पूर्णिमा यादव, इशिका और कनिका सिवाच ने गोल किए, जबकि गोलकीपर निधि ने उरुग्वे के तीन गोल का बचाव करके अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। पहले क्वार्टर में भारत का दबदबा रहा और उसने शुरुआत में ही कई मौके बनाए। हालांकि उरुग्वे को पांचवें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया।भारत ने 18वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन साक्षी राणा का शॉट विपक्षी गोलकीपर ने रोक दिया। इसके कुछ क्षण बाद ही मनीषा ने हालांकि भारत को बढ़त दिला दी।

भारत ने नौ साल बाद जूनियर हॉकी विश्व कप में जीता कांस्य

- भारत ने 2021 की चैम्पियन अर्जेंटीना को कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में 4-2 से हराया

एजेंसी। चेन्नई

आखिरी 11 मिनट में चार गोल करके भारत ने 2021 की चैम्पियन अर्जेंटीना को बुधवार को कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में 4-2 से हराकर नौ साल बाद जूनियर पुरूष हॉकी विश्व कप में पदक जीत लिया ।दो बार (होबार्ट 2001 और लखनऊ 2016) में चैम्पियन रही भारतीय टीम ने आखिरी बार नौ साल पहले कोई पदक जीता था । पिछले दो बार टीम कांस्य पदक का मुकाबला हारकर चौथे स्थान पर रही थी । भारत के लिये अंकित पाल (49वां), मनमीत सिंह (52वां), शारदानंद तिवारी (57वां) और अनमोल इक्का (58वां) ने गोल दागे । वहीं अजेंटीना के लिये निकोलस रौद्रिगेज (पांचवां) और सैंटियागो फर्नांडिस (44 वां) ने गोल किये। तीन क्वार्टर तक दो गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने शानदार वापसी करते हुए आखिरी क्वार्टर में दनादन चार गोल कर- के खचाखच भरे मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में मानो जान फूंक दी । पहले 49वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को अंकित ने गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। वहीं 52वें मिनट में भारत को फिर पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर अनमोल इक्का के शॉट पर गेंद डिफ्लैक्ट होकर मनमीत की स्टिक से टकराकर गोल के भीतर गई। स्कोर 2-2 से बराबर होने के बाद लग रहा था कि मैच शूटआउट में जायेगा लेकिन आखिरी सीटी बजने से तीन मिनट बाकी रहते भारत को अहम पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे शारदानंद तिवारी ने गोल में बदलकर पहली बार भारत को बढत दिलाई ।

अर्जेंटीना को अगले मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन इस टूर्नामेंट की खोज रहे गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने एक बार फिर शानदार बचाव किया । भारत को 58वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को अनमोल इक्का ने गोल में बदला ।पहले तीन मिनट में ही गोल गंवाने से स्तब्ध भारतीय टीम पहले पूरे क्वार्टर में दबाव में नजर आई । टूर्नामेंट के राउंड रॉबिन चरण में 29 गोल करने वाली मेजबान टीम कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ गोल करने के लिये जूझती दिखी । पिछले मैच में जर्मनी ने उसकी फॉरवर्ड पंक्ति को बांधे रखा तो वहीं इस मुकाबले में पहले हाफ में अर्जेंटीना के गोल में ज्यादा घुस नहीं पाये और एक भी पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में नाकाम रहे ।

ब्लेयर के आगे नहीं टिक सकी वेस्टइंडीज

एजेंसी। वेलिंगटन

न्यूजीलैंड ने तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर के चोटिल होने से पहले किए गए शानदार प्रदर्शन की मदद से वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन बुधवार को यहां पहली पारी में 205 रन पर आउट कर दिया।

> **दूसरा टेस्ट:** विंडीज की पहली पारी 205 रन ढेर, न्यूजीलैंड के टिकनर ने चार विकेट लिए

टिकनर ने 32 रन देकर चार विकेट लिए लेकिन क्षेत्ररक्षण करते समय वह गिर गए और उनके कंधे में चोट लग गई। इसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। टिकनर को अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे माइकल रे से अच्छा सहयोग मिला। उन्होंने 65 रन देकर तीन विकेट लिए जिससे वेस्टइंडीज की टीम 75 ओवर में ही सिमट गई।न्यूजीलैंड ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 24 रन बनाए हैं। उस समय डेवोन कॉनवे 16 और कप्तान टॉम लैथम सात रन पर खेल रहे थे। न्यूजीलैंड इस तरह से वेस्टइंडीज से पहली पारी में 181 रन पीछे है।टिकनर की चोट से न्यूजीलैंड के चोटिल खिलाड़ियों की सूची में एक और नाम जुड़ गया है। उसकी टीम पहले से ही मैट हेनरी, विल ओरूर्क, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ

और काइल जैमीसन जैसे तेज गेंदबाजों के बिना खेल रही हैं। विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल भी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इस मैच में नहीं खेल रहे हैं। उनकी जगह मिशेल हे को टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिला।कुछ विषम परिस्थितियों के बावजूद पहले टेस्ट को ड्रा कराने वाली वेस्टइंडीज की टीम आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरी लेकिन उसके बल्लेबाज क्राइस्टचर्च में दूसरी पारी की तरह प्रदर्शन नहीं कर पाए।वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद अच्छी शुरुआत की। जॉन कैंपबेल (44) और ब्रैंडन किंग (33) ने पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़े, जो 21 पारियों में वेस्टइंडीज की तरफ से पहले विकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है।लंच के समय वेस्टइंडीज का स्कोर दो विकेट पर 92 रन और चायकाल तक चार विकेट पर 175 रन था लेकिन इसके बाद उसकी पारी लड़खड़ा गई। उसने अपने आखिरी छह विकेट 29 रन के अंदर गंवाए।

दमदार वापसी चाहता था: हार्दिक

एजेंसी। कटक

भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का मानना है कि चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने के बाद वह सकारात्मक मानसिकता से ही 'दमदार और बेहतर वापसी' करने में सफल रहे। हार्दिक ने बीसीसीआई टीवी पर जारी किए गए एक वीडियो में कहा, मेरी सोच यह थी कि मैं पहले की तुलना में अधिक दमदार और बेहतर वापसी करूं।

चोटें मानसिक रूप से आपकी परीक्षा लेती हैं और साथ ही कई तरह के संदेह भी पैदा करती हैं। इससे उबरने में अपने करीबी लोगों का भी बड़ा योगदान होता है। उन्होंने कहा,मैंने खुद को मजबूत बनाए रखा जिससे मुझे अधिक आत्मविश्वास मिला तथा खुद पर भरोसा करने और अपनी क्षमताओं पर पूरी तरह

से विश्वास करने में मदद मिली है। मुझे एक खिलाड़ी के रूप में खुद पर पूरा भरोसा है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि अगर आप खुद पर विश्वास नहीं करते हैं, तो दूसरे आप पर कैसे विश्वास करेंगे।टी20 विश्व कप में भारतीय अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी हार्दिक ने कहा कि वह ऐसे इंसान हैं जो आत्मविश्वास अपने भीतर से प्राप्त करता है और लोग क्या सोच रहे हैं इसकी ज्यादा परवाह नहीं करता है।उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि मैं जीवन में बेहद ईमानदार और यथार्थवादी इंसान रहा हूं जिससे मुझे बहुत मदद मिली है। मुझे घुमा फिरा कर बात करना पसंद नहीं है। मैं इसकी परवाह नहीं करता कि अन्य लोग मेरे बारे में क्या सोच रहे हैं। मैं हमेशा इस पर ध्यान देता हूं कि मैं खुद के बारे में क्या सोच रहा हूं। हार्दिक ने कहा,अब वो समय आ गया है जब हार्दिक पंड्या सिर्फ खेल खेलना चाहता है, मैदान पर हर पल का आनंद लेना चाहता है। अब बड़ा और बेहतर बनना ही मेरे जीवन का ध्येय है।पंड्या का कहना है कि दर्शकों के समर्थन से उन्हें नई ऊर्जा मिलती है, जो उन्हें उम्मीदों पर खरा उतरने में मदद करती है। उन्होंने कहा, आपको एक रॉकस्टार होना चाहिए।

महिला वर्ग में हिमाचल, पुरुष वर्ग में पंजाब बना चैंपियन

पायनियर संवाददाता। लखनऊ

हिमाचल प्रदेश ने 37वीं फेडरेशन कप हैंडबॉल चैंपियनशिप के महिला वर्ग के खिताबी मुकाबले में मेजबान उत्तर प्रदेश का सपना तोड़ते हुए 33.19 से दमदार जीत दर्ज की। वहीं पुरुष वर्ग में पंजाब की टीम ने राजस्थान को 32.23 से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की।

हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन द्वारा केडी सिंह बाबू स्टेडियम स्थित भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी बहुउद्देश्यीय हाल में खेला गया। समापन व पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि एमएलसी विजय पाठक एवं विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिजीत सरकार ने विजेताए उपविजेता व तीसरे स्थान पर रही टीमों को ट्रॉफी व पदक प्रदान कर सम्मानित किया।

> **37वीं फेडरेशन कप** हैंडबॉल (पुरुष व महिला)चैंपियनशिप में यूपी महिला टीम रही उपविजेता

हिमाचल प्रदेश ने उत्तर प्रदेश को 33.19 से हराकर जीती ट्रॉफी

महिला वर्ग के फाइनल में हिमाचल प्रदेश ने मेजबान उत्तर प्रदेश को 33.19 से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम कर लिया। मैच में शुरू में दोनों ही टीमों के मध्य कांटे की टक्कर हुई। इस दौरान मेजबान लड़कियों ने भी खासी फुर्ती दिखाई लेकिन हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ियों ने अपने अनुभव व तालमेल के सहारे दबाव बनाया और मध्यांतर तक 18.9 की मजबूत बढ़त बना ली। मध्यांतर के बाद हिमाचल की खिलाड़ियों ने आक्रामक अंदाज अपनाया जबकि यूपी की खिलाड़ियों ने वापसी की कोशिश की लेकिन महत्वपूर्ण मौकों पर चूक टीम पर भारी पड़ी। हिमाचल प्रदेश से शिवानी ने सर्वाधिक 8 गोल दागे। शालिनी, भावना, गुलशन व कृतिका ने 3.3 गोल जबकि प्रियंकाए जागृतिए वंशिका व शिक्षा ने 2.2 गोल किए। मितालीए रिधिमाए कनिष्काए गरिमा व पायल ने एक.एक गोल जोड़े। उत्तर प्रदेश से रेशमा ने आठ गोल किए जबकि राजपति व खुशबू ने 4.4 गोल दागे। नैना, प्रीति व सुमन ने एक.एक गोल साझा किए।

पंजाब ने राजस्थान को 32.23 से हराकर कब्जाया खिताब: पुरुष वर्ग की चैंपियन पंजाब बनी जिसने फाइनल में राजस्थान को 32.23 से शिकस्त दी। पहले हॉफ में दोनों ही टीमों ने तेजतर्रार आक्रमण किए जिसके चलते पंजाब मध्यांतर तक 13.11 की मामूली बढ़त पर था। दूसरे हॉफ में प्रतिद्वंद्वी के अटैक का जवाब पंजाब के खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल की बदौलत दिया और मैच पर पकड़ मजबूत करते हुए नौ गोल के अंतर से विजेता ट्रॉफी जीत ली। पंजाब से जगमीत ने सबसे अधिक 10 गोल किए। जसमीत 7, संजू 6 गुरजिंदर 3 गौरव व इंदर ने 2.2 हरमन व रविंद्र पाल ने 1.1 गोल किए। राजस्थान से रोहताष ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 11 गोल किए। लोकेंद्र सिंह ने 5ए करन सिंह ने 2ए रविंद्रए अनिल व कुलदीप ने 1.1 गोल किए।

समापन पर हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डॉ.आनन्देश्वर पाण्डेय ने विजेताओं सहित प्रतिभागी टीमों में शामिल खिलाड़ियों को बधाई दी और आयोजन में सहयोग के लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। हैंडबॉल के कोषाध्यक्ष विनय कुमार सिंह, संयुक्त सचिव डॉ.सुमंत पाण्डेय,कोच मो.तौहीद सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

लिवरपूल ने इंटर मिलान को हराया बार्सिलोना व बायर्न म्यूनिख भी जीते

लंदन। स्टार स्ट्राइकर मोहम्मद सालाह को टीम से बाहर किए जाने के बावजूद लिवरपूल ने पेनल्टी पर किए गए गोल के दम पर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में इंटर मिलान को 1-0 से हराकर आत्मविश्वास बढ़ाने वाली जीत हासिल की। बार्सिलोना और बायर्न म्यूनिख ने भी शानदार वापसी करते हुए जीत का जश्न मनाया, जबकि चेल्सी को हार का सामना करना पड़ा। लिवरपूल की तरफ से नियमित पेनल्टी लेने वाले सालाह के टीम से बाहर होने के कारण डोमिनिक स्ज़ोबोस्ज़लाई को यह भूमिका निभानी पड़ी। उन्होंने हालांकि टीम को निराश नहीं किया और 88वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके प्रतियोगिता में अब तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीमों में शामिल इंटर मिलान के विजय अभियान पर रोक लगाई। लिवरपूल के लिए यह जीत महत्वपूर्ण थी क्योंकि वह सभी प्रतियोगिताओं में पिछले छह मैचों में केवल एक मैच में ही जीत हासिल कर पाया था। इस जीत से टीम आठवें स्थान पर पहुंच गई है और राउंड ऑफ 16 में सीधे प्रवेश करने की दौड़ में शामिल हो गई है। इंटर मिलान पांचवें स्थान पर खिसक गया है। बायर्न म्यूनिख के 17 वर्षीय मिडफील्डर लेनार्ट कार्ल ने चैंपियंस लीग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिससे उनकी टीम ने स्पोर्टिंग लिस्बन पर 3-1 से जीत हासिल की। इससे बायर्न आर्सेनल के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। कार्ल ने चैंपियंस लीग के चार मैचों में तीसरा गोल किया। स्पोर्टिंग को जोशुआ किमिच के आत्मघाती गोल से बढ़त मिलने के बाद बायर्न ने 12 मिनट में तीन गोल दागकर मैच का रुख पलट दिया। सर्ज ग्नाब्री ने 65वें मिनट में बायर्न के लिए बराबरी का गोल दागा। इसके बाद 69वें मिनट में कार्ल ने और 77वें मिनट में डिफेंडर जोनाथन टाह ने गोल किए। चेल्सी को लगभग तीन महीने में पहली बार चैंपियंस लीग में हार का सामना करना पड़ा। उसे अटलांटा ने 2-1 से हराया।

उतरौला का दिव्य धामः श्री दुःख हरण नाथ मंदिर

हनुमान जी के चमत्कारी मुखोटे और माता बाला सुंदरी महारानी की असीम कृपा का पावन संगम

उतरौला कस्बे के मध्य स्थित श्री दुःख हरण नाथ मंदिर वर्षों से लोगों की आस्था, अध्यात्म और सांस्कृतिक जुड़ाव का प्रमुख केंद्र रहा है। अपने नाम के अनुरूप यह मंदिर भक्तों के दुख हरने वाले मंदिर के रूप में विख्यात है। यहां स्थित हनुमान जी का अलौकिक मुखोटा और गर्भगृह में विराजमान मां बाला सुंदरी महारानी का दिव्य स्वरूप भक्तों के मन में अपार श्रद्धा का संचार करता है। यह मंदिर न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पड़ोसी राज्यों और नेपाल के तराई क्षेत्र तक आस्था का प्रमुख स्थल है। वर्षभर यहां धार्मिक आयोजन होते रहते हैं, किंतु शारदीय और चैत्र नवरात्रि के दौरान यह स्थान आध्यात्मिक ऊर्जा से अद्भुत रूप से आलोकित हो उठता है। इन नौ दिनों में यहां आने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ और वातावरण में व्याप्त दिव्यता मंदिर को एक अद्वितीय धार्मिक केंद्र बनाती है।

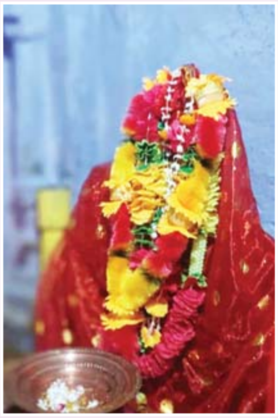

हनुमान जी के अलौकिक मुखोटे की अनोखी महिमा: श्री दुःख हरण नाथ मंदिर की पहचान सिर्फ उसकी प्राचीनता में ही नहीं, बल्कि यहां स्थापित हनुमान जी के चमत्कारी मुखोटे में भी छिपी है। मंदिर प्रशासन के अनुसार यह मुखोटा सदियों पुराना है और अनेक दिव्य अनुभवों का साक्षी रहा है।

भक्तों का मानना है कि मुखोटे के दर्शन मात्र से मानसिक शांति प्राप्त होती है। संकट और बाधाएं दूर होने लगती हैं। जीवन में नई ऊर्जा और हिम्मत का संचार होता है।

हर मंगलवार और शनिवार यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। कई श्रद्धालु बताते हैं कि जब वे मुखोटे के पास खड़े होते हैं तो उन्हें ऐसा अनुभव होता है जैसे हनुमान जी प्रत्यक्ष रूप से उनकी ओर देख रहे हों। यही अनुभूति इस मुखोटे को अलौकिक और चमत्कारी बनाती है।

नवरात्रि में भक्ति-भावना का अद्भुत वातावरण: नवरात्रि वह समय है जब श्री दुःख हरण नाथ मंदिर में अध्यात्म अपने चरम पर होता है। गर्भगृह में स्थापित मां बाला सुंदरी महारानी की पिंडी का नवरात्रि के नौ दिनों तक विशेष वैदिक विधि-विधान से पूजन किया जाता है।

हर दिन सुबह और शाम आरती, दुर्गा सप्तशती पाठ, अखंड ज्योति पूजन, भजन कीर्तन के साथ पूरा वातावरण भक्तिरस से सराबोर रहता है। अष्टमी और नवमी का इन नौ दिनों में विशेष महत्व माना गया है। अष्टमी पर मंदिर प्रांगण में आयोजित विशेष यज्ञ में मंत्रोच्चार के बीच अग्नि में आहुतियां दी जाती हैं और हजारों श्रद्धालु इस पुण्य अवसर के साक्षी बनते हैं। नवमी की मध्य रात्रि का पूजन रहस्यमयी, शक्तिपूर्ण और अलौकिक अनुभूतियों से भरपूर होता है। इस दौरान मंदिर की आध्यात्मिक ऊर्जा अपनी चरम सीमा पर मानी जाती हैं। इन अनुष्ठानों के कारण नवरात्रि के दिन यहां आने वाले भक्तों को अद्भुत शांति, भक्ति और शक्ति का अनुभव होता है।

सदियों पुरानी परंपरा, जो आज भी जीवंत है: श्री दुःख हरण नाथ मंदिर की नवरात्रि परंपरा सैकड़ों वर्षों से निरंतर चली आ रही है। मंदिर के महंत मयंक गिरी बताते हैं यह मंदिर उतरौला की आत्मा है। मां बाला सुंदरी महारानी की कृपा से यहां आने वाला हर भक्त अपने जीवन की कठिनाइयों से मुक्ति पाता है। स्थानीय बुजुर्ग बताते हैं कि पुराने समय में जब उतरौला छोटा कस्बा हुआ करता था, तब भी नवरात्रि के अवसर पर यहां धूमधाम से अनुष्ठान होते थे और दूर-दूर से भक्त पहुंचते थे। आज भी यह परंपरा अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ निभाई जाती है।

सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर का अनुपम उदाहरण: मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थान ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक विरासत का केंद्र भी है। नवरात्रि के दौरान कलश स्थापना, कन्या पूजन, देवी जागरण, भजन मंडलियों का कीर्तन, पारंपरिक वाद्ययंत्रों की ध्वनि पूरी रात मंदिर परिसर को आध्यात्मिक संगीत से भर देती है। महिलाओं का पारंपरिक परिधानों में आरती करना नारी शक्ति के सम्मान और सांस्कृतिक मूल्यों की जीवंत मिसाल है। नगरवासी, व्यापारी, बुजुर्ग और युवा सभी मिलकर नवरात्रि में मंदिर की सेवा और आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं, जिससे यह उत्सव सामूहिक आस्था का प्रतीक बन जाता है।

उतरौला से नेपाल तक फैली आस्था की अटूट श्रृंखला: श्री दुःख हरण नाथ मंदिर की ख्याति केवल बलरामपुर जिले तक सीमित नहीं है।

गोंडा, श्रावस्ती, बहराइच, सिद्धार्थनगर, महराजगंज, नेपाल का तराई क्षेत्र से भी हजारों श्रद्धालु यहां नवरात्रि के दौरान माता के दर्शन करने पहुंचते हैं। कई श्रद्धालु ऐसे हैं जो हर वर्ष बिना चूके यहां आते हैं और बताते हैं कि इस स्थान की दिव्य ऊर्जा उनके जीवन को नई दिशा प्रदान करती है।

व्यवस्थाओं में प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका: नवरात्रि के दौरान भक्तों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नगर पालिका और स्थानीय प्रशासन द्वारा सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पुलिस सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, यातायात नियंत्रण जैसी व्यवस्थाएं की जाती हैं। बैरिकेडिंग, पेयजल, पार्किंग और महिलाओं के लिए सुरक्षित मार्ग जैसी सुविधाएं भी सुनिश्चित की जाती हैं।

श्री दुःख हरण नाथ मंदिर: आस्था, आध्यात्मिकता और संस्कृति का दीपस्तंभ: नवरात्रि के नौ दिवस यहां का वातावरण किसी आध्यात्मिक विश्वविद्यालय जैसा प्रतीत होता है जहां हर दिन नए अनुभव, नई श्रद्धा और नया उत्साह मिलता है।

मंदिर की दिव्यता, हनुमान जी के मुखोटे की चमत्कारी शक्ति और माता बाला सुंदरी महारानी का अलौकिक आशीर्वाद इन तीनों के संगम ने श्री दुःख हरण नाथ मंदिर को उतरौला का आध्यात्मिक हृदय बना दिया है। महंत मयंक गिरी के शब्दों में नवरात्रि केवल उत्सव नहीं बल्कि हमारी संस्कृति, श्रद्धा और आत्मिक शक्ति का जीवंत पर्व है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है और आने वाली पीढ़ियों को भी इसी रूप में मिलती रहेगी।

नवरात्रि का यह पर्व यहां केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आस्था, भक्ति, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत उत्सव है। श्री दुःख हरण नाथ मंदिर क्षेत्र भर में आशा, शांति और श्रद्धा का दीप जलाता है।

यही कारण है कि उतरौला का यह मंदिर आज भी भक्तों की पहली आस्था और अंतिम शरण बना हुआ है।

इन पांच लोगों को खिलाएं खाना, स्थिर रहेंगी लक्ष्मी

हिंदू धर्म के शास्त्रों में कई ऐसे उपाय बताए गें है जिनका आमरण करे तो हम सफलता ही हर ऊचांई को छूते चले जाएगे। शास्त्रों में दी गई बातें हमें कभी निराश नही कर सकती है। इसी प्रकार शास्त्रों में भोजन के बारें में की बातें बताई गई है। इसके अनुसार जब भोजन करते है तो उससे पहले हमें इन लोगों के लिए भोजन जरूर निकालना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से माता लक्ष्मी हमारें घर से कभी नही जाएगा।

किन लोगों को खिलाना चाहिए खाना...

गाय को खिलाएं रोटी: हिंदू धर्म में गाय को माता समान माना जाता है। यह पुज्नीय भी है। हमारें शास्त्रों में कहा गया है कि जब भी हम खाना बनाएं उसके बाद सबसे पहले एक रोटी गाय को खिलाएं। माना जाता है कि अगर कोई व्यक्ति किसी गाय को रोटी या हरी घास रोज खिलाता है तो उसे जल्द ही कोई अच्छा फल मिलता है साथ ही कई गुना पुण्य भी मिलता है। साथ ही कुंडली में लगे कई दोष ही शांत हो जाते है।

कुत्तें को खिलाएं रोटी: अगर आपको अपने शत्रु का भय सता रहा हो जिसके कारण आप उससे डर कर रह रहे है। तो रोज एक रोटी कुत्ते को खिलाएं। इससे आपका शत्रु का भय खत्म हो जाएगा। और आप निडर हो कर रह सकेगे। साथ ही अगरा पकी कुंडली में शनि का दोष है तो शिवार के दिन काले रंग के कुत्तें को रोटी खिलाएं। इससे आपको जल्द फायदा मिलेगा। और शनि दोष शांत होगा। माता लक्ष्मी आपके घर हमेशा के लिए आ जाएगी।

मछली को खिलाएं आटे की गोली: शास्त्रों के अनुसार माना जाता है कि अगर आपकी पुरानी संपत्ति हाथ से निकल गई हो या फिर कोई मुल्यवान चीज खो गई हो तो रोज तालाब या नदी में जाकर मछलियों को आटे की गोलियां बनाकर खिलाएं। ऐसा करने से आपकी पुरानी संपत्ति वापस मिल जाएगी।

चीटियों को डालें आटा: अगर आप बहुत ज्यादा परेशान है। आपको हर काम में असफलता मिल रही है जिसके कारण आप कर्ज में डूबते चले जा रहे है। जिसके कारण आप तनाव में चले जाते है। शास्त्रों में माना जाता है कि अगर आप अपने घर में निकलने वाली चीटियों को आटा या चीनी डालेगे। जो इससे आपको अधिक फायदा होगा। इससे हमें सभी कर्ज से मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही घर में कभी भी धन की कमी नही होगी।

पक्षियों को खिलाएं अनाज: शास्त्रों के अनुसार माना गया है कि अगर आपके घर में आर्थिक लाभ न हो रहा हो। हर काम में असफलता प्राप्त हो रही हो तो इस समस्या से निजात आपको पक्षी दिला सकते है। इसके लिए रोज पक्षियों को दाना डालें जिससे महालक्ष्मी की कृपा आप पर बनी रहेगी। और काम में आपको सफलता प्राप्त होगी।

आखिरी प्रदोष व्रत कब, जानें पूजा का मुहूर्त व उपाय

प्रदोष का व्रत देवों के देव महादेव को समर्पित है। हर महीने के शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष में प्रदोष व्रत किया जाता है। विधिवत प्रदोष का व्रत करने से संतान प्राप्ति और सुखी जीवन का वरदान मिलता है। इस साल दिसंबर का आखिरी प्रदोष व्रत बुध प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाएगा, जो पौष मास की कृष्ण त्रयोदशी के दिन रखा जाएगा। बुधवार को पड़ने वाला प्रदोष व्रत ज्ञान, वाणी और बिजनेस के क्षेत्र में तरक्की दिला सकता है। बुध प्रदोष का व्रत करने से व्यक्ति को भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त होता है। बुध प्रदोष के दिन शाम में शिव पूजन करने का विधान है। आइए जानते हैं कब रखा जाएगा दिसंबर का आखिरी प्रदोष व्रत-

हिन्दू पंचांग के अनुसार, 16 दिसंबर 2025 को 11:57 पी एम पर त्रयोदशी तिथि प्रारम्भ होगी। तिथि का समापन 18 दिसंबर 2025 को 02:32 एएम तक होगा। ऐसे में 17 दिसंबर को प्रदोष काल में शिव पूजन व व्रत किया जाएगा।

प्रदोष पूजा का मुहूर्त- 05:27 पी एम से 08:11 पी एम बजे तक रहेगा, जिसकी अवधि - 02 घण्टे 44 मिनट्स की है।

भगवान को नैवेद्य चढ़ाने के 12 खास नियम

देवताओं का नैवेद्य यानी देवी-देवताओं के निवेदन के लिए जिस भोज्य द्रव्य का प्रयोग किया जाता है, उसे नैवेद्य कहते है। उसे अन्य नाम जैसे भोग, प्रसाद, प्रसादी आदि भी कहा जाता है। यहां पाठकों के लिए प्रस्तुत है देवताओं को नैवेद्य अर्पित करने के कुछ नियम, जिन्हें अपना कर आप भगवान की कृपा प्राप्त कर सकते है।

नैवेद्य चढ़ाने के नियम...

- देवता को निवेदित करना ही नैवेद्य है। सभी प्रकार के प्रसाद में निम्न पदार्थ प्रमुख रूप से रखे जाते हैं-दूध-शकर, मिश्री, शकर-नारियल, गुड़-नारियल, फल, खीर, भोजन इत्यादि पदार्थ।
- तैयार सभी व्यंजनों से थोड़ा-थोड़ा हिस्सा अग्निदेव को मंत्रोच्चार के साथ स्मरण कर समर्पित करें। अंत में देव आचमन के लिए मंत्रोच्चार से पुनः जल छिड़कें और हाथ जोड़कर नमन करें।
- पीतल की थाली या केले के पत्ते पर ही नैवेद्य परोसा जाए।
- प्रत्येक पकवान पर तुलसी का एक पत्ता रखा जाता है।
- नैवेद्य की थाली तुरंत भगवान के आगे से हटाना नहीं चाहिए।
- शिव जी के नैवेद्य में तुलसी की जगह बेल और गणेश जी के नैवेद्य में दूर्वा रखते हैं।
- नैवेद्य देवता के दक्षिण भाग में रखना चाहिए।
- कुछ ग्रंथों का मत है कि पक्व नैवेद्य देवता के बाईं तरफ तथा कच्चा दाहिनी तरफ रखना चाहिए।
- भोग लगाने के लिए भोजन एवं जल पहले अग्नि के समक्ष रखें। फिर देवों का आह्वान करने के लिए जल छिड़कें।
- नमक, मिर्च और तेल का प्रयोग नैवेद्य में नहीं किया जाता है।
- नैवेद्य में नमक की जगह मिष्ठान्न रखे जाते हैं।
- भोजन के अंत में भोग का यह अंश गाय, कुत्ते और कौए को दिया जाना चाहिए।

कहीं आप भी तो नहीं कर रहे लड्डू गोपाल की सेवा में ये भूल

कई घरों में रोजाना पूरे श्रद्धाभाव से लड्डू गोपाल की पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसे में अगर आपको घर में भी लड्डू गोपाल जी की सेवा की जाती है, तो आपको इन बातों का ध्यान जरूर रखा चाहिए।

कितना होना चाहिए मूर्ति का आकार: सबसे पहले आपको लड्डू गोपाल की जी की मूर्ति के आकार का ध्यान रखना चाहिए। मूर्ति न तो बहुत ज्यादा बड़ी नहीं होनी चाहिए और न ही बहुत ज्यादा छोटी। हाथ के अंगूठे के आकार की या फिर लगभग 3 इंच की मूर्ति घर में रखना शुभ माना गया है। इसके साथ ही अपनी श्रद्धा के अनुसार, घर में लड्डू गोपाल की पीतल, तांबा, कांसा, चांदी या फिर सोने से बनी मूर्ति स्थापित की जा सकती है। सबसे अधिक शुभ लड्डू गोपाल की अष्टधातु से बनी मूर्ति को माना जाता है।

स्थापना की सही दिशा: वास्तु शास्त्र में लड्डू गोपाल की मूर्ति को स्थापित करने के लिए सही दिशा का भी वर्णन किया गया है, जिसका ध्यान रखना जरूरी है। वास्तु के अनुसार लड्डू गोपाल जी की मूर्ति को हमेशा घर की उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण में स्थापित करना चाहिए। इस दिशा में लड्डू गोपाल जी की मूर्ति स्थापित करने से आपको कई तरह के आधात्मिक लाभ मिल सकते हैं। इस बात का भी ध्यान रखें कि मूर्ति को हमेशा किसी ऊंचे स्थान पर या फिर चौकी पर रखना चाहिए। साथ ही लड्डू गोपाल जी का मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।

इन गलतियों को करने से बचें: घर में कभी भी लड्डू गोपाल जी की खंडित मूर्ति नहीं रखना चाहिए, इससे नकारात्मकता बढ़ सकती है। ऐसे में आपको शुभ तिथि पर नई मूर्ति लाकर स्थापित करनी चाहिए और क्षमायाचना करते हुए पुरानी मूर्ति को किसी बहते जल में विसर्जन कर देना चाहिए। इसके साथ ही लड्डू गोपाल को कभी भी पुराने या फिर गंदे वस्त्र नहीं पहनाने चाहिए। इससे भी लड्डू गोपाल आपसे रुष्ट हो सकते हैं।

भोग से जुड़े नियम जरूरी नियम: लड्डू गोपाल का भोग हमेशा स्नान के बाद ही तैयार करना चाहिए और भोग पूरी तरह से सात्विक होना चाहिए। इसके साथ ही लड्डू गोपाल के भोग में हमेशा तुलसी दल जरूर डालें, क्योंकि इसके बिना लड्डू गोपाल जी का भोग अधूरा माना जाता है। भोग लगाने के लिए हमेशा चांदी, पीतल, तांबा, या फिर कांसे आदि धातुओं से बने बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए। प्लास्टिक के बर्तनों में भोग लगाना बिल्कुल भी शुभ नहीं माना गया। इसके साथ ही लड्डू गोपाल को भोग लगाते समय आप इस मंत्र का जप कर सकते हैं।

त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये।
गृहाणे सम्मुखो भूत्वा प्रसीद परमेश्वर ।।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. देवेन्द्र सिंह द्वारा पंजीकृत कार्यालय 201-205, 208-210 द्वितीय मंजिल, प्रताप भवन, 5 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष : 01169342500, 46035729 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. ए-8, सेक्टर 7, जिला गौतमबुद्धनगर- उत्तर प्रदेश, नोएडा 201, 301, फोन नंबर 0120-2470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक डॉ. देवेन्द्र सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।